सूर्योदय 6.01 सूर्यास्त 6:37

आज का तापमान

शिमला	15.2 न्यू	23.4 अधि
धर्मशाला	16.2 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	75,578
निफ्टी	23,635

सोना 1,53,000 चांदी 2,34,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 9 सितंबर 2026 | 24 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 135, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

पुतिन ब्रिक्स समिट के लिए आएंगे भारत

एजेंसी, मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। 11 सितंबर को नई दिल्ली में ब्रिक्स नेताओं की बैठक से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन की द्विपक्षीय बैठक होगी। रूस के राष्ट्रपति ऑफिस क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इस मुलाकात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि भारत को रूस अपना रणनीतिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के रिश्ते उसके लिए बेहद अहम हैं। उन्होंने बताया कि भारत और रूस के बीच ज्यादातर भुगतान अब दोनों देशों की अपनी-अपनी करेंसी में हो रहा है। इससे पहले पुतिन 4 दिसंबर 2025 को भारत आए थे।

मोदी मानहानि केस में राहुल गांधी की याचिका खारिज

एजेंसी, मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पीएम मोदी से जुड़े मानहानि मामले में राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने 2019 में जारी मजिस्ट्रेट कोर्ट के समन को रद्द करने की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने निचली अदालत में मानहानि की शिकायत पर सुनवाई छह हफ्ते तक टालने का आदेश बढ़ा दिया। इससे राहुल को इस दौरान मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं होना पड़ेगा। उनके वकील ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल करने के लिए समय मांगा था। दरअसल, राहुल ने 2018 में राजस्थान की एक सभा में राफेल विमान डील पर पीएम को 'चौकीदार चोर है' कहा था। आरोप है कि उन्होंने 24 सितंबर को एक्स पर वीडियो पोस्ट कर मोदी को कमांडर-इन-थीफ यानी चोरों का सरदार कहा था। इस मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 28 अगस्त 2019 को मानहानि की शिकायत पर राहुल के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की बात कही गई थी। राहुल ने इस आदेश को चुनौती दी थी।

तेलंगाना विधानसभा में रो पड़े स्पीकर

एजेंसी, हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा के स्पीकर गद्दम प्रसाद मंगलवार को सदन में भावुक होकर रो पड़े। यह घटना तब हुई जब मंत्री सीताक्का ने एमएलसी टाटा मधु द्वारा स्पीकर की दिवंगत मां के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा की। इस पूरे घटनाक्रम पर गद्दम ने कहा कि बीआरएस एमएलसी टाटा मधु की टिप्पणिया दुखद हैं। सीताक्का पिछले 5 साल से मुझे राखी बांध रही हैं, जब विधानसभा में सीताक्का की आंखों से आंसू बह रहे थे, तो मुझे बहुत दुख हुआ। अनजाने में ही मेरी आंखों से भी आंसू निकल आए। हम मधु की टिप्पणियों पर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित करेंगे और उसे काउंसिल (परिषद) को भेजेंगे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पीकर के अपमान की निंदा की। हालांकि, टाटा मधु ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है। इसके बाद मधु को मंगलवार को सैफाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

धुरंधर के गाने पर प्रधानमंत्री की एंट्री, रैंप पर चले : जेन-जी संवाद में राहुल पर तंज

झूठ की गूंज से भटकाने वाले हर चौराहे पर मिलेंगे : मोदी

एजेंसी, वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में जेन-जी से 25 मिनट संवाद किया। इस कार्यक्रम के लिए 6 हजार युवाओं को बुलाया गया था। मोदी ने युवाओं से झूठे दावों और भ्रामक बातों से बचने की अपील की।

पीएम ने कहा, 'लोग आपको झूठ की गूंज से गुमराह करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप सच्चाई के साथ खड़े रहना।' मोदी का यह बयान राहुल गांधी और कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान पर तंज माना जा रहा भाषण से पहले पीएम रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचे। मंच पर पहुंचते ही क्वीन का मशहूर गाना 'वी विल रॉक यू' बजाया गया। इसके बाद 'धुरंधर' का गाना 'आरी आरी' भी बजा। एक स्टूडेंट ने उन्हें तस्वीर भी गिफ्ट की।

250 ट्रकों का सामान मुंबई से वडोदरा पहुंचा

पीएम ने कहा, जेएनपीटी मुंबई से डबल कंटेनर मालगाड़ी को चलाया गया। इसके चलने से एक बार में 250 ट्रकों से ज्यादा सामान मुंबई से वडोदरा पहुंच गया। अब ये नाराज फूफाजी चिल्लाएंगे कि इन ट्रक वालों का क्या होगा, लेकिन अब सामान देश के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंच पाएगा, अब भारत में रेल वहां भी पहुंच रही है, जहां पहले नहीं पहुंची।'

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भारत की जीवन रेखा

पीएम ने कहा, 2014 के बाद आपने जो मुझे शिक्षा-दीक्षा दी थी, जो सीखकर दिल्ली पहुंचा था, मैंने दिल्ली में इसे गति देना प्रारंभ कर दिया। 2000 किमी के फ्रेट कॉरिडोर के काम पूरा करके दिखाया। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तेजी से विकसित होते भारत की जीवनरेखा है। इससे भारत के ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर कायाकल्प कर दिया है। पहले पैसेंजर ट्रेन जिस ट्रैक चलती थी, उसी पर मालगाड़ी भी चलती थी। यानी ट्रैवल और ट्रांसपोर्ट दोनों धीमे थे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ने इस स्थिति को बदला है।'

कांग्रेस ने पंजाब के मुख्यमंत्री आवास की ओर निकाला मार्च, पुलिस ने रोका

एजेंसी, चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नेतृत्व में राज्यभर से आए हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस भवन के बाहर एकत्र हुए कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के लिए मार्च शुरू किया, लेकिन भारी पुलिस बल ने बैरिकेड लगाकर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए वड़िंग ने दिड़बा के गुलजार सिंह की आत्महत्या के मामले में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा को बर्खास्त करने और गिरफ्तार करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि गुलजार सिंह ने अपने अंतिम बयान में चीमा को जिम्मेदार ठहराया था। वड़िंग ने शेरों गांव के मोहनजीत सिंह के साथ कथित पुलिस प्रताड़ना का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को काला झंडा दिखाने के कारण किसी व्यक्ति के साथ ऐसा व्यवहार नहीं होना चाहिए। उन्होंने एक यौन अपराध के आरोपी को कथित संरक्षण दिए जाने के मामले में भी मुख्यमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच गुप्त राजनीतिक समझौता है। भाजपा चाहती है कि 'आप' गुजरात में भाजपा-विरोधी वोटों का बंटवारा करे और बदले में पंजाब में उसे सहयोग मिले। वड़िंग ने प्रवर्तन निदेशालय और पंजाब पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मामलों में 'आप' नेताओं के प्रति ढिलाई बरती जा रही है, जबकि कांग्रेस नेताओं के मामलों में तत्काल कार्रवाई की गई थी। उन्होंने पूर्व मंत्री साधु सिंह धर्मसोत के मामले का उदाहरण दिया।

बांग्ला अभिनेता उत्तम कुमार की जन्मशती पर जारी होगा 100 रुपए का सिक्का

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार बांग्ला सिनेमा के महान अभिनेता 'महाननायक' उत्तम कुमार की जन्मशती पर 100 रुपए का विशेष स्मारक सिक्का जारी करेगी। वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने इस संबंध में आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना जारी की है। डीईए की अधिसूचना के अनुसार 100 रुपए का ये स्मारक सिक्का 99.9 फीसदी शुद्ध चांदी से बना होगा और इसका व्यास 44 मिलीमीटर होगा। बांग्ला सिनेमा के दिग्गज अभिनेता उत्तम कुमार का जन्म 3 सितंबर, 1926 को हुआ था। उनका वास्तविक नाम अरुण कुमार चट्टोपाध्याय था। उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में गिना जाता है। इसके साथ ही बांग्ला फिल्म उद्योग में उन्हें 'महानायक' के रूप में याद किया जाता है। कुमार ने अपने फिल्मी करियर के दौरान 200 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। 24 जुलाई, 1980 को 53 वर्ष की उम्रमें उनका निधन हो गया था।

एफिल टॉवर महिला कर्मचारियों से जुड़े विवाद को विदेश मंत्रालय ने संबंधित पक्षों का मसला बताया

एजेंसी, नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने पेरिस स्थित एफिल टावर में भारतीय मूल के धार्मिक संगठन बीएपीएस के एक प्रतिनिधिमंडल की निजी यात्रा के दौरान महिला कर्मचारियों को कथित तौर पर कुछ क्षेत्रों से हटाए जाने या उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किए जाने की खबरों पर कोई पक्ष नहीं रखा है।

मंत्रालय का कहना है कि यह संबंधित पक्षों का मामला है। विवाद 5 सितंबर को बीएपीएस प्रतिनिधिमंडल की एफिल टावर यात्रा से जुड़ा है। बीएपीएस ने पेरिस के निकट अपना पहला प्रमुख पारंपरिक हिंदू मंदिर बनाया है। रिपोर्टों के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल में शामिल ब्रह्मचारी साधु महिलाओं के साथ संपर्क या बातचीत से बचने की धार्मिक प्रतिज्ञाओं का पालन करते हैं। इसी आधार पर एफिल टावर का संचालन करने वाली

संस्था एसईटीई ने कथित तौर पर यात्रा के दौरान कुछ महिला कर्मचारियों की तैनाती को लेकर व्यवस्था की थी। प्रवक्ता ने कहा, 'हमें पेरिस क्षेत्र में बीएपीएस संस्था द्वारा एक मंदिर के उद्घाटन की जानकारी है। टावर से संबंधित विशेष मुद्दे के बारे में, यह पूरी तरह से संबंधित संस्थाओं के बीच का मामला है।' मामला उस समय गंभीर हो गया जब 7 सितंबर को एफिल टावर के कर्मचारियों ने कथित लैंगिक आधार वाली व्यवस्था के विरोध में हड़ताल कर दी। इसके कारण एफिल टावर को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा।

सत्य निकेतन हादसे में घायल छात्रों के परिजनों से एम्स में मिली मुख्यमंत्री

दिल्ली सरकार उठाएगी इलाज का खर्च : रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को एम्स ट्रॉमा सेंटर में सत्य निकेतन में गिरी पीजी इमारत हादसे में घायल छात्रों के परिजनों से मुलाकात करके सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार हादसे में घायल हुए सभी छात्रों के इलाज का पूरा खर्च वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने परिजनों से छात्रों के स्वास्थ्य और उपचार की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि दिल्ली सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है। छात्रों के इलाज में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने एम्स के चिकित्सकों से घायल छात्रों की स्थिति और उन्हें दिए जा रहे उपचार की विस्तृत जानकारी भी ली। चिकित्सकों ने

◆ रेखा गुप्ता ने चिकित्सकों से ली घायल छात्रों के स्वास्थ्य की जानकारी

मुख्यमंत्री को बताया कि गंभीर रूप से घायल छात्रों के उपचार के लिए डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी स्थिति की निगरानी कर रही है। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि सभी घायल छात्रों को सर्वोत्तम संभव उपचार और हर आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि उपचार से जुड़ी किसी भी आवश्यकता में सरकार हरसंभव मदद उपलब्ध कराएगी। उन्होंने घायल बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और परिजनों से हिम्मत बनाए रखने का आग्रह किया।

महाराष्ट्र : गोंदिया-बालाघाट हाईवे पर ट्रक पिकअप की भिड़ंत, छह लोगों की मौत

एजेंसी, मुंबई। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में तेज रफ्तार ट्रक ने एक एसयूवी को टक्कर मार दी। हादसे में तीन साल के बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हुए हैं। सभी मृतक और घायल मजदूर थे और मध्य प्रदेश के बालाघाट से तेलंगाना के करीमनगर काम के लिए जा रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, हादसा जिला मुख्यालय से करीब चार किलोमीटर दूर नागरा गांव के पास हुआ। सामने से आ रही एसयूवी को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि एसयूवी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने लोगों को वाहन से बाहर निकाला। छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान किरण संतोष वैद्य (26), संतोष मत्रे (38), सुशीला मत्रे (35), रूपसेन तेजलाल सत्याकर (35), ज्योति रूपसेन सत्याकर (32) और तीन वर्षीय आरुष मत्रे के रूप में हुई है। सभी मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले की किरनापुर तहसील के रहने वाले थे। पुलिस ने ट्रक चालक मोहसिन खान (32) के खिलाफ लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

महिला विधायक समाज को दिशा देने वाली शक्ति : सैनी

कहा- महिला स्टार्टअप भागीदारी 50 फीसदी तक पहुंची, 500 केंद्र स्थापित

एजेंसी, फरीदाबाद। फरीदाबाद के सूरजकुंड में मंगलवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से आयोजित 'शी इज द चेंजमेकर' दो दिवसीय कार्यशाला में हरियाणा सीएम नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि पहुंचे। इसमें देशभर के 22 से ज्यादा राज्यों की 100 से अधिक महिला विधायक शामिल हुईं।

कार्यशाला में महिला विधायकों के विधायी दायित्वों के साथ समाज को मजबूत बनाने और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को बेहतर तरीके से उठाने और उनके समाधान के लिए काम करने के तरीकों की जानकारी दी गई। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि देश में महिलाओं के हित में कई कानून बनाए गए हैं और इनका फायदा भी महिलाओं को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले समाज में पुरुषों का दबदबा अधिक था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल रही हैं और महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को परिसीमन से जोड़कर किए जा रहे विरोध पर विजया रहाटकर ने कहा कि यह कानून लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल महिलाओं से वोट मांगते हैं, लेकिन जब उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की बात आती है तो विरोध करते हैं। इस मौक पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महिला विधायक उस शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो समाज को दिशा देने का काम करती है। उन्होंने कहा कि इन दो दिनों में महिला विधायकों ने नई योजनाओं और पहलों के साथ विधायी काम को ज्यादा प्रभावी बनाने के तरीके भी सीखे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा ने वर्ष 2020 में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया। उन्होंने कहा कि विधानसभा सिर्फ कानून बनाने की जगह नहीं है, बल्कि जनता की आवाज को नीतियों में बदलने का महत्वपूर्ण मंच है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ। उन्होंने इसे महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। हरियाणा के स्टार्टअप क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

दिल्ली में एक संगीतकार की हत्या पर राजनीति नहीं होनी चाहिए: रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में हाल ही में एक संगीतकार की कथित हत्या के मामले में केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रतिक्रिया पर पलटवार करते हुए में कहा कि इस दुखद घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए बल्कि पूरा ध्यान त्वरित और सख्त कार्रवाई पर होना चाहिए। रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'वे भी भारतीय हैं। पूर्वोत्तर के लोग भी भारतीय हैं। यह राजनीति करने का मामला नहीं है बल्कि सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।' उन्होंने बताया कि ढाबे के कर्मचारियों और खाना पहुंचाने वाले डिलीवरी बॉय के बीच देर रात किसी बात को लेकर हुए विवाद के दौरान यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। रात के समय अचानक हुए इस झगड़े का किसी को पता नहीं चल सका, लेकिन मृतक के बेटे द्वारा पीसीआर कॉल किए जाने के बाद दिल्ली पुलिस ने तत्परता दिखाई।

नदियों में जमा मलबे से बढ़ रहा बाढ़ का खतरा, सीएम सुक्खू ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से उठाया ड्रेजिंग का मुद्दा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच हिमाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित नदी क्षेत्रों में वैज्ञानिक ड्रेजिंग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अत्यधिक बारिश, बाढ़ और फ्लैश फ्लड के कारण हिमाचल की नदियों में बड़ी मात्रा में मलबा, बोल्डर, पत्थर और रेत जमा हो जाती है। इससे नदियों की पानी ले जाने की क्षमता प्रभावित होती है और आसपास की मानव बस्तियों, सड़कों, पुलों, वनों तथा अन्य महत्वपूर्ण ढांचे पर बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि आपदा के जोखिम को कम करने के लिए ऐसे संवेदनशील नदी क्षेत्रों में वैज्ञानिक और समयबद्ध ड्रेजिंग

◆ बाढ़ का खतरा घटाने को नदियों की जलवहन क्षमता बहाल करना जरूरी

जरूरी है। सुक्खू ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि वन सलाहकार समिति के निर्णयों और सिफारिशों के आधार पर वैज्ञानिक ड्रेजिंग के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। इससे ड्रेजिंग से जुड़े प्रस्तावों का समयबद्ध तरीके से निपटारा हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण मंत्रालय के परिवेश पोर्टल पर नदी ड्रेजिंग के लिए अलग श्रेणी बनाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नदी ड्रेजिंग को पारंपरिक खनन गतिविधियों से अलग रखा जाना चाहिए। बाढ़ के बाद नदी के तल और चैनल से मलबा हटाने का मुख्य उद्देश्य नदियों की जल वहन क्षमता को बहाल करना, नदी के प्रवाह में आए अवरोधों को दूर करना तथा मानव जीवन और सार्वजनिक अधोसंरचना को बाढ़ के खतरे से बचाना है। उन्होंने नदी ड्रेजिंग परियोजनाओं को क्षतिपूरक वनीकरण की अनिवार्यता से छूट देने की मांग भी रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों में वन भूमि का गैर-वानिकी उद्देश्यों के लिए डायवर्जन नहीं किया जाता। वैज्ञानिक ड्रेजिंग का उद्देश्य नदियों के प्रवाह को सुचारू बनाए रखना और बाढ़ के जोखिम को कम करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के बाद नदियों में जमा होने वाली सामग्री की मात्रा कई बार काफी अधिक होती है। ऐसे में ड्रेजिंग के दौरान निकाली गई सामग्री के सुरक्षित, नियंत्रित और उचित उपयोग तथा निस्तारण के लिए स्पष्ट व्यवस्था जरूरी है।

प्रतिभाओं को प्रोत्साहन और शिक्षा को बढ़ावा देना जरूरी: सीएम धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'ज्ञान गंगा सम्मान समारोह' केवल सम्मान और छात्रवृत्ति वितरण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि प्रतिभाओं को पहचान देने, शिक्षा को प्रोत्साहित करने और बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उसके सपनों को पूरा करने में सहभागी बनना है।

मंगलवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में मुख्यमंत्री ने कुसुम कांता फाउंडेशन व मंथन वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आयोजित 'ज्ञान गंगा सम्मान समारोह एवं छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम' में शिक्षकों को सम्मानित किया और

◆ कुसुम कांता फाउंडेशन के शिक्षा प्रयासों को सराहा

मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने स्व. कुसुम कांता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संगीत, साहित्य व शिक्षा के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायी रहा। उनके जीवन-मूल्यों और सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए कुसुम कांता फाउंडेशन पिछले छह वर्षों से शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, कौशल विकास, डिजिटल साक्षरता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। उन्होंने मंथन वेलफेयर एसोसिएशन के शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, कौशल विकास और जनकल्याण से जुड़े प्रयासों की भी सराहना की। धामी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं देता, बल्कि विद्यार्थी को दृष्टि, आत्मविश्वास और संस्कार प्रदान करता है।

यूपी टेक्सटाइल कान्क्लेव | 2017 के बाद बदली यूपी की तस्वीर, बहाल हुआ निवेशकों का भरोसा

अब दंगा, कर्फ्यू , उपद्रव मुक्त है यूपी: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्याथ ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के उद्योग हैं, तो उद्यमिता भी है। दुनिया का सबसे युवा वर्क फोर्स भी हमारे पास है।

कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार सृजन का क्षेत्र है तो वह वस्त्रोद्योग है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में हमने नई स्टोरी लिखने की व्यवस्था की है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सेक्टर के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है। यह राष्ट्रीय संकल्प तब ही पूरा होगा जब उत्तर प्रदेश अपना योगदान देगा। उद्यमियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले यूपी की स्थिति क्या

थी। किसी से छिपा नहीं है। प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट थी। हर जनपद में माफिया की सरकार संचालित थी। पूरे प्रदेश में हत्या, फिरौती, अपहरण उद्योग फलफूल रहा था। पेशेवर माफिया गुंडे, सत्ता के समानांतर अपनी व्यवस्था का संचालन करते थे। निवेशक बाहर से व्यापार का सपना लेकर आता था। लौटता था वसूली की पर्ची लेकर। माफिया बंदूकें लहराकर कहीं से भी आ जा सकते थे। जहां हाथ रख दिया। वह जमीन उसकी होती थी। तत्कालीन सरकार मौन रहती थी। यूपी के नागरिकों के सामने पहचान का संकट था। यूपी के बाहर यूपी के नागरिकों को कोई आवास नहीं देता था। होटल में कमरा नहीं देता था। इससे भीषण त्रासदी किसी समाज के लिए दूसरी क्या होती।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब यूपी दंगामुक्त है, कर्फ्यू मुक्त है, उपद्रव मुक्त है, अब कोई माफिया खुली जीप में अपनी पिस्टल लहराकर खुले आम नहीं घूम सकता। अब बेटी, व्यापारी या निवेशक की सुरक्षा में कोई सेंध लगाने का दुस्साहस कोई नहीं कर सकता, अगर किया तो दो ही जगह है, या तो जेल, या फिर जहन्नुम, तीसरी कोई जगह नही। ये बदल हुआ यूपी है। जब प्रदेश के अंदर 2017 के बाद यह विश्वास बहाल हुआ तो आज परिणाम है कि आमजन का, उद्यमियों का, व्यापारियों की विश्वास बहाली हुई।

यूपी में बड़े निवेश के लिए उद्योग जगत उत्साहित : रामी

उत्तर प्रदेश को वस्त्रोद्योग क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए उद्योग जगत बड़े निवेश को लेकर उत्साहित है। 'यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव-2026' के उद्घाटन समारोह में पूर्व राज्यसभा सदस्य, उद्योगपति, समाजसेवी तथा रामकी समूह के फाउंडर एवं चेयरमैन अल्ला अयोध्या रामी रेड्डी ने उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए उपलब्ध अनुकूल वातावरण की जमकर सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहे तेज विकास और बेहतर औद्योगिक वातावरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब उद्योगों के लिए निवेश और विकास की संभावनाओं वाला महत्वपूर्ण गंतव्य बनकर उभरा है।

शिमला में नशा तस्करी पर शिकंजा, करोड़ों की संपत्ति सीज

पुलिस ने आरोपी की आय और संपत्तियों के स्रोतों की गहन जांच के बाद की कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए एक आरोपी से जुड़ी करीब 1.64 करोड़ रुपये मूल्य की चल-अचल और वित्तीय संपत्तियां सीज की हैं। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित कथित अवैध आय की वित्तीय जांच के आधार पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत की गई है।

ठियोग में अफीम बरामदगी से शुरू हुई जांच : मामला पुलिस थाना ठियोग में दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार 10 जून 2026 को विश्वसनीय सूचना के आधार पर टीम ने रहीघाट, अस्पताल रोड, ठियोग स्थित सोहन लाल उर्फ हैपी की नाई की दुकान की तलाशी ली थी। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब 71 ग्राम अफीम बरामद हुई। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की गई।

कई क्षेत्रों में अफीम आपूर्ति का आरोप : पुलिस के मुताबिक जांच आगे बढ़ने पर आरोपी के लंबे समय से अफीम की कथित अवैध तस्करी में शामिल होने की जानकारी सामने आई। पुलिस का दावा है कि आरोपी ठियोग, कोटखाई, रोहड़ू और आसपास के क्षेत्रों में अफीम की आपूर्ति करता था। इसके बाद पुलिस ने मादक पदार्थों की बरामदगी के साथ आरोपी की आर्थिक गतिविधियों की भी जांच शुरू की।

बैंक खातों और संपत्तियों की हुई पड़ताल : वित्तीय जांच के दौरान आरोपी और उसके निकट सहयोगियों की आर्थिक गतिविधियों, बैंक खातों, संपत्तियों तथा आय के ज्ञात और वैध स्त्रोतों से संबंधित दस्तावेजों का विस्तृत विश्लेषण किया गया। पुलिस ने विभिन्न वित्तीय अभिलेखों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना था कि आरोपी की संपत्तियां उसकी वैध आय से अर्जित हुई हैं या कथित नशा तस्करी से प्राप्त धन से बनाई गई हैं।

जमीन, दुकान और वाहन भी कार्रवाई के दायरे में : पुलिस के अनुसार जांच में एक आवासीय भूमि प्लॉट, एक कृषि भूमि का प्लॉट, दो मंजिला दुकान, एक वाहन तथा विभिन्न बैंक और डाकघर खातों में जमा धनराशि समेत करीब 1.64 करोड़ रुपये की संपत्तियों की पहचान हुई। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध वित्तीय अभिलेखों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर इन संपत्तियों का संबंध प्रथम दृष्टया मादक पदार्थों की अवैध तस्करी से अर्जित आय से पाया गया। इसके बाद एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत इन्हें सीज करने की कार्रवाई की गई।

आय और संपत्तियों में अंतर से बढ़ा संदेह: पुलिस के अनुसार आरोपी नाई की दुकान चलाता है और परिवार में अकेला कमाने वाला सदस्य है। वित्तीय जांच के दौरान उसकी आय और उसके नाम या उससे संबंधित बताई गई संपत्तियों के मूल्य में अंतर पाया गया। इसके बाद पुलिस ने संपत्तियों के वैध आय स्रोतों की जांच की। जांच से मिले निष्कर्षों के आधार पर संपत्तियों को सीज करने का निर्णय लिया गया।

2026 में 12 मामलों की वित्तीय जांच : एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने मंगलवार को बताया कि वर्ष 2026 में अब तक 12 एनडीपीएस मामलों में वित्तीय जांच की जा चुकी है। इन मामलों में आठ करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की चल-अचल और वित्तीय संपत्तियां सीज की गई हैं। पुलिस के अनुसार वर्ष 2024 और 2025 के दौरान एनडीपीएस मामलों में इस तरह की वित्तीय जांच नहीं की गई थी और इस अवधि में नशे से जुड़े मामलों में इस प्रकार की संपत्तियां सीज नहीं की गई थीं।

आर्थिक नेटवर्क पर पुलिस की नजर : शिमला पुलिस के अनुसार नशा तस्करी के खिलाफ अभियान में अब केवल आरोपियों की गिरफ्तारी और मादक पदार्थों की बरामदगी पर ही ध्यान नहीं दिया जा रहा है। तस्करी से अर्जित कथित अवैध धन और उससे बनाई गई संपत्तियों की पहचान भी कार्रवाई का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कांग्रेस सरकार ने हिमाचल की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को किया कमजोर : डॉ . राजीव बिंदल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कांग्रेस सरकार पर हिमाचल प्रदेश की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को कमजोर करने तथा जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार व्यवस्था परिवर्तन और वर्ष 2032 तक प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्थिति इसके विपरीत है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रदेश के कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है और अनेक विद्यालय सिंगल शिक्षक के सहारे चल रहे हैं। भवन, शौचालय, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी भी विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने के साथ सरकारी शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया गया है।

उन्होंने कहा कि कक्षा नौवीं और जमा दो से पहले की कक्षाओं के विद्यार्थियों से संबंधित पंजीकरण शुल्क में भारी बढ़ोतरी की गई है। ₹50 की फीस बढ़ाकर ₹200 और ₹100 की विलंब फीस बढ़ाकर ₹500 कर दी गई। बिंदल के अनुसार इससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने मुफ्त वर्दी और परिवहन जैसी सुविधाओं में कटौती का भी आरोप लगाया।

शुल्क वृद्धि और संसाधनों की कमी पर सरकार को घेरा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सीबीएसई और अंग्रेजी माध्यम लागू करने के फैसले पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसी भी शैक्षणिक बदलाव से पहले पर्याप्त शिक्षक, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराना जरूरी है। बिना तैयारी के बदलाव विद्यार्थियों के हित में नहीं हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि अस्पतालों में चिकित्सकों और विशेषज्ञों की कमी है। कई स्वास्थ्य संस्थानों में जांच सुविधाओं की कमी के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट ने भी प्रदेश के वित्तीय प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बढ़ते कर्ज और वित्तीय अनुशासन की कमी का मुद्दा उठाते हुए सरकार के आत्मनिर्भर हिमाचल के दावे पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदेशभर में जनहित के मुद्दे उठाएगी। पार्टी करीब 200 स्थानों पर स्थानीय समस्याओं को लेकर नियमित धरना-प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा शिक्षा, स्वास्थ्य और वित्तीय व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर सदन से सड़क तक जनता की आवाज उठाती रहेगी।

हमीरपुर में छात्र शक्ति ने शिक्षा, रोजगार और नशे के मुद्दे पर सरकार को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हिमाचल प्रदेश के जिला हमीरपुर इकाई की ओर से बुधवार को हमीरपुर में छात्र गर्जना रैली का आयोजन किया गया। रैली में जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से करीब 2513 विद्यार्थियों ने भाग लिया। भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की मौजूदगी से रैली में छात्र हितों से जुड़े मुद्दे जोरदार तरीके से उठाए गए। विद्यार्थियों ने शिक्षा, रोजगार और नशे के खिलाफ कार्रवाई सहित विभिन्न मांगों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की।

रैली की मुख्य अतिथि क्षमा ने कहा कि हमीरपुर की गर्मी में सड़कों पर उमड़ा विद्यार्थियों का सैलाब इस बात का संकेत है कि प्रदेश का युवा बेहतर भविष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अच्छे रोजगार के अवसर चाहता है। उन्होंने कहा कि हिमाचल का युवा बदलाव की अपेक्षा रखता है। प्रदेश मंत्री नैंसी अटल ने कहा कि विद्यार्थी परिषद लंबे समय से विद्यार्थियों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था वर्तमान में कई चुनौतियों से जूझ रही है। शिक्षण संस्थानों में फीस वृद्धि, शिक्षकों के रिक्त पद और मूलभूत सुविधाओं की कमी विद्यार्थियों के सामने बड़ी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से छात्र संघ चुनाव नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं प्रभावी ढंग से उठाने का मंच भी नहीं मिल पा रहा है।

नैंसी अटल ने सरकार से विद्यार्थियों के हित में तत्काल कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाने के साथ छात्र संघ चुनाव बहाल किए जाएं और स्कूलों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पद जल्द भरे जाएं। शिक्षण संस्थानों में आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को भी मजबूत करने की मांग उठाई गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को अस्थायी रोजगार के बजाय स्थायी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

नशे के पैसों को लेकर विवाद में चाकू से युवक की हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। सोलन में जन्माष्टमी की रात हुई खूनी झड़प में कालका निवासी अमन उर्फ मन्नी की हत्या के मामले में पुलिस जांच में अहम तथ्य सामने आए हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार मृतक और आरोपियों के बीच मादक पदार्थों से जुड़े पैसों के लेनदेन को लेकर पहले से विवाद और आपसी रंजिश चल रही थी। इसी विवाद के कारण दोनों पक्षों के बीच पहले भी झगड़ा हो चुका था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रमेश शर्मा ने बताया कि घटना वाले दिन भी दोनों पक्षों के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर बहस हुई थी। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। इसी दौरान आरोपी ने चाकू से अमन पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हाथापाई के दौरान आरोपियों को भी मामूली चोटें आई हैं।

सीबीएसई स्कूलों में विषय चयन पर शिक्षकों की उपलब्धता अनिवार्य

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सीबीएसई से संबद्ध सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी संकाय के विषय संयोजन निर्धारित कर दिए गए हैं। शिक्षा निदेशालय ने सभी संबंधित स्कूलों में इन्हें एकरूपता से लागू करने के निर्देश दिए हैं। विज्ञान संकाय में अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और मनोविज्ञान अनिवार्य होंगे, जबकि गणित और जीव विज्ञान में विकल्प रहेगा। वाणिज्य में अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, लेखाशास्त्र, व्यवसाय अध्ययन और सूचना प्रौद्योगिकी अनिवार्य होंगे तथा एक वैकल्पिक विषय रहेगा। मानविकी में अंग्रेजी अनिवार्य होगी और हिंदी, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, मनोविज्ञान व समाजशास्त्र में से पांच विषय चुनने का विकल्प मिलेगा।

उच्च कक्षाओं में विषय चयन को लेकर शिक्षा विभाग ने जारी किए नए निर्देश।

शिक्षक उपलब्धता के आधार पर होगा विषय चयन : निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि स्कूलों में किसी विषय की पढ़ाई तभी करवाई जाएगी, जब संबंधित विषय का शिक्षक उपलब्ध और पद पर कार्यरत हो। शिक्षक उपलब्ध नहीं होने पर विद्यार्थियों को वह विषय नहीं दिया जाएगा। साथ ही सीबीएसई की ओर से वर्तमान में संचालित नहीं किए जा रहे कौशल विषय, ट्रेड, मॉड्यूल और व्यावसायिक ट्रेड स्कूलों में विद्यार्थियों को नहीं दिए जा सकेंगे और इन्हें विद्यार्थियों की सूची में भी शामिल नहीं किया जाएगा। सभी संकायों के विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा, कार्य अनुभव तथा सामान्य अध्ययन भी व्यवस्था का हिस्सा रहेंगे।

प्रधानाचार्यों को सीबीएसई निर्देशों के पालन के आदेश : शिक्षा निदेशालय ने स्कूल प्रधानाचार्यों को सीबीएसई की ओर से समय-समय पर जारी पाठ्यक्रम, शैक्षणिक दिशा-निर्देश, विषय योजना, परीक्षा और संबद्धता संबंधी नियमों का नियमित अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं। संबंधित उप निदेशकों को अपने अधीन आने वाले सीबीएसई संबद्ध सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। विषय संयोजन विद्यार्थियों की रुचि, आगे की पढ़ाई और स्कूलों में उपलब्ध शिक्षकों व संसाधनों को ध्यान में रखकर लागू किए जाएंगे।

चौपाल में महिला की शिकायत पर यौन उत्पीड़न और धमकी का मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। चौपाल पुलिस थाना क्षेत्र में 28 वर्षीय महिला की शिकायत पर यौन उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति तथा उसके दो बेटों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार महिला ने शिकायत में गांव चिल्ला निवासी दिला राम शर्मा पर सितंबर 2025 में जबरदस्ती यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि घटना के बारे में किसी को बताने पर आरोपी ने उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

दोबारा घटना के प्रयास का आरोप : शिकायत के मुताबिक नवंबर 2025 में आरोपी और उसके पुत्रों ने महिला से माफी मांगी थी तथा भविष्य में इस तरह की घटना नहीं दोहराने का आश्वासन दिया था। महिला ने आरोप लगाया कि अगस्त 2026 में दिला राम शर्मा ने उसकी इच्छा के विरुद्ध दोबारा यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी और उसके दो बेटों ने उसे, उसके पति और दो बच्चों को जान से मारने की धमकी भी दी। महिला ने दावा किया है कि घटना से संबंधित रिकॉर्डिंग उसके मोबाइल फोन में सुरक्षित है।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच : महिला की शिकायत के आधार पर चौपाल पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस शिकायत में बताए गए घटनाक्रम, उपलब्ध रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों की पड़ताल करेगी।

पटेल के विचारों पर विद्यार्थियों ने किया मंथन

कृषि विश्वविद्यालय में सरदार पटेल के जीवन और नेतृत्व पर विशेष व्याख्यान आयोजित

धर्मशाला। चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर में विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, नेतृत्व एवं विरासत पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 'सरदारञ्च150 समारोह' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को देश के महान राष्ट्रीय नेताओं के जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से परिचित कराना रहा।कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संगठन ने छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. जय देव के नेतृत्व में किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता डॉ. ए.डी. बिंद्रा ने की। विशेष व्याख्यान में डॉ. शोभना राधाकृष्ण ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और उनके नेतृत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनके प्रशासनिक दृष्टिकोण, दृढ़ नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति समर्पण ने भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. शोभना राधाकृष्ण ने सरदार पटेल के आदर्शों और मूल्यों की वर्तमान भारत में प्रासंगिकता पर भी विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने और राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा सामाजिक समरसता के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल का जीवन दृढ़ संकल्प, अनुशासन और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण का उदाहरण है। व्याख्यान के दौरान विश्वविद्यालय समुदाय को उनके योगदान पर चिंतन करने का अवसर मिला।

झुंडला गांव में तेंदुए की दहशत वन विभाग ने लगाया पिंजरा

भारतेन्दु संवाददाता,अर्की। उपमंडल अर्की की बलेरा पंचायत के झुंडला गांव में पिछले कुछ दिनों से तेंदुए की आवाजाही के कारण ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने गांव में पिंजरा लगा दिया है। ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए विभाग ने लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। ग्रामीणों के अनुसार तेंदुआ झुंडला स्थित प्राथमिक स्कूल और इसके आसपास के क्षेत्र में कई बार दिखाई दिया है। इससे स्कूली बच्चों और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी। स्थानीय निवासी एवं जिला परिषद सदस्य शशिकांत शर्मा ने मामले की जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को दी थी। उन्होंने लिखित शिकायत के माध्यम से तेंदुए को काबू करने के लिए क्षेत्र में पिंजरा लगाने की मांग की थी। वन विभाग ने शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा स्थापित कर दिया है। विभाग की टीम क्षेत्र में तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रख रही है।

भाजपा मंडल जयनगर की मासिक बैठक में संगठन मजबूती पर मंथन

भारतेन्दु संवाददाता,अर्की। भारतीय जनता पार्टी मंडल जयनगर की मासिक बैठक खंड सौर में मंडल अध्यक्ष राजेश महाजन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में जिला सोलन भाजपा प्रभारी राजपाल, पूर्व विधायक गोविंद राम शर्मा, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश सचिव नरेश चौधरी, मंडल महामंत्री नरेश ठाकुर, जिला सचिव बीएस ठाकुर सहित विभिन्न पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क बढ़ाने और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर दिया जोर।

बैठक के दौरान संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने तथा जनता के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया।

मंडल अध्यक्ष राजेश महाजन ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह किया।

बैठक में मंडल के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पार्टी की गतिविधियों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का संकल्प लिया।

संरक्षण दुर्लभ अभिलेखों के संरक्षण से शोध और ऐतिहासिक जानकारी तक पहुंच होगी आसान

हिमाचल की विरासत अब डिजिटल रूप में होगी सुरक्षित

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश की सदियों पुरानी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को अब डिजिटल माध्यम से सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। हिमाचल राज्य अभिलेखागार में संरक्षित दुर्लभ एवं महत्वपूर्ण दस्तावेजों के लगभग 17 लाख पृष्ठों का डिजिटलीकरण प्रथम चरण में पूरा कर लिया गया है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि यह कार्य प्रदेश की अमूल्य दस्तावेजी विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल संरक्षण से पुराने दस्तावेजों के क्षतिग्रस्त होने की आशंका कम होगी और शोधकर्ताओं तथा आम लोगों को भी इनके अध्ययन का अवसर मिलेगा।

1807 से सुरक्षित हैं हजारों ऐतिहासिक अभिलेख : राज्य अभिलेखागार में वर्ष 1807 से अब तक के 30 हजार से अधिक ऐतिहासिक अभिलेख सुरक्षित हैं। इनमें दुर्लभ पुस्तकें, गजेटियर, बंदोबस्त रिपोर्ट, पांडुलिपियां और विभिन्न ऐतिहासिक दस्तावेज शामिल हैं। इन अभिलेखों का उपयोग हिमाचल सहित देश और विदेश के इतिहासकार, शोधकर्ता तथा शिक्षाविद अपने अध्ययन और शोध के लिए करते रहे हैं।

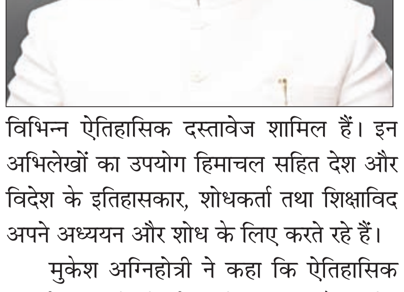

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि ऐतिहासिक दस्तावेज किसी भी प्रदेश की पहचान और अतीत को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम होते हैं। समय के साथ पुराने कागजी अभिलेखों के खराब होने का खतरा बना रहता है। ऐसे में उनका डिजिटल स्वरूप तैयार करना संरक्षण की दृष्टि से बेहद आवश्यक है। डिजिटलीकरण के बाद इन दस्तावेजों की सुरक्षित प्रतियां लंबे समय तक उपलब्ध रहेंगी।

जल्द शुरू होगा अत्याधुनिक डिजिटल अभिलेखागार पोर्टल

डिजिटल अभिलेखों को आम नागरिकों, शोधकर्ताओं और इतिहासकारों के लिए आसानी से उपलब्ध कराने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से अत्याधुनिक डिजिटल अभिलेखागार पोर्टल विकसित किया जा रहा है। विभाग द्वारा तैयार किया गया पूरी तरह खोज योग्य डिजिटल डाटा पोर्टल की मेजबानी, प्रबंधन, रखरखाव और भविष्य में उन्नयन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को उपलब्ध कराया जाएगा।

दुर्लभ पांडुलिपियों का भी हो रहा सर्वेक्षण

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण का कार्य भी प्रदेश में जारी है। इसके तहत हिमाचल में उपलब्ध दुर्लभ और प्राचीन पांडुलिपियों की पहचान, सर्वेक्षण और अभिलेखीकरण किया जा रहा है।

ऊना में पंचायत प्रतिनिधियों को मिली विकास की नई दिशा

ऊना। ऊना जिले में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को पंचायती राज व्यवस्था, विकास योजनाओं और विभिन्न कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी देने के लिए क्षमता निर्माण एवं बुनियादी प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू हुई। मंगलवार को जिला परिषद हॉल ऊना में आयोजित कार्यशाला में उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। अतिरिक्त उपायुक्त इशांत जसवाल भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

◆ **प्रशिक्षण में पंचायतों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दी जानकारी**

कार्यशाला के पहले चरण में विकास खंड अंब की 19 ग्राम पंचायतों के 143 नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें 19 प्रधान, 19 उपप्रधान और 105 वार्ड सदस्य शामिल रहे। उपायुक्त जतिन लाल ने कहा कि पंचायतें लोकतंत्र की मजबूत आधारशिला हैं और ग्रामीण विकास के साथ प्रदेश व देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने प्रतिनिधियों से पांच वर्ष के कार्यकाल के लिए स्पष्ट विकास कार्ययोजना तैयार करने का आह्वान किया। उपायुक्त ने कहा कि पंचायतों में स्थानीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए विकास योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए।

राजभाषा पखवाड़े में स्कूली विद्यार्थियों की होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाषा एवं संस्कृति विभाग, जिला शिमला की ओर से राजभाषा पखवाड़े के अवसर पर 9 सितंबर 2026 को प्रातः 10 बजे गेयटी थिएटर में स्कूली विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के साथ हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना है। विभाग का प्रयास है कि युवा पीढ़ी में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति रुचि बढ़े तथा राजभाषा हिंदी के महत्व को लेकर गौरव और जागरूकता की भावना विकसित हो।

◆ **हिंदी प्रतिभाओं को मिलेगा सम्मान और प्रोत्साहन**

कार्यक्रम में भाषण, निबंध लेखन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थी हिंदी भाषा से जुड़े विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। निबंध लेखन प्रतियोगिता में हिंदी के महत्व और उपयोगिता से संबंधित विषयों पर प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मक क्षमता दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हिंदी साहित्य और व्याकरण पर आधारित होगी।

प्रतियोगिताओं में कक्षा नौवीं से जमा दो तक के विद्यार्थी भाग लेंगे। प्रत्येक विद्यालय से निर्धारित नियमों के अनुसार विद्यार्थियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाएगी। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह, पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

राजभाषा पखवाड़े के तहत जिला स्तर पर राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक जिला स्तरीय कार्यालय, एक जिला स्तरीय अधिकारी और दो कर्मचारियों को भी राजभाषा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजेता विद्यार्थियों तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगे। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग और उसके महत्व से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

साक्षरता दिवस पर साक्षरता के महत्व पर चर्चा

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। साक्षरता एवं जन विकास समिति तथा हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति नेरचौक में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर साक्षरता के महत्व, शिक्षा के अधिकार और डिजिटल युग में नई प्रकार की साक्षरता की आवश्यकता पर चर्चा की गई। समिति के उपाध्यक्ष जोगिंदर वालिया ने कहा कि हर वर्ष 8 सितंबर को यह दिवस लोगों को साक्षरता के महत्व के प्रति जागरूक करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अधिकार को मजबूत करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1966 में यूनेस्को ने 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया था। हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति की सह-सचिव रीना सिंह ने कहा कि वर्तमान दौर में पढ़ने-लिखने के साथ डिजिटल, वित्तीय, स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा मीडिया साक्षरता भी जरूरी है। सचिव नंद लाल शर्मा ने बताया कि वर्ष 2026 की थीम 'लोगों, पृथ्वी और समृद्धि के लिए साक्षरता' है। उन्होंने कहा कि साक्षर और जागरूक समाज ही समानता, सामाजिक न्याय और टिकाऊ विकास की मजबूत नींव रख सकता है।

रचनात्मक प्रस्तुतियों से साक्षरता का दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा के अंग्रेजी विभाग की ओर से दृश्य कहानी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक अभिव्यक्ति, कल्पनाशीलता तथा साक्षरता के सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रतियोगिता यूनेस्को की इस वर्ष की विषयवस्तु 'लोगों, पृथ्वी और समृद्धि के लिए साक्षरता' के अनुरूप आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने चित्रों, दृश्यों और रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, मानवीय विकास और समृद्धि जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बीए तृतीय वर्ष के राघव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बीए प्रथम वर्ष के हर्षद और रुहान ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं बीए द्वितीय वर्ष के रिदम, बीए तृतीय वर्ष की मेधावी और जमा एक मेडिकल की अनीत ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति, चिंतन, रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने अंग्रेजी विभाग को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

ओम फूड प्रोडक्ट्स ऊना में भरें जाएंगे 30 पद

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। मैसर्ज ओम फूड प्रोडक्ट्स ऊना में प्रोडक्शन वर्कर, पैकेजिंग वर्कर, बेकरी शेफ और सिक्योरिटी गार्ड के कुल 30 पद केवल पुरुष वर्ग में भी जाएंगे। इस पदों के लिए साक्षात्कार 11 सितंबर को प्रातः 10:30 बजे जिला रोजगार कार्यालय, ऊना में आयोजित होगा। जिला रोजगार अधिकारी ऊना आकाश शर्मा ने बताया कि साक्षात्कार में चयनित अभ्यर्थी का कार्य मेहतपुर औद्योगिक क्षेत्र प्लॉट नं. 55, 118 में रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रोडक्शन वर्कर और पैकेजिंग वर्कर पद के लिए शैक्षणिक योग्यता 8 वीं, 10 वीं और 12 वीं, आयु 18 से 35 वर्ष तथा मासिक वेतन 15 हजार निर्धारित किया है। वहीं, बेकरी शेफ 8 वीं, 10 वीं और 12 वीं, एक वर्ष का अनुभव, आयु सीमा 20 से 35 वर्ष और 20 से 25 वर्ष निर्धारित की है। इसके अलावा सिक्योरिटी गार्ड पद के लिए 10 वीं, आयु सीमा 18 से 35 वर्ष और मासिक वेतन 15 हजार निर्धारित किया गया है।पद कीलिये शैक्षणिक योग्यता जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक योग्यता प्रमाण-पत्र, जन्म तिथि प्रमाण-पत्र, रोजगार कार्यालय का पंजीकरण कार्ड, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साइज फोटो, मूल प्रमाण-पत्र, बायोडाटा (रिज्यूम) तथा अनुभव प्रमाण-पत्र (यदि हो) की प्रतियों के साथ साक्षात्कार में उपस्थित भाग ले सकते हैं।

त्रिलोकपुर में अश्विन नवरात्रि मेला 11 अक्तूबर से

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। डीसी सिरमौर एवं श्री महामाया बालासुंदरी जी त्रिलोकपुर अश्विन नवरात्रि मेला समिति की अध्यक्ष प्रियंका वर्मा ने आज विधायक नाहन अजय सोलंकी की उपस्थिति में मेले के सफल आयोजन को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि श्री महामाया बालासुंदरी जी त्रिलोकपुर अश्विन नवरात्रि मेला 11 अक्तूबर से 26 अक्तूबर तक आयोजित किया जाएगा। डीसी ने मेले के सुचारु संचालन के लिए उपमंडलाधिकारी नाहन को मुख्य मेला अधिकारी, तहसीलदार नाहन को मेला अधिकारी तथा एएसपी नाहन को मेला पुलिस अधिकारी नियुक्त किया। इसके अतिरिक्त मेला क्षेत्र को चार सेक्टरों में विभाजित कर राजस्व अधिकारियों को अस्थायी आधार पर मेला ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मेले के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक को मेला अवधि के दौरान पर्याप्त संख्या में खाद्य निरीक्षक तैनात करने तथा मेला क्षेत्र में खान-पान सामग्री के स्टॉलों का नियमित एवं निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने फल विक्रेताओं, दुग्ध विक्रेताओं तथा मिठाई एवं प्रसाद की गुणवत्ता की भी नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को मेला क्षेत्र में स्टाफ सहित एम्बुलेंस वाहन तैनात करने के निर्देश दिए। इसके अलावा मेले के दौरान आपातकालीन दवाइयों सहित दो प्राथमिक चिकित्सा बूथ स्थापित किए जाएंगे।

जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर में 9 तथा 11वीं में प्रवेश के लिए रिक्त सीटों को पंजीकरण पोर्टल प्रारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर स्थित जुड्डा का जोहड में सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 9 तथा 11वीं में प्रवेश हेतु रिक्त सीटों को पार्श्व प्रवेश चयन परीक्षा -2027 के माध्यम से भरने के लिए आनलाइन पंजीकरण पोर्टल प्रारंभ कर दिया गया है। यह जानकारी प्राचार्य मनोज कुमार ने देते हुए बताया कि कक्षा 9 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी निशुल्क आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है तथा प्रॉस्पेक्टस पंजीकरण पोर्टल पर उपलब्ध है।

अब तो पूरे हिमाचल में थम गया है विकास नई सरकार बनते ही मिलेगी गति : जयराम

सराज में संगठन मजबूती और सेवा संकल्प अभियान पर हुआ मंथन

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सराज विधानसभा क्षेत्र की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थाची में आयोजित जोनल अंडर-19 बालिका खेलकूद प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जहां उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभावान बालिकाओं को ट्रॉफियां और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर जनसमुदाय व खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार की नीतियों के कारण देश में खेलों के प्रति दृष्टिकोण में एक ऐतिहासिक और सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खेलो इंडिया पहल को एक युगांतरकारी कदम बताया। जिसने सुदूर गांवों और छोटे क्षेत्रों में छिपी हुई प्रतिभाओं को न केवल खोजा है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित करने के लिए एक पारदर्शी एवं मजबूत मंच प्रदान किया है। इसके पश्चात जयराम ठाकुर ने स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय विकास पर चर्चा करते हुए कहा कि चार वर्षों से रुके हुए विकास को अगली सरकार बनते ही तेजी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से किसी इलाके के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। दुर्भाग्य से कांग्रेस की सुक्खू सरकार ने इन चार वर्षों में भेदभाव को बढ़ावा देकर भाजपा विधायकों के हलकों को विकास से महरूम रखा है। उन्होंने आज पूरे हिमाचल में विकास की रफ्तार थम चुकी है। चारों तरह हाहाकार मचा हुआ है। हर वर्ग की अनदेखी हो रही है। अब तो नई सरकार बनते ही विकास को गति मिलेगी और इस इलाके में भी रुके हुए सभी काम पूरे किए जाएंगे। थाची में खेल समारोह से पूर्व, सुबह उन्होंने लंबाथाच में सराज भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक की, जिसमें क्षेत्र के विकास, जनहित के ज्वलंत मुद्दों और संगठन को धरातल पर और अधिक मजबूत करने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में आगामी 17 सितंबर से शुरू होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सामाजिक, रचनात्मक एवं जन-सेवा कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को प्रत्येक बूथ स्तर पर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों और सेवा कार्यों को हर व्यक्ति तक पहुंचाया जा सके।

विद्यार्थी पढ़ाई के साथ खेलों में भी आगे बढ़ें : निशू मोंगरा

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सलोल में आयोजित अंडर-19 छात्राओं की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का समापन हुआ।

कार्यक्रम में एपीएमसी जिला अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अध्यक्ष चौधरी नरेंद्र निशू मोंगरा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर निशू मोंगरा ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। खिलाड़ियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करनी चाहिए, ताकि वे अपने माता-पिता, विद्यालय, गांव, जिला, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रभावी कदम उठा रही है। नियमित खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर कबड्डी का फाइनल मुकाबला सलोल और रानीताल के बीच हुआ, जिसमें सलोल की टीम विजेता रही, जबकि रानीताल को उपविजेता का स्थान मिला। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान निशू मोंगरा ने स्कूल मैदान के समतलीकरण एवं सौंदर्यीकरण, दो कमरों, स्नानघर और हैंडपंप की सुविधा उपलब्ध करवाने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सुमन कुमार धीमान सहित शिक्षक, खिलाड़ी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बारीं में 7 गांवों के लिए बनेगी एक बड़ी पेयजल योजना : रणजीत

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सुजानपुर के विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने मंगलवार को बमसन क्षेत्र की ग्राम पंचायत बारी और टपरे में स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं। 'विधायक घर द्वार' कार्यक्रम के तहत आयोजित इस जनसंवाद में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विकासात्मक मुद्दे विधायक के समक्ष रखे।

कैप्टन रणजीत सिंह ने लोगों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों से बातचीत कर इनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्राथमिकता के आधार पर धरातल पर काम किया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में करवाए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों के लिए विधायक का आभार जताया। स्थानीय लोगों ने विशेष रूप से टौणी देवी अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती करवाने के लिए विधायक का धन्यवाद किया। ग्रामीणों ने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा मिलने से टौणी देवी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। अब उन्हें बड़े शहरों के अस्पतालों में जाने की जरुरत नहीं पड़ रही है। ग्रामीणों ने कहा कि विधायक द्वारा गांवों में पहुंचकर सीधे लोगों से संवाद करना एक सकारात्मक पहल है। इससे लोगों को अपनी समस्याएं सीधे विधायक के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है और विकास कार्यों से जुड़े मामलों का समाधान भी तेजी से करवाया जा रहा है। कैप्टन रणजीत सिंह ने कहा कि विधायक घर द्वार कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनता और जनप्रतिनिधि के बीच दूरी को खत्म करना है। उन्होंने कहा कि वह अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करवाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, शिक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। टौणी देवी अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती क्षेत्र की जनता के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए आगे भी लगातार प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि बारीं और इसके आसपास के सात गांवों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए एक बड़ी योजना बनाई जाएगी।

अनुराग ठाकुर ने ऊर्जा सुरक्षा कोयले के भविष्य पर चर्चा की

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में संसदीय स्थायी समिति कोयला, खान एवं इस्पात ने केरल के मुन्नार में अपने अध्ययन दौरे के दूसरे दिन भारत के ऊर्जा भविष्य और खनिज क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया।

बैठक के प्रथम सत्र में कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों तथा एनएलसी इंडिया लिमिटेड, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड और भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ भारत के ऊर्जा मिश्रण में कोयले के भविष्य पर चर्चा हुई। अनुराग सिंह ठाकुर ने देश की ऊर्जा सुरक्षा, बेसलोड बिजली की आवश्यकताओं और जिम्मेदार डीकार्बोनाइजेशन के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ तकनीक, आधुनिकरण और घरेलू कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता भारत की तेज आर्थिक प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दूसरे सत्र में समिति ने खान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और भारतीय खान ब्यूरो के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिजों की स्वदेशी खोज को गति देने, आधुनिक तकनीक आधारित भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण और टिकाऊ खनन व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विशेष चर्चा हुई। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों में आयात निर्भरता कम करने, आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाने और आत्मनिर्भर भारत के औद्योगिक विजन को मजबूत करने के लिए आधुनिक सर्वेक्षण तकनीक, प्रभावी संस्थागत व्यवस्था और सरल नियामक ढांचे की आवश्यकता है।

12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत, लंबित मामलों का होगा निपटारा

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। अदालतों में लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के लिए 12 सितंबर को जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर हमीरपुर सहित नादौन, बड़सर और भोरंज के न्यायिक परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। भोरंज में पहली बार लोक अदालत का आयोजन होगा। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव कुलदीप शर्मा ने बताया कि लोक अदालत में मामलों का निपटारा आपसी समझौते के आधार पर किया जाएगा। इसमें आपराधिक समझौता योग्य मामले, परक्राम्य लिखत अधिनियम, धन वसूली, भूमि विवाद, सड़क दुर्घटना दावे, मोटर वाहन अधिनियम, श्रम विवाद तथा बिजली, पानी और टेलीफोन बिलों से जुड़े मामलों की सुनवाई होगी। इसके अलावा वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, वेतन-भत्ते और सेवानिवृत्ति संबंधी मामलों का भी निपटारा किया जाएगा।

सोलन पेंशनर फेडरेशन की बैठक में 10 सूत्रीय मांगों पर हुई चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। हिमाचल प्रदेश पेंशनर फेडरेशन जिला सोलन अर्की ब्लॉक की मासिक बैठक एसवीपी देवेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में फेडरेशन के सदस्य चंदू राम के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। बैठक में जिला प्रधान जयनंद शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। प्रेस सचिव रोशन लाल वर्मा ने बताया कि बैठक में सोलन जिले के 18 संगठनों की संयुक्त संघर्ष समिति के गठन और 29 अगस्त को हुए अनुमोदन पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सरकार से 10 सूत्रीय मांगों को मनवाने के लिए समिति जो भी रूपरेखा तैयार करेगी, संगठन उसमें पूरा सहयोग करेगा। उन्होंने बताया कि एक सितंबर को शिमला में संयुक्त संघर्ष समिति का धरना सफल रहा। समिति ने सरकार को दो माह का समय दिया है। इस दौरान 2016 से 2022 के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों का बकाया एकमुश्त जारी करने, लंबित तीन प्रतिशत डीए का भुगतान करने और जुलाई 2023 से देय डीए एरियर की एकमुश्त अदायगी की मांग की गई। समिति ने चेतावनी दी कि दो माह में मांगें पूरी नहीं हुईं या वार्ता के लिए नहीं बुलाया गया तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। बैठक में श्यामलाल, गोपाल गुप्ता, मदन शर्मा, दौलतराम सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पठानकोट में हेरोइन तस्करी और सेवन के मामलों में पांच आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने हेरोइन तस्करी और सेवन के मामलों में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अलग-अलग कार्रवाई में पुलिस ने कुल 32 ग्राम 460 मिलीग्राम हेरोइन, 5600 रुपए की ड्रग मनी और दो मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। थाना डिवीजन नंबर दो की पुलिस ने बाइक सवार नवदीप सिंह उर्फ नव और निखिल सैनी को पकड़ा। नवदीप से 26 ग्राम हेरोइन और नकदी बरामद हुई। डिवीजन नंबर एक पुलिस ने भाग रहे तरुण कुमार उर्फ मणी को पकड़कर 3.96 ग्राम हेरोइन बरामद की। मामून कैंट पुलिस ने साहिल कुमार को गिरफ्तार कर 1.50 ग्राम हेरोइन जब्त की। वहीं सदर पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर हेरोइन का सेवन करते राहुल कुमार को पकड़ा। उसके पास नशे के जले अवशेष, लाइटर और दस रुपये का नोट मिला। पुलिस ने सभी मामलों में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

नशे के खिलाफ सरकार का अभियान केवल विज्ञापनों तक सीमित: अश्वनी

- सरकार की उल्टी गिनती शुरू प्रशासन कठपुतली न बने
- अश्वनी शर्मा ने मान सरकार पर जमकर साधा निशाना

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। भाजपा पंजाब के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पठानकोट विधायक अश्वनी शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार का नशे के खिलाफ चलाया जा रहा युद्ध केवल विज्ञापनों और प्रचार तक सीमित है, जबकि प्रदेश में नशे की समस्या गंभीर बनी हुई है।

शर्मा ने कहा कि पंजाब में नशा आसानी से उपलब्ध होने के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद चिट्टे सहित अन्य नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर प्रभावी रोक नहीं लग पाई है। उन्होंने कहा कि नशे के कारण प्रदेश के कई परिवार प्रभावित हो रहे हैं और युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। सरकार को प्रचार के बजाय नशे की आपूर्ति रोकने और युवाओं को बचाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने संगरूर में एक युवक के साथ कथित मारपीट और थर्ड डिग्री टॉर्चर का मुद्दा भी उठाया। शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार से सवाल पूछने वालों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी, शिक्षक, रोडवेज कर्मी और अन्य वर्ग अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाते हैं तो उन पर कथित तौर पर बल प्रयोग किया जाता है। शर्मा ने ऑनलाइन माध्यमों से नशे की बिक्री के आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी टोल-फ्री नंबरों के बावजूद नशे की उपलब्धता पर प्रभावी अंकुश नहीं लग सका है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन से निष्पक्ष भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा कि अधिकारी राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करें। उन्होंने कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन अधिकारियों को कानून और जनता के हितों के अनुसार अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

Short Notice Inviting Tender

Sealed item rate Tenders on form MW-4, MW-7 are invited by the Distt. Development Officer, DDO Solan for the below mentioned works from the approved and eligible manufacturers company/firm registered so as to reach in this office on or before 21.09.2026 up to 11.30 AM and will be opened on same day at 3.00 pm in the presence of intending companies/firms Or their representative. The tender form can be had from this office against the cash payment (non refundable) up to 10.00 AM on 21.09.2026. The earnest money in the shape of fixed deposit of the scheduled bank duly pledged in favour of Distt. Development Officer. Solan. The DDO Solan reserves the right to accept or reject any or all the tender or to drop the proposal of the tender without assigning any reason.

SR. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of tender form	Time for completion
1.	C/o Link Road from Vaknaghat Road to Village Gaddon. G.P. Shadyana, Distt. Solan	99500.00	2500.00	350.00	One month
2.	Additionality to completion of community. Centre Radiyana. Distt. Solan.	248750.00	6500.00	350.00	One month
3.	Completion of Community Center near Mashroom Training Centre at Chambaghat. Distt. Solan.	99500.00	2500.00	350.00	One month
4.	P/L of Paver blocks at chowk Bazar Solan Distt. Solan.	248750.00	2500.00	350.00	One month
5.	R/o Govt. Residences (Set no.-01.04.07 Type-II Housing Board Colony. Saprron.Set No. 14.26 Type-II Tank road Solan Set no.05. Type-III near DIET. Solan and Set no.-04. Type-1,08 Type-II near ITI Colony Solan). Distt. Solan.	150400.00	4000.00	350.00	One month

Terms & Conditions: **1.** The tender document shall only be issued to the Registered contractors who will produce the photocopy of the authorization. **2.** In case of holiday on the day of opening of tender, the same will be opened on the next working day on the same time and venue. **3.** Other term & condition as per DNIT and can be seen in the office of the Distt. Development officer Solan on the working day. **4.** The firm are requested to insert the items rates of each items in words as well as in figures failing/considered in any case. **5.** No tender form will be issued to the defaulter contractor by any of these HPPWD/IPH/CPWD HIMUDA/MC department which the DDO reserve the right to accept/reject any or all the tenders/conditional tender or tenders by fax shall not be entertained. **6.** The contractor must give the copy of GST/CST No.TIN number & photocopy of PAN No. allotted with their application at the time of applying for the tender document.

SD-
Distt. Development officer
District Solan (H.P.)

Endst. No. DDO. Tender 2026/- 2539-2541

रैली | हमीरपुर में एबीवीपी की भूख हड़ताल, एचपीटीयू में चल रहा विद्यार्थियों का संघर्ष रहेगा जारी

छात्र हित के लिए विद्यार्थी परिषद ने हमीरपुर से भरी हुंकार

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हमीरपुर विभाग द्वारा मंगलवार को विद्यार्थियों की विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक समस्याओं को लेकर हमीरपुर में हुंकार रैली का आयोजन किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्पष्ट किया है कि हमीरपुर में आयोजित रैली को हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में चल रही भूख हड़ताल की समाप्ति के रूप में बिल्कुल न देखा जाए। एचपीओयू परिसर में विद्यार्थियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर चलाया जा रहा संघर्ष पूर्व की भांति जारी रहेगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हमीरपुर विभाग अध्यक्ष एवं इस कार्यक्रम के आयोजक भवानी सिंह ठाकुर ने कहा कि विद्यार्थियों के अधिकारों एवं विश्वविद्यालय के भविष्य से जुड़े जिन मुद्दों को लेकर एचपीटीयू में आंदोलन चल रहा है, उन पर सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एचपीटीयू में चल रही भूख हड़ताल तब तक समाप्त नहीं होगी, जब तक विश्वविद्यालय में स्थायी कुलपति की नियुक्ति नहीं की जाती, स्थायी डीन अकादमिक्स की नियुक्ति नहीं होती, विश्वविद्यालय को आवश्यक वित्तीय सहयोग उपलब्ध नहीं करवाया जाता तथा विद्यार्थियों की सभी लंबित एवं जायज मांगों का समाधान नहीं किया जाता। भवानी सिंह ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय प्रदेश के विद्यार्थियों के भविष्य से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ संस्थान है। ऐसे में विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था, शैक्षणिक व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं और वित्तीय स्थिति को लेकर विद्यार्थियों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों को केवल आंदोलन के रूप में नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय के भविष्य से जुड़े गंभीर विषयों के रूप में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त शैक्षणिक सुविधाएं, नियमित एवं स्थायी प्रशासनिक व्यवस्था तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना विश्वविद्यालय एवं सरकार की जिम्मेदारी है। यदि विद्यार्थियों को अपनी मूलभूत एवं जायज मांगों के लिए बार-बार आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है, तो यह व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। एबीवीपी विभाग अध्यक्ष ने कहा कि आज हमीरपुर में आयोजित भूख हड़ताल संघर्ष की एक कड़ी है, संघर्ष का अंत नहीं।

एचपीटीयू में विद्यार्थियों द्वारा शुरू किया गया आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से मांगों के संबंध में ठोस एवं सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद केवल आश्वासनों तक सीमित नहीं रहेगी। परिषद सरकार एवं विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग करती है कि विद्यार्थियों की मांगों पर शीघ्र निर्णय लेकर उन्हें लिखित एवं प्रभावी रूप से लागू किया जाए। विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े विषयों को लगातार टालना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। भवानी सिंह ठाकुर ने आगे कहा कि यदि सरकार एवं विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों की मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं करता है, तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने आंदोलन को और व्यापक रूप देगी। आने वाले समय में हमीरपुर जिले के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय के भीतर भी चरणबद्ध तरीके से विभिन्न आंदोलनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विद्यार्थी परिषद पीछे हटने वाली नहीं है।

न्यूज शॉर्ट्स

जालंधर में वाहन चोर गिरोह पर पुलिस का शिकंजा

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। थाना भोगपुर पुलिस ने वाहन चोरी के मामलों में कार्रवाई करते हुए गिरोह के दो सदस्यों को चोरी के मोटरसाइकिल समेत गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान अवतार सिंह निवासी बूलपुर और अलीशा मसीह निवासी ऊटर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों चोरी के मोटरसाइकिल को बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर उन्हें दबोच लिया। बरामद मोटरसाइकिल चोरी का पाया गया है।

लुधियाना में हवाला नेटवर्क का बढ़ता अवैध कारोबार

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। औद्योगिक शहर लुधियाना में साइबर ठगी, क्रिकेट सट्टेबाजी और जासूसी मामलों की जांच में हवाला नेटवर्क की भूमिका सामने आ रही है। पुलिस ने मई में बड़े साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश कर 132 लोगों को गिरफ्तार किया था, जिनमें तीन हवाला ऑपरेटर भी शामिल थे। जून में 11 अन्य हवाला कारोबारियों को पकड़ा गया। जांच में हवाला के जरिए रकम दिल्ली, गुजरात और विदेशों तक पहुंचाए जाने के तथ्य सामने आए।

पंजाब में भाजपा का चुनावी शंखनाद मोदी-शाह के दौरे से बढ़ेगा सियासी पारा

नशे और कानून-व्यवस्था को मुद्दा बनाकर पंजाब में भाजपा का व्यापक जनसंपर्क अभियान होगा तेज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा चुनाव में करीब छह महीने का समय शेष रहने के बीच भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में अपनी चुनावी गतिविधियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने सितंबर और अक्टूबर में अपने शीर्ष नेताओं के संभावित कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करनी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के कार्यक्रमों को लेकर संगठन स्तर पर तैयारियां चल रही हैं।

सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्टूबर में तीन दिन पंजाब में रह सकते हैं। हालांकि अभी उनके दौरे की तारीख अंतिम नहीं हुई है। भाजपा की कोशिश है कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को अमृतसर, जालंधर, लुधियाना और पटियाला के आसपास केंद्रित किया जाए। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री पहले दिन माझा क्षेत्र के कई विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो कर सकते हैं। उनके रात्रि विश्राम के लिए राधा स्वामी सत्संग ब्यास के मुख्यालय पर भी विचार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री की जनसभा को लेकर भी पार्टी में मंथन जारी है। भाजपा के कुछ नेता बठिंडा या पटियाला में बड़ी जनसभा आयोजित कराने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व से संपर्क में हैं। बठिंडा से पटियाला तक रोड शो कराने की संभावना पर भी विचार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व मिलकर उनके पंजाब दौरे को अंतिम रूपरेखा तय करेगा।

भाजपा प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को चुनावी दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण मान रही है। पार्टी स्तर पर इस बात पर भी विचार किया जा रहा है कि केंद्र सरकार पंजाब के लिए किन योजनाओं, परियोजनाओं या विकास कार्यों से संबंधित घोषणाएं कर सकती है। इसके साथ ही चुनाव के दौरान जनता के सामने रखे जाने वाले मुद्दों और संभावित वादों को लेकर भी मंथन शुरू हो गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 18 सितंबर को पठानकोट से पंजाब में नशे और कानून-व्यवस्था के मुद्दे को लेकर यात्रा शुरू करेंगे। पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में नशे और कानून-व्यवस्था को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाने की रणनीति पर काम कर रही है।

पार्टी बूथ स्तर तक संगठन मजबूत कर चुनावी अभियान बढ़ाएगी।

जालंधर में अमित शाह की बड़ी रैली संभव

यात्राओं का समापन जालंधर में प्रस्तावित है। यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बड़ी रैली को संबोधित कर सकते हैं। उनकी रैली 29 या 30 सितंबर को होने की संभावना जताई जा रही है, हालांकि तारीख अभी अंतिम नहीं हुई है।पार्टी इन यात्राओं के नेतृत्व के लिए एक दर्जन से अधिक केंद्रीय मंत्रियों, राष्ट्रीय पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी देने की तैयारी कर रही है। मंगलवार को नई दिल्ली में होने वाली बैठक में यात्राओं के कार्यक्रम, तीन अन्य स्थानों से निकलने वाली यात्राओं और अमित शाह की रैली की तारीख पर अंतिम निर्णय होने की संभावना है। बैठक में प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और प्रदेश संगठन मंत्री मंथरी श्रीनिवासुलु के शामिल होने की संभावना है।

एशियन गेम्स में निहारिका दिखाएंगी दम

जापान में पदक जीतने के इरादे से उतरेंगी मोहाली की निहारिका वशिष्ठ

मोहाली की ट्रिपल जंप स्टार निहारिका वशिष्ठ

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली

मोहाली की प्रतिभाशाली ट्रिपल जंप खिलाड़ी निहारिका वशिष्ठ का चयन एशियन गेम्स-2026 के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम में हुआ है। जापान के आइची प्रांत और नागोया शहर में आयोजित होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में निहारिका 24 सितंबर को ट्रिपल जंप स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनके चयन से मोहाली के खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। निहारिका का लक्ष्य प्रतियोगिता में केवल हिस्सा लेना नहीं, बल्कि शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए पदक जीतना है।

निहारिका ने पिछले दो वर्षों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इस दौरान उन्होंने छह पदक अपने नाम किए, जिनमें चार स्वर्ण और दो रजत पदक शामिल हैं। उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली है। एशियन गेम्स से पहले वह भुवनेश्वर में राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं।

निहारिका के पिता राम कुमार वशिष्ठ के अनुसार उन्होंने वर्ष 2011 में एथलेटिक्स की शुरुआत की थी। शुरुआत में वह लंबी कूद स्पर्धा में हिस्सा लेती थीं। बाद में उनके प्रशिक्षक स्वर्ण सिंह ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें ट्रिपल जंप में हाथ आजमाने की सलाह दी। इसके बाद निहारिका ने ट्रिपल जंप को अपनी मुख्य स्पर्धा बना लिया और लगातार सफलता हासिल करती चली गईं।

निहारिका राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीत चुकी हैं और दो बार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुकी हैं। इस वर्ष उनका प्रदर्शन विशेष रूप से प्रभावशाली रहा है। अप्रैल में दिल्ली में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-3 में उन्होंने 13.41 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद संगरूर में सीरीज-5 में 13.13 मीटर की छलांग के साथ पहला स्थान हासिल किया।

रांची में आयोजित 29वीं राष्ट्रीय वरिष्ठ एथलेटिक्स महासंघ प्रतियोगिता में निहारिका ने 13.64 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। पंजाब राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 13.03 मीटर के प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं पुणे में आयोजित सीरीज-8 में 13.21 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता।

पदक पर निहारिका की नजर

10 सितंबर को दिल्ली में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में भाग लेंगी और 12 सितंबर को भारतीय टीम के साथ जापान रवाना होंगी। पिछले कुछ वर्षों की मेहनत और लगातार अच्छे प्रदर्शन से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। अब उनकी नजर एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश के लिए पदक जीतने पर है।

मोहाली में पार्किंग की समस्या से रोजाना हजारों लोग हो रहे परेशान

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। मोहाली में पर्याप्त और व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़कों पर बेतरतीब खड़े वाहन लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। फेज-8 में फोर्टिस अस्पताल के बाहर सड़क किनारे वाहनों की लंबी कतारें लगने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इससे अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पूरे क्षेत्र में रोजाना सुबह नौ बजे से शाम आठ बजे तक करीब 50 हजार लोगों की आवाजाही होती है।

फोर्टिस अस्पताल के सामने गमाडा कार्यालय स्थित है, जबकि आसपास पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड का कार्यालय और मोहाली वाक माल भी मौजूद हैं। इन प्रमुख संस्थानों और व्यावसायिक केंद्रों के कारण क्षेत्र में दिनभर वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में पर्याप्त पार्किंग नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में वाहन सड़क के किनारे खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे सड़क पर यातायात का दबाव बढ़ जाता है।

अस्पताल के बाहर सड़क किनारे पार्किंग की स्थिति सबसे ज्यादा चिंता का विषय है। मरीजों को इलाज के लिए समय पर अस्पताल पहुंचाना जरूरी होता है, लेकिन सड़क पर खड़े वाहनों के कारण कई बार यातायात धीमा हो जाता है। व्यस्त समय में सड़क का एक बड़ा हिस्सा पार्किंग स्थल जैसा दिखाई देता है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को भी संकरी जगह से गुजरना पड़ता है।

मानसा पुलिस ने हथियारों संग पकड़े डल्ला गिरोह के दो गुर्गे

भारतेंदु संवाददाता, मानसा। मानसा जिला पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अर्श डल्ला गिरोह से जुड़े दो आरोपितों को पांच पिस्तौल और कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दोनों की गिरफ्तारी से संभावित बड़ी वारदात को समय रहते रोकने में सफलता मिली है। आरोपितों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल किया जाएगा, जिसके बाद उनसे हथियारों की आपूर्ति और आगे की योजना को लेकर पूछताछ की जाएगी।एसएसपी वैभव चौधरी ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान टीम नेहरू कॉलेज के पीछे पहुंची तो दो युवक संदिग्ध गतिविधियों करते दिखाई दिए। दोनों एक थैले से सामान निकालकर अपने डब्बे और जेब में डाल रहे थे। पुलिस ने संदेह के आधार पर उन्हें रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चार पिस्तौल 32 बोर, 12 कारतूस और 315 बोर की एक देसी पिस्तौल बरामद हुई।

राहुल-प्रियंका से मिले पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट

◆ पायलट की रणनीति से पंजाब कांग्रेस में एकजुटता की जगी उम्मीद

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस के नए प्रभारी सचिन पायलट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। पंजाब का प्रभारी बनाए जाने के बाद दोनों नेताओं के साथ पायलट की यह पहली मुलाकात रही। बैठक को आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में पंजाब कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, चुनावी तैयारियों और संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा हुई। पार्टी में लंबे समय से सामने आ रही गुटबाजी और नेताओं के बीच मतभेदों को दूर करने के उपायों पर भी विचार किए जाने की संभावना है। कांग्रेस नेतृत्व की कोशिश है कि चुनाव से पहले प्रदेश संगठन को एकजुट कर मजबूत रणनीति तैयार की जाए।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के इसी महीने पंजाब दौरे पर आने की संभावना है। राहुल गांधी के संभावित दौरे से पहले सचिन पायलट अगले सप्ताह पंजाब और चंडीगढ़ पहुंच सकते हैं। अपने पहले दौरे में वह प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इन बैठकों के बाद राहुल गांधी के पंजाब दौरे का कार्यक्रम अंतिम रूप लेने की संभावना है। राहुल गांधी के सितंबर के अंत में पंजाब आने की चर्चा है।

पायलट के पंजाब दौरे का कार्यक्रम अगले दो-तीन दिनों में तय हो सकता है। पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग भी सोमवार को नई दिल्ली में पायलट से मुलाकात कर चुके हैं। वड़िंग ने पायलट के जल्द पंजाब दौरे की संभावना जताई थी।

पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चली आ रही गुटबाजी सचिन पायलट के सामने प्रमुख संगठनात्मक चुनौती है। प्रदेश कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच राजनीतिक मतभेद चर्चा में रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

लुधियाना में आवारा कुत्ते ने चार वर्षीय मासूम पर किया हमला

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। महानगर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। न्यू सतगुरु नगर की गली नंबर दो में रविवार को एक आवारा कुत्ते ने चार वर्षीय बच्चे गौरांग पर हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्चे को जमीन पर गिराकर चेहरे और शरीर के कई हिस्सों को बुरी तरह नोच डाला। बच्चे की चीखें सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद उसे कुत्ते के चंगुल से छुड़ाया। परिजन घायल बच्चे को तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसके घावों पर टांके लगाए और रेबीज से बचाव के लिए इंजेक्शन दिया। घटना के बाद बच्चा सहमा हुआ है और परिवार में चिंता का माहौल है। स्थानीय निवासियों ने नगर निगम प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इलाके में आए दिन आवारा कुत्तों के झुंड घूमते रहते हैं और बच्चों व राहगीरों के लिए खतरा बने हुए हैं। लोगों ने प्रशासन से विशेष अभियान चलाकर कुत्तों की धरपकड़ और नसबंदी कराने की मांग की है।

चंडीगढ़ में क्लर्कों की वरिष्ठता पर कैट का बड़ा फैसला, सेवा अवधि बनेगी आधार

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण की चंडीगढ़ पीठ ने क्लर्कों और जूनियर असिस्टेंट की वरिष्ठता से जुड़े विवाद में अहम फैसला सुनाया है। अधिकरण ने चंडीगढ़ प्रशासन को कॉमन कैडर में सीधे भर्ती कर्मचारियों और विभागीय कैडर से विकल्प के आधार पर शामिल कर्मचारियों की संयुक्त वरिष्ठता सूची तैयार करने का निर्देश दिया है। वरिष्ठता तय करने में कर्मचारियों की कुल सेवा अवधि को आधार बनाया जाएगा। कैट ने प्रशासन के 23 और 24 सितंबर 2021 के उन आदेशों को रद्द कर दिया, जिनके आधार पर अलग वरिष्ठता सूची बनाई गई थी। साथ ही 2020 में कर्मचारियों को कॉमन कैडर में शामिल होने का दिया गया विकल्प बहाल कर दिया गया। यह मामला 23 कर्मचारियों की याचिका से जुड़ा था। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि बाद में भर्ती हुए कर्मचारियों को अलग सूची के कारण पदोन्नति में लाभ मिल सकता है। पीठ ने प्रशासन को आदेश की प्रमाणित प्रति मिलने के तीन महीने के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बहबल कलां गोलीकांड में सुखबीर बादल एसआईटी के सामने फिर होंगे पेश

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। 2015 के बहबल कलां गोलीकांड की जांच कर रही विशेष जांच टीम ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को 11 सितंबर को पूछताछ के लिए चंडीगढ़ बुलाया है। इससे पहले भी उनसे मामले में पूछताछ हो चुकी है और उन्होंने जांच में सहयोग करने की बात कही थी। बहबल कलां गोलीकांड बरगाड़ी में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई से जुड़ा है। इस घटना में दो प्रदर्शनकारियों की मौत हुई थी। मामला लंबे समय से पंजाब की राजनीति में प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। इससे पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला से भी एसआईटी पूछताछ कर चुकी है। वहीं, अकाली दल के प्रवक्ता अर्शदीप सिंह कलेर ने सुखबीर बादल को दोबारा तलब किए जाने पर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से हटाने के लिए पुराने मामलों को उठा रही है।

अजय जग्गा के नाम से फर्जी शिकायत भेजने पर प्रशासन से जांच की मांग

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। एडवोकेट एवं प्रशासक की सलाहकार परिषद के सदस्य अजय जग्गा के नाम और पहचान का कथित रूप से गलत इस्तेमाल कर चंडीगढ़ प्रशासन में शिकायत भेजने का मामला सामने आया है। शिकायत में सेक्टर-50 में अवैध निर्माण के साथ बिजली और पानी के कनेक्शन को लेकर आरोप लगाए गए हैं। जग्गा ने डिप्टी कमिश्नर को शिकायत देकर पूरे मामले की जांच कराने और जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि उन्हें 13 जुलाई 2026 को एसडीएम दक्षिण कार्यालय से जारी पत्र के जरिए इस शिकायत की जानकारी मिली। शिकायत की प्रति देखकर वह हैरान रह गए, क्योंकि उनके अनुसार उन्होंने ऐसी कोई शिकायत नहीं की थी।

हेरोइन बिक्री के आरोपों पर घिरी पुलिस 220 जवानों ने खंगाले संदिग्ध ठिकाने

नशे के वायरल वीडियो ने खोली पोल, संगत मंडी में पुलिस ने कसा शिकंजा

भारतेंदु संवाददाता, बठिंडा

संगत मंडी क्षेत्र में कथित तौर पर खुलेआम हेरोइन की बिक्री का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद बठिंडा पुलिस ने मंगलवार सुबह बड़े स्तर पर सर्च अभियान चलाया। पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए संदिग्ध बस्तियों और संवेदनशील इलाकों में घर-घर तलाशी ली। अभियान में करीब 20 पुलिस टीमों के साथ लगभग 220 जवान शामिल रहे।

पुलिस टीमों ने संगत मंडी की विभिन्न गलियों और संदिग्ध ठिकानों पर पहुंचकर लोगों से पूछताछ की। इस दौरान नशे की तस्करी से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी जुटाने के साथ कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कुछ लोगों के पास से नशीले पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। हालांकि, बरामद नशीले पदार्थ की मात्रा और हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या के संबंध में पुलिस की ओर से अभी विस्तृत आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है।

◆ बठिंडा में नशे के खिलाफ मुहिम तेज, संदिग्ध बस्तियों में छापामारी

◆ तलाशी अभियान में संदिग्धों से पूछताछ, कुछ के पास से नशीले पदार्थ मिलने की सूचना आई सामने

पुलिस की यह कार्रवाई उस वीडियो के बाद हुई जिसमें संगत मंडी क्षेत्र में कथित तौर पर हेरोइन की खुलेआम बिक्री का दावा किया गया था। शिरोमणि अकाली दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से बनाए गए इस वीडियो में पुलिस की नशे के खिलाफ कार्रवाई पर सवाल उठाए गए थे। वीडियो में यह दावा किया गया था कि पिज्जा पहुंचने में जहां करीब 30 मिनट लगते हैं, वहीं हेरोइन की डिलीवरी कथित तौर पर केवल दो मिनट में हो जाती है।

वायरल वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने पहले भी कार्रवाई करते हुए एक दंपती के खिलाफ नशा तस्करी का मामला दर्ज किया था। दोनों को गिरफ्तार करने के साथ उनके कब्जे से करीब तीन ग्राम हेरोइन बरामद करने की बात कही गई थी।

ब्रिटेन में सिख युवतियों की कथित ग्रूमिंग पर उठे सवाल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। ब्रिटेन में सिख युवतियों को कथित तौर पर ग्रूमिंग के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए प्रभावित किए जाने का मामला चर्चा में है। एक पॉडकास्ट में सिख युवक ने दावा किया कि पाकिस्तानी मूल के कुछ लोग गैर-मुस्लिम युवतियों, विशेषकर सिख लड़कियों को निशाना बनाते हैं। आरोप है कि पहले दोस्ती कर भरोसा जीता जाता है और बाद में उन्हें परिवार व पुराने दोस्तों से दूर करने का प्रयास किया जाता है। युवक के अनुसार, कथित तौर पर महंगे उपहार, नकदी, रेस्तरां में ले जाना और घूमने-फिरने जैसी गतिविधियों के जरिए युवतियों को प्रभावित किया जाता है। इसके बाद भावनात्मक संबंध मजबूत कर उनके सामाजिक दायरे को सीमित करने का प्रयास किए जाने का दावा किया गया। पॉडकास्ट में सिख युवकों की छवि खराब करने और मुस्लिम युवकों को अधिक प्रभावशाली दिखाने की कोशिश के भी आरोप लगाए गए। इसके बाद धार्मिक विश्वासों पर सवाल उठाकर मानसिकता बदलने और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का दावा किया गया।

मौत के बाद भी बरकरार रही सेवानिवृत्त अधिकारी की सजा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

◆ हाई कोर्ट ने धान स्टॉक कमी मामले में सजा को ठहराया उचित

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने धान के स्टॉक में कमी के मामले में मार्कफेड के सेवानिवृत्त शाखा अधिकारी एमएस चीमा के खिलाफ विभागीय कार्रवाई को बरकरार रखते हुए उनके बेटे की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि किसी कर्मचारी के जीवनकाल में विभागीय जांच पूरी होने के बाद सजा का आदेश जारी हो चुका है तो कर्मचारी की मृत्यु के बाद वह कार्रवाई स्वतः समाप्त नहीं होती।

जस्टिस संदीप मौदगिल ने कहा कि कर्मचारी की मृत्यु के समय अपील लंबित होने मात्र से पहले से दी गई सजा खत्म नहीं मानी जा सकती। मामला वर्ष 1997-98 की धान की फसल के स्टॉक में कमी से जुड़ा था। यह स्टॉक बनूड़ स्थित एनजीटी राइस मिल के परिसर में रखा गया था। उस समय चीमा मार्कफेड में शाखा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे और 31 दिसंबर 2004 को सेवानिवृत्त हुए थे।

विभागीय जांच के आधार पर छह जुलाई 2005 को उनके वेतनमान में दो स्तर की कमी करने का दंड दिया गया था। इसका प्रभाव उनके सेवानिवृत्ति लाभों की गणना पर पड़ा। साथ ही संयुक्त अभिरक्षा वाले स्टॉक का नुकसान मिलर से वसूल न होने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों से ब्याज सहित समान अनुपात में वसूली का प्रावधान किया गया था। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि जांच में उनके पिता के खिलाफ धान के गबन या हेराफेरी का आरोप साबित नहीं हुआ था और केवल लापरवाही सामने आई थी। हालांकि हाई कोर्ट ने कहा कि गबन साबित न होने से अधिकारी की लापरवाही समाप्त नहीं हो जाती।

कैलगरी में पंजाब मूल के आरोपियों पर पुलिस कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। कनाडा के कैलगरी में साउथ एशियन समुदाय से जुड़ी जबरन वसूली और गोलीबारी की घटनाओं की जांच के दौरान पुलिस ने 15 आरोपियों की तस्वीरें सार्वजनिक की हैं। पुलिस के अनुसार कुल 16 लोगों को नामजद किया गया है और उनके खिलाफ 56 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी कनाडा के नागरिक नहीं हैं और सभी पंजाब मूल के बताए गए हैं। इनमें कई लोग छात्र या कामकाजी वीजा पर कनाडा में रह रहे थे। पुलिस के अनुसार 16 में से 15 आरोपियों को अदालत से जमानत मिल चुकी है, जबकि एक आरोपी अभी हिरासत में है। वहीं 22 वर्षीय जरमनजीत सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है और उसकी तलाश जारी है। पुलिस ने आम लोगों से आरोपियों या उनके संभावित साथियों के संबंध में जानकारी साझा करने की अपील की है।

विरोध कांग्रेस नेताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर सरकार के समक्ष अपनी आवाज की बुलंद

'आप 'सरकार के खिलाफ कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ पंजाब कांग्रेस ने मंगलवार को चंडीगढ़ में बड़ा रोष प्रदर्शन किया। प्रदेश के विभिन्न जिलों से कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक सुबह से ही चंडीगढ़ पहुंचने लगे। सेक्टर-15 स्थित पंजाब कांग्रेस भवन के बाहर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए। कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन में करीब दस हजार कार्यकर्ताओं के शामिल होने का दावा किया। पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री आवास की ओर रोष मार्च निकालने की तैयारी की।

कांग्रेस ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, सरकारी कर्मचारियों को लंबित महंगाई भत्ता देने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने और कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने समेत कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई। पार्टी नेताओं का कहना है कि सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली से कर्मचारी वर्ग समेत आम लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। प्रदर्शन के माध्यम से कांग्रेस ने सरकार पर जनता से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन स्थल पर कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता पहुंचते रहे। डॉ. राजकुमार वेरका और युवा कांग्रेस नेता दलवीर सिंह गोल्डी समेत कई नेताओं ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। प्रदर्शन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस की चुनाव अभियान समिति के चेयरमैन चरणजीत सिंह चन्नी तथा उनके समर्थकों की भागीदारी पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं और राजनीतिक हलकों की नजर रही।

कांग्रेस ने कानून-व्यवस्था को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए सरकार पर निशाना साधा। पार्टी का कहना है कि प्रदेश में आम लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके अलावा सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पुरानी पेंशन योजना का मुद्दा भी प्रदर्शन में प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस नेताओं ने कर्मचारियों से जुड़े मामलों में सरकार से तत्काल निर्णय लेने की मांग की।

सचिन पायलट को पंजाब कांग्रेस का नया प्रभारी बनाए जाने के बाद यह प्रदर्शन संगठन की एकजुटता के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछले कुछ समय से पंजाब कांग्रेस में चुनावी तैयारियों और विभिन्न समितियों को लेकर नेताओं के बीच मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में सरकार के खिलाफ आयोजित इस प्रदर्शन में पार्टी के विभिन्न गुटों की भागीदारी को संगठन की एकजुटता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस के लिए यह प्रदर्शन राजनीतिक दृष्टि से भी अहम है। पार्टी सरकार के खिलाफ जन मुद्दों को लगातार उठाने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की रणनीति पर काम कर रही है।

शेख अब्दुल्ला की सियासत : भारत, पाकिस्तान और आजादी के बीच उलझता रहा कश्मीर का सफर

भारत के साथ खड़े होने के बावजूद केंद्र से मतभेद हुए और उनकी राजनीति ने कई उतार-चढ़ाव देखे

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

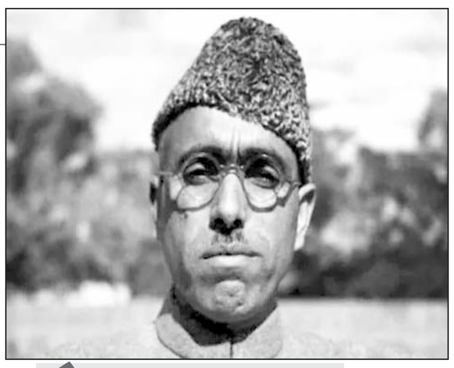

जम्मू-कश्मीर की सियासत में शेख मोहम्मद अब्दुल्ला का नाम बेहद महत्वपूर्ण और बहस का विषय रहा है। करीब पांच दशक लंबे राजनीतिक जीवन में उन्होंने महाराजा हरि सिंह के शासन को चुनौती देने से लेकर भारत के साथ खड़े होने, सत्ता से हटाए जाने, गिरफ्तारी और फिर सत्ता में वापसी तक कई दौर देखे।

शेख अब्दुल्ला ने मुस्लिम कॉन्फ्रेंस को नेशनल कॉन्फ्रेंस में बदलकर अपनी राजनीति को व्यापक पहचान दी। उनका जोर कश्मीर के लोगों की राजनीतिक भागीदारी और अधिकारों पर रहा। 1947 में जम्मू-कश्मीर के भविष्य को लेकर परिस्थितियां तेजी से बदल रही थीं। इस दौर में शेख अब्दुल्ला भारत के साथ खड़े हुए। इसके बाद वह सत्ता के शिखर तक पहुंचे और जम्मू-कश्मीर की राजनीति में उनका प्रभाव लगातार बढ़ता गया। हालांकि, केंद्र के साथ उनके संबंध लंबे समय तक सहज नहीं रहे। वर्ष 1953 में उन्हें सत्ता से हटा दिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उन्होंने कई वर्ष जेल और नजरबंदी में बिताए। इस दौरान कश्मीर के भविष्य को लेकर उनकी राजनीति जारी रही। उन्होंने जनमत-संग्रह के मुद्दे को भी अपनी राजनीति का हिस्सा बनाया और विदेशों में कश्मीर का मुद्दा उठाया। समय के साथ शेख अब्दुल्ला की राजनीति में बदलाव आया। केंद्र के साथ टकराव के लंबे दौर के बाद वर्ष 1975 में उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ समझौता किया। इसके बाद वह फिर जम्मू-कश्मीर की सत्ता में लौटे।

> **समय** के साथ उनकी राजनीतिक विरासत ने जम्मू-कश्मीर की राजनीति पर गहरा प्रभाव छोड़ा। उनके फैसलों और नीतियों को लेकर आज भी इतिहासकारों, राजनीतिक दलों और आम लोगों के बीच अलग-अलग राय मिलती है। शेख अब्दुल्ला का जीवन कश्मीर की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों का भी प्रतिबिंब रहा।

शेख अब्दुल्ला का राजनीतिक जीवन इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसमें कश्मीर की राजनीति के कई निर्णायक दौर दिखाई देते हैं। महाराजा के विरोध से शुरू हुआ उनका सफर भारत के साथ खड़े होने, केंद्र से टकराव, गिरफ्तारी, जनमत-संग्रह की राजनीति और अंततः समझौते के बाद सत्ता में वापसी तक पहुंचा। उनकी भूमिका और विरासत को लेकर आज भी कश्मीर की सियासत में अलग-अलग मत देखने को मिलते हैं। उनके समर्थक उन्हें कश्मीर की आवाज मानते हैं, जबकि आलोचक उनकी बदलती राजनीतिक नीतियों पर सवाल उठाते रहे हैं।

शेख अब्दुल्ला की बदलती सियासत

उनकी राजनीतिक यात्रा को लेकर जम्मू-कश्मीर में आज भी अलग-अलग नजरिया देखने को मिलता है। एक वर्ग उन्हें कश्मीर के लोगों की राजनीतिक आवाज मजबूत करने वाले नेता के रूप में देखता है। वहीं, उनके आलोचक उनकी बदलती राजनीतिक दिशा और केंद्र के साथ टकराव को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। शेख अब्दुल्ला के दौर में कश्मीर की राजनीति ने कई महत्वपूर्ण मोड़ देखे। उनके फैसलों का असर केवल तत्कालीन राजनीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बाद की राजनीतिक परिस्थितियों पर भी दिखाई दिया।

पुंछ में हिट-एंड-रन हादसा, मोटरसाइकिल सवार की मौके पर मौत

पुंछ। पुंछ जिले के कलाई इलाके में मंगलवार सुबह हिट-एंड-रन दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। हादसा खानतर और कलाई के बीच कलाई के पास हुआ। अधिकारियों के अनुसार, एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान महमूद अहमद पुत्र अब्दुल लतीफ निवासी खानतर, पुंछ के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाला अज्ञात वाहन मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और जांच शुरू कर दी। पुलिस दुर्घटना में शामिल अज्ञात वाहन और उसके चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों को जुटाकर फरार वाहन की पहचान करने में लगी है। पुलिस फरार वाहन की पहचान के लिए उपलब्ध सुरागों के आधार पर जांच कर रही है। चालक की गिरफ्तारी के बाद हादसे की पूरी परिस्थितियां स्पष्ट होने की उम्मीद है।

घाटी की संस्कृति और हकीकत पांच फिल्मों में बड़े पर्दे पर दिखेगी

घाटी की मिट्टी से निकली पांच कहानियां अब अंतरराष्ट्रीय पर्दे पर दिखाएंगी कश्मीर का रंग

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के सिनेमा इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के पहले अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2026 के लिए स्थानीय निर्देशकों की पांच फिल्मों का चयन किया गया है। इन फिल्मों को महोत्सव के महत्वपूर्ण प्रतियोगी वर्ग 'जेके सिलेक्ट सेक्शन' में जगह मिली है। चयन के साथ ही जम्मू-कश्मीर की स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कहानियां बड़े मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

चयनित पांचों फिल्में जम्मू-कश्मीर से जुड़ी कहानियों को अलग-अलग दृष्टिकोण और शैलियों में दर्शाएंगी। इनमें घाटी की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक वास्तविकताओं और मानवीय अनुभवों को केंद्र में रखा गया है। फिल्मों के माध्यम से स्थानीय जीवन, समाज और यहां की जड़ों से जुड़ी कहानियों को बड़े पर्दे पर सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। फिल्म महोत्सव के लिए गठित प्रिव्यू समिति ने प्राप्त प्रविष्टियों की समीक्षा की। समिति ने फिल्मों की कलात्मक गुणवत्ता और उनकी विषय-वस्तु को ध्यान में रखते हुए चयनित फिल्मों की सिफारिश की। चयन प्रक्रिया में कहानियों, शैलियों और प्रस्तुत किए गए दृष्टिकोणों में विविधता देखने को मिली। हालांकि, इन सभी फिल्मों की सबसे बड़ी समानता जम्मू-कश्मीर की जमीन और यहां के अनुभवों से उनका जुड़ाव है। पहले अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के आयोजन को स्थानीय सिनेमा के लिए महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। इससे जम्मू-कश्मीर के निर्देशकों को अपनी रचनात्मक क्षमता और स्थानीय कहानियों को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने का मंच मिलेगा।

महोत्सव में चयनित फिल्मों के जरिए घाटी की संस्कृति और सामाजिक जीवन के विभिन्न पहलुओं को भी दर्शकों के सामने रखा जाएगा। जम्मू-कश्मीर में स्थानीय स्तर पर बनने वाली फिल्मों के लिए यह चयन इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पहली बार क्षेत्र के निर्देशकों की पांच फिल्मों को एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के विशेष चयन वर्ग में स्थान मिला है। इससे स्थानीय फिल्मकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और अपनी कहानियों को बड़े पर्दे तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा।

पहलगाम-गुलमर्ग से आगे बढ़ा पर्यटन, एलओसी पहुंचे 4.30 लाख सैलानी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के सीमांत इलाकों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। कभी सुरक्षा कारणों और गोलाबारी के लिए पहचाने जाने वाले इन क्षेत्रों में अब सैलानियों की आवाजाही बढ़ी है। इस साल अब तक 4.30 लाख से अधिक पर्यटकों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे इलाकों का दौरा किया है। वर्ष 2021 में संघर्षविराम के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति का माहौल बेहतर हुआ, जिसका असर पर्यटन पर भी दिखाई दिया। पर्यटक अब पहलगाम और गुलमर्ग जैसे पारंपरिक पर्यटन स्थलों के अलावा सीमांत इलाकों का भी रुख कर रहे हैं। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ी क्षेत्र और सीमावर्ती गांव पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। पर्यटन बढ़ने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। कई लोग होमस्टे चलाने, पर्यटकों को स्थानीय क्षेत्रों की जानकारी देने और मार्गदर्शक के रूप में काम करने लगे हैं।

बनिहाल के चमलवास में मिला एक अज्ञात शव

भारतेंदु संवाददाता, रामबन। रामबन जिले के बनिहाल इलाके के चमलवास में मंगलवार को एक अज्ञात शव बरामद हुआ। एक अधिकारी के अनुसार, शव को चमलवास से बरामद करने के बाद बनिहाल के उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया। पहचान नहीं होने के कारण शव को अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान तत्काल नहीं हो सकी। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। शव की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाने के साथ मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही शव की पहचान और घटना से संबंधित अन्य जानकारी स्पष्ट हो सकेगी।

राजबाग में नौ ग्राम चिट्टे के साथ तस्कर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ । नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने राजबाग थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए करीब नौ ग्राम चिट्टे के साथ एक कथित नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मसकीन अली पुत्र मुरीद अली निवासी खंडवाल कोटपुन्नू, तहसील मढ़हीन, जिला कठुआ के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार राजबाग थाना पुलिस की टीम थाना प्रभारी के नेतृत्व में क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को पैदल जा रहे एक व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और नियमानुसार तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब नौ ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने नशीला पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में राजबाग थाने में प्राथमिकी संख्या 210/2026 दर्ज की गई है।

सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण पर उमर ने निष्पक्षता पर उठाए सवाल

उमर बोले- कानून के बजाय धर्म के आधार पर फैसले लेना दुर्भाग्यपूर्ण

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में मस्जिद ध्वस्तीकरण की घटना को लेकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में प्रशासन दस्तावेजों और कागजात के बजाय धर्म के आधार पर फैसले ले रहा है। उमर ने कहा कि जिन लोगों के पास कागजात नहीं हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, जबकि कुछ मामलों में दस्तावेज होने के बावजूद उन्हें नहीं देखा जाता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कुछ और नहीं तो कम से कम आरएसएस प्रमुख द्वारा हाल में लंदन में दिए गए भाषण में कही गई बातों का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग कहते कुछ हैं और करते कुछ और हैं। उनके अनुसार यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उमर अब्दुल्ला ने सभी मामलों में कानून और दस्तावेजों के आधार पर समान कार्रवाई की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि प्रशासन को किसी भी कार्रवाई में निष्पक्षता और समानता का ध्यान रखना चाहिए।

एमबीबीएस इंटर्न के विरोध पर भी बोले : मुख्यमंत्री ने एमबीबीएस इंटर्न के विरोध को भी दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि मामला इस स्तर तक नहीं पहुंचना चाहिए था। हालांकि यह विषय स्वास्थ्य विभाग से संबंधित है और निर्णय भी उसी स्तर पर लिया जाना है।

नियुक्ति बचाने को लेक्चरर को सरकार का अंतिम नोटिस

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग में सांख्यिकी विषय के लेक्चरर पद पर नियुक्त समीर अहमद वानी को अंतिम नोटिस जारी किया है। गांदरबल निवासी वानी की नियुक्ति आठ जुलाई 2026 को जारी सरकारी आदेश के तहत हुई थी। नियुक्ति आदेश में उन्हें 21 दिनों के भीतर स्कूल शिक्षा कश्मीर निदेशालय में कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बावजूद उन्होंने पदभार ग्रहण नहीं किया। स्कूल शिक्षा कश्मीर निदेशालय ने चार अगस्त को सरकार को पत्र भेजकर वानी के निर्धारित अवधि में कार्यभार नहीं संभालने की जानकारी दी। इसके बाद सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें अंतिम अवसर दिया है।

जमात में विचारधारा और संपत्ति को लेकर बढ़ा विवाद

जेडीएफ की राह पर जमात नेतृत्व आमने-सामने, विरासत का सवाल गहराया

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी की अंदरूनी खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। संगठन की विचारधारा, राजनीतिक भूमिका, संस्थागत विरासत और संपत्तियों को लेकर अलग-अलग धड़ों के बीच मतभेद लगातार गहराते जा रहे हैं। एक ओर जमात से अलग हुआ धड़ा जस्टिस एंड डेवलपमेंट फ्रंट के माध्यम से संवैधानिक और चुनावी राजनीति में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है, जबकि जमात का मूल नेतृत्व इस राजनीतिक प्रयोग पर सवाल उठा रहा है।

श्रीनगर में प्रेस वार्ता के दौरान अलग हुए धड़े के नेताओं गुलाम कादिर वानी और अहमदुल्लाह पर्रे मलिक ने आरोप लगाया कि उन्हें समर्थकों के बीच बदनाम करने के लिए गद्दार और बिकाऊ जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उनका कहना है कि उनका उद्देश्य संवैधानिक दायरे में रहकर लोगों के मुद्दे उठाना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से राजनीतिक भागीदारी करना है। पर्रे ने केंद्र के साथ संवाद का स्वागत करते हुए युवाओं से संविधान के दायरे में अपने मुद्दे उठाने की अपील भी की।

दूसरी ओर जमात के पूर्व प्रमुख गुलाम मोहम्मद भट्ट ने जेडीएफ की चुनावी राजनीति पर सवाल उठाए हैं। उनका तर्क है कि यदि जेडीएफ अपने राजनीतिक घोषणापत्र में समाजवाद जैसी अवधारणाओं को शामिल करता है तो उसे जमात की मूल इस्लामी विचारधारा की राजनीतिक निरंतरता के रूप में पेश करना उचित नहीं होगा। भट्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जमात का किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं है और संगठन प्रतिबंध के खिलाफ कानूनी रास्ता अपनाएगा।

यह विवाद केवल विचारधारा तक सीमित नहीं है। फलाह-ए-आम ट्रस्ट की संपत्तियां भी दोनों पक्षों के बीच टकराव का प्रमुख केंद्र बन गई हैं। भट्ट ने आरोप लगाया कि जमात से जुड़ी संपत्तियों पर कब्जे की कोशिश हो रही है और इन परिसरों का राजनीतिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं अहमदुल्लाह पर्रे ने इन आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया कि संपत्ति के इस्तेमाल के लिए बाकायदा किरायेदारी समझौता किया गया था।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में जम्मू के तीन वार्डों ने मारी बाजी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

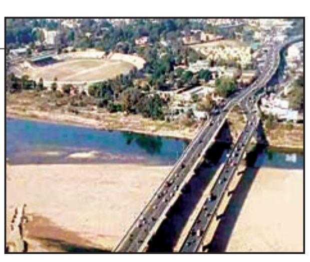

स्वच्छ वायु और बेहतर पर्यावरण की दिशा में जम्मू नगर निगम ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर घोषित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 के वार्ड स्तरीय पुरस्कारों में जम्मू नगर निगम के तीन वार्डों ने अपनी-अपनी आबादी श्रेणी में प्रथम स्थान हासिल किया है। इन पुरस्कारों के तहत निगम को कुल 50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी।

30 हजार से अधिक आबादी वाले प्रथम वर्ग में ग्रेटर कैलाश वार्ड ने पहला स्थान हासिल किया है। इसके लिए वार्ड को 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। वहीं 10 हजार से 30 हजार तक की आबादी वाले द्वितीय वर्ग में न्यू प्लाट वार्ड ने बाजी मारी और उसे 15 लाख रुपये का पुरस्कार मिला। 10 हजार से कम आबादी वाले तृतीय वर्ग में भगवती नगर वार्ड ने प्रथम स्थान हासिल करते हुए 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि जीती।

मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत इस वर्ष स्वच्छ वायु सर्वेक्षण का विस्तार वार्ड स्तर तक किया है। इसका उद्देश्य शहरों के साथ-साथ वार्डों के बीच स्वच्छ वायु और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ाना है। सर्वेक्षण में सड़क की धूल के प्रबंधन, ठोस कचरे के उचित निस्तारण, निर्माण एवं विध्वंस कचरे के प्रबंधन, वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण और औद्योगिक प्रदूषण को कम करने जैसे उपायों को प्रमुखता दी गई।

पार्किंग शुल्क में 60 प्रतिशत बढ़ोतरी से जम्मू में विरोध के स्वर हुए तेज

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

महंगी पार्किंग से बढ़ी लोगों की परेशानी

जम्मू बस स्टैंड स्थित जम्मू विकास प्राधिकरण की पार्किंग के शुल्क में करीब 60 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी किए जाने के बाद विरोध तेज हो गया है। राजनीतिक दलों के साथ व्यापारिक संगठन भी शुल्क बढ़ोतरी के फैसले के खिलाफ लामबंद हो गए हैं। संगठनों ने इसे आम लोगों और व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बताते हुए शुल्क वापस लेने या कम करने की मांग की है।

शिव सेना के प्रदेश प्रधान मनीष साहनी ने शुल्क बढ़ोतरी पर सरकार और प्रशासन को घेरा। उन्होंने कहा कि महंगाई के दौर में रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें पहले ही बढ़ी हुई हैं। ऐसे में पार्किंग जैसी आवश्यक सुविधा के शुल्क में करीब 60 प्रतिशत की वृद्धि उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी विभाग अपनी मनमर्जी से फैसले ले रहे हैं और आम जनता की परेशानियों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। साहनी ने चेतावनी दी कि बढ़ा हुआ शुल्क वापस नहीं लिया गया तो शिव सेना आने वाले दिनों में आंदोलन शुरू करेगी।

श्री रघुनाथ बाजार बिजनेस एसोसिएशन के प्रधान संजय गुप्ता ने कहा कि पार्किंग शुल्क बढ़ने से व्यापारियों के साथ बाजार में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों पर भी सीधा असर पड़ेगा। बाजारों में पहले ही पार्किंग की समस्या बनी हुई है।

इंटर्न डॉक्टरों के समर्थन में उतरे विधायक आगा मुंतजिर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जेहलम वेली मेडिकल कॉलेज अस्पताल बेमिना में अपनी मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न डॉक्टरों के समर्थन में बडगाम के विधायक आगा सैयद मुंतज़िर मेहदी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे युवा डॉक्टरों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और सरकार से उनकी जायज मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की।

विधायक ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की स्वास्थ्य व्यवस्था में इंटर्न डॉक्टरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी के बीच ये युवा डॉक्टर लंबे समय तक मरीजों की सेवा करते हैं। खासकर गरीब और जरूरतमंद मरीजों को इनकी सेवाओं का सीधा लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि जिन युवा डॉक्टरों पर मरीजों की देखभाल की जिम्मेदारी है, उन्हें अपनी मांगों के लिए भूख हड़ताल जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं, यह चिंता का विषय है।

आगा मुंतज़िर ने कहा कि वह स्वयं इंटर्नशिप के कठिन दौर से गुजर चुके हैं और युवा डॉक्टरों की परेशानियों को समझते हैं। लंबे चिकित्सकीय कार्य घंटे, मरीजों का भारी दबाव और सरकारी अस्पतालों की व्यस्त व्यवस्था इंटर्न डॉक्टरों के लिए चुनौतीपूर्ण होती है। ऐसे में उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना जाना चाहिए।

उन्होंने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों पर किसी भी तरह का दबाव बनाए जाने की खबरों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखने वाले युवाओं को डराने के बजाय उनके साथ बातचीत की जानी चाहिए। प्रशासन को संवाद के माध्यम से समस्या का समाधान निकालना चाहिए। विधायक ने सरकार से तत्काल इंटर्न डॉक्टरों के साथ बातचीत शुरू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशासनिक मामला नहीं बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़ा मानवीय मुद्दा है।

जम्मू पुलिस ने 12 घंटे के अंदर सुलझाया बिश्नाह स्नैचिंग केस

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। बिश्नाह पुलिस ने मोटरसाइकिल छीनने के मामले को तेजी से सुलझाते हुए घटना के 12 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से धारदार हथियार और छीनी गई मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 6 सितंबर 2026 को पुलिस थाना बिश्नाह में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 126(2), 115(2) और 304 तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 4/25 के तहत प्राथमिकी संख्या 166/2026 दर्ज की गई थी। मामला दर्ज होते ही पुलिस ने तत्काल जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने कथित रूप से घटना में शामिल हर्ष भारत पुत्र गुलशन कुमार निवासी ललियाना, तहसील बिश्नाह की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से एक टोका यानी धारदार हथियार बरामद किया। इसके अलावा छीनी गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई। मोटरसाइकिल का पंजीकरण नंबर जेके02एके-8335 बताया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामले में आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और आगे की जांच जारी है।

हरितकरण | सौर ऊर्जा विस्तार से जम्मू-कश्मीर में हरित विकास को मिलेगा नया आधार, सौर परियोजनाओं से बढ़ेगा स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन

मानसबल और मानसर झीलों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की तैयारी तेज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य सरोवर योजना के तहत जम्मू-कश्मीर में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। प्रदेश की दो प्रमुख झीलों मानसबल और मानसर को तैरते सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए चुना गया है। कश्मीर संभाग की मानसबल झील और जम्मू संभाग की मानसर झील पर सौर पैनल स्थापित करने की योजना है। जम्मू-कश्मीर ऊर्जा विकास एजेंसी इस परियोजना की व्यवहार्यता और आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया पूरी करने में जुटी है।

इस योजना में जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों को शामिल किया गया है। अधिकारियों के अनुसार दोनों जल निकायों को फिलहाल प्रारंभिक स्तर पर चुना गया है। परियोजना को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित बिजली वितरण कंपनियों की सहमति जरूरी होगी।

सहमति मिलने के बाद दोनों झीलों का विस्तृत तकनीकी सर्वेक्षण कराया जाएगा। इसमें जल की गहराई, लहरों की स्थिति, सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता, बिजली ग्रिड से जुड़ाव और पर्यावरण पर संभावित प्रभाव जैसे पहलुओं का अध्ययन किया जाएगा।

पानी के वाष्पीकरण में भी कमी की उम्मीद

तैरते सौर पैनल बिजली उत्पादन के साथ जल संरक्षण में भी सहायक हो सकते हैं। पानी की सतह के कुछ हिस्से पर पैनल लगे होने से सूर्य की सीधी गर्मी कम पहुंचती है, जिससे वाष्पीकरण में कमी आने की संभावना रहती है। वहीं पानी की ठंडक से सौर पैनलों का तापमान नियंत्रित रहने के कारण उनकी कार्यक्षमता में भी सुधार हो सकता है। हालांकि, परियोजना लागू करने से पहले इसके पर्यावरणीय प्रभाव का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा।

परियोजना सफल हुई तो बढ़ेगा दायरा

यदि मानसबल और मानसर झीलों पर तैरते सौर संयंत्रों का प्रयोग सफल रहता है तो भविष्य में अन्य बड़े जलाशयों और जल निकायों को भी इस योजना में शामिल किया जा सकता है। इससे जम्मू-कश्मीर में स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने के साथ पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। सरकार की कोशिश प्रदेश को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आगे ले जाने और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का अधिकतम उपयोग करने की है।

जमीन की कमी के बीच पानी पर सौर ऊर्जा उत्पादन

जम्मू-कश्मीर जैसे पहाड़ी प्रदेश में बड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए पर्याप्त समतल जमीन उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में पानी की सतह पर सौर पैनल लगाने की तकनीक उपयोगी साबित हो सकती है। तैरते सौर संयंत्रों में सौर पैनलों को विशेष तैरते प्लेटफार्मों पर स्थापित किया जाता है। इससे जमीन की आवश्यकता कम होती है और उपलब्ध जल क्षेत्र का उपयोग ऊर्जा उत्पादन के लिए किया जा सकता है।

गुरु का हर निर्णय शिष्य के हित में होता है, भले उसका अर्थ तुरंत समझ न आए

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊंचा माना गया है। गुरु केवल ज्ञान देने वाले शिक्षक नहीं होते, बल्कि वे जीवन को सही दिशा दिखाने वाले पथप्रदर्शक होते हैं। वे अपने शिष्य को अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। गुरु का उद्देश्य कभी भी अपने शिष्य से स्वार्थ सिद्ध करना नहीं होता। एक सच्चा गुरु केवल अपने शिष्य के कल्याण, उसके आत्मिक विकास और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करता है। यही विश्वास प्रत्येक शिष्य के मन में दृढ़ होना चाहिए कि गुरु का हर निर्णय उसके हित के लिए ही होता है, चाहे उस समय वह निर्णय समझ में आए या नहीं।

इसी सत्य को समझाने वाली एक प्रेरक कथा प्रचलित है। एक बार एक गुरु अपने शिष्य के साथ जंगल से होकर गुजर रहे थे। उनके पीछे कुछ कॉलेज के छात्र चल रहे थे, जो लगातार शिष्य का उपहास कर रहे थे और उसे अपमानित करने का प्रयास कर रहे थे। शिष्य ने उनके कटु शब्दों को सुना, लेकिन उसने धैर्य और संयम बनाए रखा। उसने किसी प्रकार का प्रतिवाद नहीं किया और शांतिपूर्वक गुरु के साथ आगे बढ़ता रहा।

कुछ समय बाद सभी लोग एक नदी के किनारे पहुंचे। गुरु और शिष्य एक नाव में बैठ गए, जबकि वे छात्र दूसरी नाव में सवार हुए। जब दोनों नावें नदी के बीच पहुंचीं, तभी अचानक उन छात्रों की नाव डूबने लगी। उसी समय गुरु ने बिना किसी स्पष्ट कारण के अपने शिष्य को एक थप्पड़ मार दिया। शिष्य आश्चर्यचकित रह गया, क्योंकि उसने कोई गलती नहीं की थी। तब गुरु ने समझाया कि यदि वह उन छात्रों के व्यवहार का उसी समय उचित उत्तर देता या उन्हें रोकने का प्रयास करता, तो विवाद वहीं समाप्त हो जाता और कर्म का प्रभाव भी वहीं खत्म हो जाता। लेकिन उसके मौन और सहनशीलता के कारण कर्म का परिणाम अधिक गंभीर रूप में सामने आया। अब उन छात्रों को संकट से बचाना भी उसी का दायित्व बन गया। गुरु ने उसे नदी में कूदकर सभी छात्रों की जान बचाने का आदेश दिया।

यह कथा हमें सिखाती है कि गुरु की दृष्टि सामान्य मनुष्य की दृष्टि से कहीं अधिक व्यापक होती है। गुरु केवल वर्तमान को नहीं देखते, बल्कि कर्मों के गहरे प्रभाव और भविष्य के परिणामों को भी समझते हैं। इसलिए कई बार उनके निर्णय हमें कठोर या असामान्य लग सकते हैं, लेकिन उनके पीछे शिष्य के हित और आध्यात्मिक कल्याण की गहरी भावना छिपी होती है। ज्ञानी पुरुषों के आचरण को साधारण बुद्धि से समझना संभव नहीं होता। उनके प्रत्येक कार्य का उद्देश्य आत्मिक उन्नति और जीवन की गहन सच्चाइयों का बोध कराना होता है।

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

गुरु और शिष्य का संबंध संसार के अन्य सभी संबंधों से अलग और अत्यंत पवित्र माना गया है। इसे माता-पिता, भाई-बहन, मित्र या किसी अन्य रिश्ते के समान नहीं देखा जा सकता। सांसारिक संबंध अपेक्षाओं और अधिकारों पर आधारित हो सकते हैं, लेकिन गुरु-शिष्य का संबंध पूर्ण समर्पण, श्रद्धा और विश्वास पर आधारित होता है। जब शिष्य अपने गुरु के प्रति पूर्ण आस्था रखता है, तभी वह वास्तविक ज्ञान और आत्मबोध की दिशा में आगे बढ़ पाता है।

आध्यात्मिक परंपरा में गुरु को उस विराट चेतना का माध्यम माना गया है, जिसके द्वारा ईश्वरीय ज्ञान प्रवाहित होता है। गुरु स्वयं किसी व्यक्तिगत स्वार्थ से प्रेरित होकर कार्य नहीं करते। उनके प्रत्येक कार्य का उद्देश्य केवल शिष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को जागृत करना और उसे आत्मज्ञान की ओर ले जाना होता है। इसलिए गुरु के प्रति कृतज्ञता, विनम्रता और विश्वास ही साधना की सबसे मजबूत नींव मानी जाती है। इसी भावना को समर्पित है गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व। यह केवल गुरु का सम्मान करने का दिन नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्ममूल्यांकन का अवसर भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पहाड़ों की कोख उजाड़ कर मौत को आमंत्रण देता यह कैसा विकास?

हिमाचल प्रदेश में विगत कुछ वर्षों से इस देवभूमि को मानसून की भारी बरसातों ने जहां लोगों के जनजीवन को झकझोर कर अस्त-व्यस्त कर रखा है, वहीं इस भयावह प्रलय से पहाड़ों से खिसकती भारी-भरकम चट्टानों की चपेट में आने से लोगों में दहशत पैदा हो गई है कि कब पहाड़ों से खिसकती चट्टानें उनकी अकाल मृत्यु का कारण बन जाएं। अगर यदाकदा वे बच भी जाते हैं तो कहीं भारी भूस्खलन, आसमानी बिजली गिरने अथवा बादल फटने से उनके बसे-बसाए घरौंदे जमींदोज न हो जाएं। यह एक ज्वलंत प्रश्न उनके जहन में आए दिन कौंधता रहता है।

आज आलम यह हो गया है कि लोगों का घर से बाहर निकलते समय हर पल उनका दिल और दिमाग दहशत से भरा रहता है कि कब प्रकृति की भयानक त्रासदी उन्हें निगल ले। इसका जीता-जागता उदाहरण गत शनिवार यानी 24 जुलाई को लाहुल-स्पीति जिले में उदयपुर-किलाड़ मार्ग पर कढू नाला के पास देखने को मिला, जहां घर लौट रहे लोगों की टैक्सी यानी टाटा सूमो पर अचानक चट्टान रूपी कहर टूट पड़ा। इस हादसे में सवार 14 लोगों में से 13 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक व्यक्ति भाग्यशाली रहा, जो ईश्वर की असीम कृपा से मौत का ग्रास बनने से बच गया।

हादसे में मारे गए सभी लोग लाहुल-स्पीति जिले के उदयपुर उपमंडल और चंबा जिले के पांगी क्षेत्र के रहने वाले थे, जो कुल्लू-मनाली से वापस अपने घर लौट रहे थे। दिल को झकझोर देने वाली इस दर्दनाक घटना में मरने वालों में एक ही परिवार के छह सदस्य शामिल थे। पहाड़ी से अचानक उनकी गाड़ी पर भारी-भरकम चट्टान गिरने से मौत के तांडव ने सदा के लिए उन्हें सुला दिया और उनके हंसते-खेलते परिवारों की खुशियों को पलभर में मातम में बदल दिया।

यह दिल दहला देने वाला दर्दनाक हादसा पांगी घाटी के कई परिवारों को ऐसे गहरे जख्म दे गया, जिन्हें वे ताउम्र सहलाते रहेंगे। इस हादसे में सोमन और छेरिंग दोरजे का विवाह कुछ समय पश्चात होने वाला था। दोनों ही परिवारों में शहनाइयों के गूंजने का इंतजार बड़ी बेसब्री से किया जा रहा था। इसके लिए दोनों परिवार अपने-अपने स्तर पर तैयारियों में तन्मयता से जुटे हुए थे। लेकिन विधाता को कुछ और ही मंजूर था और काल बनी चट्टान ने विवाह की खुशियों को मातम में बदल दिया।

इस राज्य में बीते कुछ महीनों में हुए हादसों में से यह सबसे बड़ा और भयावह हादसा है। स्थानीय लोगों के अनुसार उदयपुर से पांगी तक लगभग 80 किलोमीटर लंबा सफर उनके लिए बेहद जोखिम भरा रहता है। जब लोग इस मार्ग से गुजरते हैं तो उनकी सांसें अटकी रहती हैं कि न जाने कब उनके साथ कोई अनहोनी घटना घट जाए।

तुलसी राम डोगरा
(स्वतंत्र लेखक),पालमपुर।

स्थानीय लोगों के मुताबिक सीमा सड़क संगठन द्वारा सड़क मार्ग चौड़ा करने का कार्य चल रहा है। इसके आसपास के पहाड़ों को ब्लास्टिंग के माध्यम से बेतरतीब ढंग से काटा जा रहा है। इससे कई प्रजातियों के पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं का अस्तित्व भी खतरे में पड़ता जा रहा है।

बदलते परिवेश में हम प्रकृति और पर्यावरण के महत्व को तो समझ गए हैं, लेकिन इसे गंभीरता के साथ संरक्षित करने के प्रयासों से अभी भी कोसों दूर हैं। आधुनिक युग में अपनी सुविधाओं के लिए प्रकृति द्वारा दी गई बेशुमार संपदा को नष्ट करने पर उतारू हैं। वैसे भी हिमाचल प्रदेश देवभूमि की भौगोलिक परिस्थितियां अत्यधिक संवेदनशील हैं, जिसके परिणामस्वरूप यहां के पहाड़ों का संतुलन और स्वरूप बिगड़ता जा रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

मजबूत आंगनबाड़ी, मजबूत बचपन

2047 का विकसित भारत उन बच्चों के हाथों से बनेगा, जो आज स्कूल की दहलीज तक भी नहीं पहुंचे हैं। किसी बच्चे के स्वस्थ, सक्षम और आत्मनिर्भर बनने की नींव उसके जीवन के शुरुआती वर्षों में ही रखी जाती है। विशेष रूप से जीवन के पहले एक हजार दिन बच्चे के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस यात्रा में आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश के करोड़ों बच्चों और माताओं के लिए आंगनबाड़ी केवल सरकारी केंद्र नहीं, बल्कि उनके अपने समुदाय और पड़ोस का भरोसेमंद हिस्सा है।

देशभर में लगभग 14 लाख आंगनबाड़ी केंद्र 8.9 करोड़ से अधिक बच्चों, महिलाओं और किशोरियों तक सेवाएं पहुंचा रहे हैं। इन केंद्रों को संचालित करने वाली करीब 25.2 लाख कार्यकर्ता और सहायिकाएं भी उसी समाज से आती हैं, जिसकी वे सेवा करती हैं। स्कूल जाने से पहले बच्चे का वजन और लंबाई आंगनबाड़ी में मापी जाती है। उसे पोषणयुक्त भोजन मिलता है और खेल तथा गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर मिलता है। गर्भवती महिलाओं को भी पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। इस प्रकार आंगनबाड़ी बच्चे के जीवन की शुरुआती विकास यात्रा का महत्वपूर्ण केंद्र बन जाती है।

मार्च 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोषण अभियान की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य पोषण को केवल सरकारी कार्यक्रम न रखकर जनभागीदारी से जुड़े व्यापक अभियान में बदलना था। इसके बाद हर सितंबर राष्ट्रीय पोषण माह और हर मार्च पोषण पखवाड़ा देशभर में पोषण जागरूकता का माध्यम बने हैं। वर्ष 2026 का नौवां राष्ट्रीय पोषण माह नौ सितंबर से 'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' विषय के साथ शुरू हो रहा है। इसका संदेश स्पष्ट है कि सरकार गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन इन सेवाओं का प्रभाव तभी अधिक होगा, जब समुदाय भी आंगनबाड़ी को अपनी जिम्मेदारी समझे।

सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए आंगनबाड़ी प्रबंधन समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इनमें माता-पिता, पंचायत प्रतिनिधियों और स्वयं सहायता समूहों को जोड़ा जा सकता है। ये समितियां यह देखने में मदद कर सकती हैं कि बच्चों को निर्धारित भोजन मिल रहा है या नहीं, सभी पात्र लाभार्थियों तक सेवाएं पहुंच रही हैं या नहीं और केंद्र को बेहतर बनाने के लिए किन संसाधनों की जरूरत है। इसके साथ ही सामाजिक अंकेक्षण की व्यवस्था समुदाय को अपनी आंगनबाड़ी की सेवाओं की समीक्षा करने और कमियों के आधार पर सुधार की दिशा तय करने का अवसर देती है।

पारदर्शिता बढ़ाने में मेन्यू बोर्ड भी महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर लगाया गया मेन्यू बोर्ड परिवारों को यह जानकारी देता है कि बच्चों और लाभार्थियों को किस दिन क्या भोजन दिया जाना है। जब माता-पिता को यह जानकारी होती है कि उनके बच्चे को क्या मिलना चाहिए, तो वे केंद्र के साथ बेहतर संवाद कर सकते हैं और व्यवस्था की गुणवत्ता पर नजर रख सकते हैं। इस तरह पारदर्शिता किसी औपचारिक प्रक्रिया के बजाय रोजमर्रा की व्यवस्था का हिस्सा बन सकती है।

राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान उन केंद्रों में प्रबंधन समितियों का गठन किया जाना चाहिए, जहां अभी तक समितियां नहीं बनी हैं। जिन केंद्रों पर समितियां मौजूद हैं, वहां उनकी बैठकें और सामाजिक अंकेक्षण आयोजित किए जा सकते हैं। मेन्यू बोर्ड लगाने के साथ तिथि भोज और स्वस्थ व्यंजनों के प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम परिवारों, पंचायतों और स्वयं सहायता समूहों को आंगनबाड़ी से जोड़ने में मदद करेंगे।

आंगनबाड़ी सेवाओं की पहली कसौटी पौष्टिक भोजन है। भोजन संतुलित और विविधतापूर्ण होना चाहिए, जिसमें अनाज और श्रीअन्न, दालें, मेवे और बीज, दूध और दुग्ध उत्पाद, अंडा, मौसमी फल तथा हरी सब्जियां शामिल हों। पूरक पोषण कार्यक्रम के नए दिशानिर्देशों में गरम पके भोजन के स्वरूप और पोषण मानकों पर विशेष जोर दिया गया है। बच्चे के विकास के लिए भोजन के साथ सीखने और गतिविधियों का भी उतना ही महत्व है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शुरुआती वर्षों में बच्चे के विकास के विभिन्न पड़ावों पर नजर रखती हैं। नवचेतना और आधारशिला जैसे कार्यक्रम बच्चों को आगे की शिक्षा के लिए तैयार करने में मदद करते हैं।

बच्चे के स्वास्थ्य और विकास की यात्रा जन्म से पहले ही शुरू हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान मां का पोषण सीधे बच्चे के स्वास्थ्य और विकास से जुड़ा होता है। इसी सोच के तहत प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी योजनाएं गर्भवती और धात्री महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़ी चुनौतियों से राहत देना है। अब जरूरत इस बात की है कि आंगनबाड़ी को केवल सरकारी व्यवस्था मानने के बजाय सामुदायिक संस्था के रूप में देखा जाए। इस सितंबर प्रत्येक नागरिक अपने क्षेत्र की कम से कम एक आंगनबाड़ी का दौरा कर सकता है। कार्यकर्ता से बात करना, मेन्यू बोर्ड देखना, बच्चों को मिल रही सेवाओं की जानकारी लेना और यह पूछना कि समुदाय किस प्रकार सहयोग कर सकता है, छोटी लेकिन प्रभावी शुरुआत होगी।

- शिवांश धाकड़

कविता

मीठी चूं-चूं

(राज कुमार कौंडल) , गांव व डा0 अमरपुर तहसील घुमारवीं जिला बिलासपुर हि0प्र0(174021)

सुबह उठकर रात बची रोटी को तोड़कर,
घर की छत पर प्यार से चारों ओर बिखरा दिया।
अभी रोटी के टुकड़ों को बिखराया ही था,
पंखियों ने आकर चहचहाने का राग सुना दिया।
गौरैया, मैना, छोटे-बड़े पंछी सब आए थे,
जो दूर थे, उन्हें भी चूं-चूं कर बुला लिया।
सब अपने-अपने बच्चों का ख्याल रख रहे थे,
नन्हे परिंदों ने आसमान को घर बना लिया।
कोई झगड़ा नहीं, कोई परेशानी कहीं नहीं,
खाने से पहले निवाला बच्चों को दे दिया।
मिल-जुलकर सब बांटकर खा रहे थे रोटी,
साझेदारी ने प्रेम का नया जहां बसा दिया।
न कोई छोटा था, न कोई बड़ा वहां,
हर किसी ने हर किसी का मान बढ़ा दिया।
जिसके हिस्से में जितना आया, उतना बांटा,
किसी ने भी अपना हिस्सा अकेले नहीं खा लिया।
जहां हम सभी बंटे हैं दुनिया की तंग सीमाओं में,
वहीं इन पंछियों ने प्रेम से रहना सिखा दिया।
न भाषा का भेद, न जाति का कोई बंधन,
बस मिल-जुलकर जीने का पाठ पढ़ा दिया।
जो प्रेम सबको हम पढ़-लिखकर भी न सिखा पाए,
वो इन परिंदों की मीठी चहचहाहट ने सिखा दिया।
छोटी-सी रोटी और नन्हे पंखों ने मिलकर,
मानवता का सबसे सुंदर अर्थ समझा दिया।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए सार्वजनिक जीवन में नैतिक जिम्मेदारी निभाना जरूरी

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसकी सबसे बड़ी ताकत केवल चुनाव, सरकार बनना या सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही है। लोकतंत्र तभी मजबूत बनता है, जब सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों और नैतिक जिम्मेदारियों का भी ईमानदारी से निर्वहन करें। किसी भी बड़ी प्रशासनिक चूक या सार्वजनिक व्यवस्था में गंभीर विफलता के बाद नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करना लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करता है। इससे जनता का भरोसा बढ़ता है और शासन व्यवस्था अधिक उत्तरदायी बनती है।

हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने देशभर के लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों की चिंता बढ़ाई है। विशेष रूप से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) जैसी परीक्षा लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ी होती है। विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, आर्थिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करते हैं तथा डॉक्टर बनने का सपना लेकर तैयारी करते हैं। ऐसे में यदि परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं तो केवल परीक्षा प्रणाली ही प्रभावित नहीं होती, बल्कि युवाओं का विश्वास भी डगमगा जाता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी मंत्रालय की अंतिम जिम्मेदारी उसके मंत्री पर होती है। इसका अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक प्रशासनिक गलती के लिए मंत्री व्यक्तिगत रूप से दोषी होता है, बल्कि वह पूरे विभाग का संवैधानिक और नैतिक प्रमुख होता है। कई लोकतांत्रिक देशों में यह परंपरा रही है कि बड़ी प्रशासनिक विफलताओं के बाद मंत्री नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए पद छोड़ देते हैं। इससे शासन व्यवस्था में जवाबदेही की संस्कृति मजबूत होती है और जनता को यह संदेश मिलता है कि सार्वजनिक पद केवल अधिकार का नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व का भी प्रतीक है।

हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी मामले में व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करने से पहले निष्पक्ष जांच हो और तथ्य सामने आएं। किसी व्यक्ति के इस्तीफे की मांग या उसका समर्थन राजनीतिक और नैतिक बहस का विषय हो सकता है, लेकिन अंतिम निर्णय तथ्यों, जांच और संवैधानिक प्रक्रियाओं के आधार पर ही होना चाहिए। लोकतंत्र में जवाबदेही का अर्थ केवल इस्तीफा नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी सुधार भी है।

पंकज सिंह ठाकुर
समाजसेवी

परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सरकारों, परीक्षा एजेंसियों और प्रशासन को आधुनिक तकनीक, डिजिटल निगरानी, सुरक्षित प्रश्नपत्र वितरण प्रणाली और कठोर कानूनी प्रावधानों को और मजबूत करना होगा। प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोहों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई, समयबद्ध जांच और दोषियों को कड़ी सजा मिलना आवश्यक है। इसके साथ ही परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाया जाना चाहिए ताकि विद्यार्थियों का विश्वास कायम रहे।

देश के युवाओं का भविष्य किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होता है। यदि उनकी मेहनत और प्रतिभा पर प्रश्नचिह्न लगने लगे तो इसका असर केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के विकास पर पड़ता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

वीरगति के बाद भी अमर है नाम

कैप्टन विक्रम बत्रा का जन्म 9 सितंबर 1974 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में हुआ था। उनके पिता गिरधारी लाल बत्रा सरकारी स्कूल में प्रधानाचार्य और माता कमल कांता शिक्षिका थीं। विक्रम बत्रा अपने जुड़वां भाई विशाल से 14 मिनट बड़े थे। बचपन से ही वे पढ़ाई के साथ खेलकूद और विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रहे। उन्होंने टेबल टेनिस और कराटे में भी अपनी प्रतिभा दिखाई तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

कैप्टन विक्रम बत्रा
जन्म : 9 सितंबर 1974

बारहवीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने चंडीगढ़ के डीएवी कॉलेज में चिकित्सा विज्ञान विषय से स्नातक की पढ़ाई की। कॉलेज के दौरान उनका झुकाव सेना की ओर बढ़ा। उन्होंने राष्ट्रीय कैडेट कोर की वायु शाखा में प्रवेश लिया और प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बाद में वे सेना शाखा के कैडेट बने और राष्ट्रीय कैडेट कोर का प्रमाणपत्र प्राप्त किया। वर्ष 1994 में उन्होंने गणतंत्र दिवस परेड में कैडेट के रूप में हिस्सा लिया। इसी दौरान उन्होंने सेना में शामिल होकर देश की सेवा करने का दृढ़ निश्चय किया।

वर्ष 1995 में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विषय से स्नातकोत्तर की पढ़ाई शुरू की। साथ ही वे संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा की तैयारी करने लगे। पढ़ाई के साथ उन्होंने चंडीगढ़ में यात्रा एजेंसी में अंशकालिक नौकरी भी की। इसी दौरान उनका चयन व्यापारी नौसेना के लिए भी हुआ, लेकिन उन्होंने इस अवसर को छोड़कर भारतीय सेना में जाने का फैसला किया। उनका सपना ऐसा काम करना था जिससे देश का नाम रोशन हो।

वर्ष 1996 में उन्होंने संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की और सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में सफल हुए। योग्यता सूची में स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने भारतीय सैन्य अकादमी में प्रवेश लिया। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद वे भारतीय सेना के अधिकारी बने। वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान उन्होंने असाधारण साहस और नेतृत्व का परिचय दिया। कैप्टन विक्रम बत्रा ने कठिन परिस्थितियों में कई महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया। प्वाइंट 5140 पर विजय के बाद उनका प्रसिद्ध उद्घोष देशभर में साहस और देशभक्ति का प्रतीक बन गया। बाद में प्वाइंट 4875 पर लड़ाई के दौरान साथियों को बचाते हुए वे गंभीर रूप से घायल हुए और 7 जुलाई 1999 को वीरगति को प्राप्त हुए।

देवभूमि को अपराधमुक्त बनाने के लिए समाज और सरकार को साथ चलना होगा

हिमाचल प्रदेश जिसे अपनी शांत वादियों, समृद्ध संस्कृति और सौहार्दपूर्ण वातावरण के कारण देवभूमि कहा जाता है, आज के बदलते दौर में एक कठिन चुनौती से जूझ रहा है। कम अपराध दर और सुरक्षित परिवेश के लिए पहचाने जाने वाले इस राज्य में पिछले कुछ समय से अपराधों के ग्राफ में बढ़ोतरी देखी जा रही है। यह प्रवृत्ति केवल स्थानीय निवासियों के लिए ही नहीं, बल्कि राज्य के सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने के लिए भी बड़ी चिंता का विषय है। हिमाचल प्रदेश जिसे देवभूमि के नाम से जाना जाता है, अपनी अलौकिक प्राकृतिक शक्ति, ईमानदारी, सामाजिक मूल्यों और सुरक्षित वातावरण के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध रहा है। अखबारों की सुर्खियां और पुलिस के आंकड़े इस बात की ओर संकेत कर रहे हैं कि कभी सबसे सुरक्षित माने जाने वाला यह राज्य अब अपराध की चुनौती से धीरे-धीरे जूझ रहा है। हिमाचल की यह बदलती तस्वीर हर नागरिक और नीति-निर्माता के लिए गहरी चिंता का विषय है।

बढ़ते अपराधों का स्वरूप: हिमाचल प्रदेश में अपराधों का स्वरूप अब पारंपरिक श्रेणियों से बदलकर अधिक जटिल और आधुनिक होता जा रहा है। मादक पदार्थों का बढ़ता जाल राज्य के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। नशीले पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ा है और रिपोर्टों के अनुसार युवाओं का एक बड़ा वर्ग इसकी चपेट में आ रहा है। नशे की लत को पूरा करने के लिए कुछ युवा चोरी, झपटमारी और हिंसा जैसे अपराधों का सहारा ले रहे हैं।

महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की बात करें तो देवभूमि की छवि हमेशा से महिलाओं के लिए सुरक्षित स्थान के रूप में रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, तलाक और दुष्कर्म जैसे मामलों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। यह स्थिति समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

डिजिटल तकनीक के विस्तार के साथ साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं। हिमाचल के सीधे-साधे लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी, लॉटरी और स्कैम तथा वित्तीय ठगी का आसानी से शिकार बन रहे हैं। पर्यटन क्षेत्र में अव्यवस्था और विवाद भी एक नई चुनौती बनकर सामने आए हैं। कुल्लू, मनाली, कसोल, शिमला और धर्मशाला जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की भारी भीड़ के कारण कई बार स्थानीय लोगों और बाहरी असामाजिक तत्वों के बीच हिंसक झड़पों की घटनाएं सामने आती हैं। राज्य में आने वाले पर्यटकों के लिए सख्त नियम बनाए जाने चाहिए। हुड़दंग करने वालों और कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ भारी जुर्माना और कठोर सजा का प्रावधान होना चाहिए, ताकि देवभूमि की गरिमा बनी रहे। पर्यटकों और स्थानीय लोगों के बीच बढ़ता टकराव देवभूमि की पारंपरिक मेहमाननवाजी और अतिथि देवो भव की भावना को भी प्रभावित कर रहा है।

अपराध बढ़ने के कारण: अपराधों में वृद्धि केवल कानून व्यवस्था की असफलता का परिणाम नहीं होती, बल्कि बदलते सामाजिक मूल्यों और मानसिक तनाव का भी प्रभाव होती है। बेरोजगारी, मानसिक दबाव, आधुनिक जीवनशैली की दौड़, करियर का दबाव और रोजगार के सीमित अवसरों के कारण युवाओं में निराशा बढ़ रही है। यही निराशा कई बार उन्हें गलत रास्ते की ओर धकेल देती है।

पारंपरिक पारिवारिक नियंत्रण में कमी, शहरीकरण, आधुनिकीकरण और बदलती जीवनशैली के प्रभाव के कारण परिवारों में संवादहीनता बढ़ रही है। बुजुर्गों और माता-पिता का युवाओं पर नैतिक नियंत्रण कम होने से कई युवा गलत संगति के प्रभाव में आकर अपराधों की ओर बढ़ रहे हैं।

शहरीकरण और पश्चिमीकरण के बढ़ते प्रभाव से संयुक्त परिवारों का टूटना और सामाजिक नियंत्रण का कमजोर होना भी एक कारण है। नई पीढ़ी में रातोंरात अमीर बनने और भौतिक सुख प्राप्त करने की चाह कई बार उन्हें गलत रास्तों की ओर ले जाती है।

भौगोलिक चुनौतियां भी हिमाचल के लिए बड़ी समस्या हैं। पड़ोसी राज्यों से लगती सीमाओं के कारण नशीले पदार्थों की तस्करी को पूरी तरह रोकना कठिन साबित हो रहा है। नशे के सौदागरों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सख्त कार्रवाई करनी होगी और ड्रग नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने के प्रयास करने होंगे। साथ ही युवाओं के लिए प्रभावी नशा मुक्ति केंद्र स्थापित करने होंगे।

डॉ राज कुमारी
साइकोलॉजिस्ट

समाधान के उपाय: देवभूमि हिमाचल की पवित्रता और सुरक्षा को बहाल करने के लिए सामूहिक और बहुआयामी प्रयासों की आवश्यकता है। युवाओं को केवल डिग्री आधारित शिक्षा देने के बजाय रोजगारपरक शिक्षा और कौशल विकास से जोड़ना होगा। स्कूल और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य, नैतिक शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी पर विशेष सत्र आयोजित किए जाने चाहिए।

नशे की समस्या से निपटने के लिए जिला स्तर पर आधुनिक नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए, ताकि प्रभावित युवाओं को मुख्यधारा में वापस लाया जा सके। गांव और कस्बों में नागरिक समितियां बनाकर असामाजिक गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। प्रत्येक गांव और वार्ड स्तर पर अमन समितियां और युवा क्लब सक्रिय किए जाएं, जो संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को उपलब्ध कराएं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

प्रयागराज में बैंक मैनेजर की रहस्यमय मौत, होटल के कमरे में मिला शव

एजेंसी, प्रयागराज

गंगापार के फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के भरौटी गांव स्थित सुदीप होटल में मंगलवार सुबह निजी बैंक के शाखा प्रबंधक 40 वर्षीय महेंद्र कुमार भारतीय की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव होटल के कमरे में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। महेंद्र कुमार भारतीय प्रतापपुर स्थित साईं समर्पण बैंक की शाखा में शाखा प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। वह सरायममरेज थाना क्षेत्र के लोह गजरी खानपुर डांडी गांव के निवासी बताए गए हैं। मंगलवार सुबह होटल के कमरे में उनका शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम ने कमरे और आसपास के स्थानों की बारीकी से पड़ताल की। मौत के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मामले में पुलिस ने एक महिला को हिरासत में लिया है। हालांकि महिला को किस आधार पर हिरासत में लिया गया और उसका मृतक से क्या संबंध है, इस बारे में पुलिस ने अभी स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। महिला की मौजूदगी को लेकर भी तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं, लेकिन पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच और साक्ष्यों के आधार पर ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस होटल के कर्मचारियों और आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। कमरे में मिले सामान और अन्य साक्ष्यों को जांच का हिस्सा बनाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

न्यूज ब्रीफ

मीरजापुरः कमरे में फंदे से लटका मिला युवक का शव

एजेंसी, मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में चुनार कोतवाली क्षेत्र के रैपुरिया गांव में मंगलवार को 35 वर्षीय राहुल का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर परिजनों ने अंदर झांका तो राहुल छत के कुंडे से कपड़े के फंदे के सहारे लटका मिला। उसके बड़े भाई बुल्लू ने पूर्वाह्न करीब 11 बजे पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मीरजापुर भेज दिया। पुलिस के अनुसार राहुल की शादी करीब चार वर्ष पहले हुई थी। परिजनों ने बताया कि शादी के कुछ समय बाद से ही उसकी पत्नी मायके में रह रही थी। राहुल मकान की पेंटिंग और अन्य मजदूरी का काम करता था। कोतवाल विजय शंकर सिंह पटेल ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर में मतांतरण के आरोपों पर हंगामा, पुलिस ने 10 के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

एजेंसी, कानपुर। गुजैनी और रावतपुर में मतांतरण से जुड़े दो मामले सामने आए हैं। गुजैनी की कच्ची बस्ती में रहने वाले परिवार ने आरोप लगाया कि मतांतरण से इन्कार करने पर उनके साथ मारपीट की गई। परिवार का आरोप है कि शिकायत लेकर चौकी पहुंचने पर प्रभारी ने कार्रवाई के बजाय समझौते का दबाव बनाया। मामला सामने आने के बाद भाजपा, विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और हंगामा किया। वहीं, रावतपुर में युवती पर बुर्का पहनाकर मतांतरण का दबाव बनाने का आरोप है। पुलिस ने दस आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया है।

जेल से पेशी पर आया हिस्ट्रीशीटर दीवानी में पड़ा बीमार, अस्पताल में मौत

एजेंसी, आगरा। दीवानी परिसर में मंगलवार को पेशी पर आए हिस्ट्रीशीटर जिम्मी चौधरी की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। वह सिकंदरा आवास विकास कॉलोनी सेक्टर-15 का निवासी था और सिकंदरा थाने का हिस्ट्रीशीटर था। उसके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। जिम्मी चौधरी को सिकंदरा थाने में दर्ज एनडीपीएस के एक मामले में जेल से पेशी के लिए दीवानी लाया गया था। पेशी से पहले हवालात में उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। पुलिसकर्मियों ने एंबुलेंस बुलाकर उसे एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस भर्ती में जुड़वां भाइयों का खेल, कम कद वाले की जगह भाई ने कराई नाप

एजेंसी, आगरा। खाकी वर्दी पहनने की चाहत में जुड़वां भाइयों ने पुलिस भर्ती में धोखाधड़ी की कोशिश की। लिखित परीक्षा पास करने के बाद अभिलेख सत्यापन और शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान अभ्यर्थी का कद मानक से कम निकला। इसके बाद उसने दोबारा नाप कराने का अनुरोध किया। इस पर उसके जुड़वां भाई ने उसकी जगह शारीरिक नाप कराने की कोशिश की। दोबारा नाप में लंबाई अधिक मिलने पर अधिकारियों को शक हुआ। बायोमीट्रिक जांच में दोनों की पहचान का मिलान नहीं हुआ और मामला खुल गया। पुलिस ने दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया।

बस की टक्कर से बाइक सवार पिता, मां और बेटे की मौत, चालक वाहन समेत फरार

एजेंसी, सुलतानपुर। अखंडनगर-कादीपुर मार्ग पर मंगलवार सुबह तेज रफ्तार अज्ञात बस ने बाइक सवार एक परिवार के तीन लोगों को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में 23 वर्षीय प्रदीप गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल उसके पिता रामलौट (45) और मां दुर्गावती (40) ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मिश्रपुर जलालपुरगंज अलीपुर निवासी प्रदीप अपने माता-पिता के साथ बाइक से जा रहा था। टक्कर के बाद तीनों सड़क पर गिर गए। पुलिस ने दोनों घायलों को सीएचसी अखंडनगर पहुंचाया, जहां से उन्हें आंबेडकर नगर अस्पताल रेफर किया गया। वहां दोनों की मौत हो गई। क्षेत्राधिकारी कादीपुर विनय कुमार ने बताया कि प्रदीप के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। बस चालक वाहन समेत फरार है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और बस की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस घटनास्थल के आसपास उपलब्ध जानकारी के आधार पर चालक की तलाश में जुटी है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अक्टूबर से पूरे प्रदेश में पाइपलाइन के लिए खोदी गई ग्रामीण सड़कों की होगी मरम्मत

पेयजल योजनाओं के साथ अब सड़कें भी होंगी दुरुस्त

एजेंसी, लखनऊ

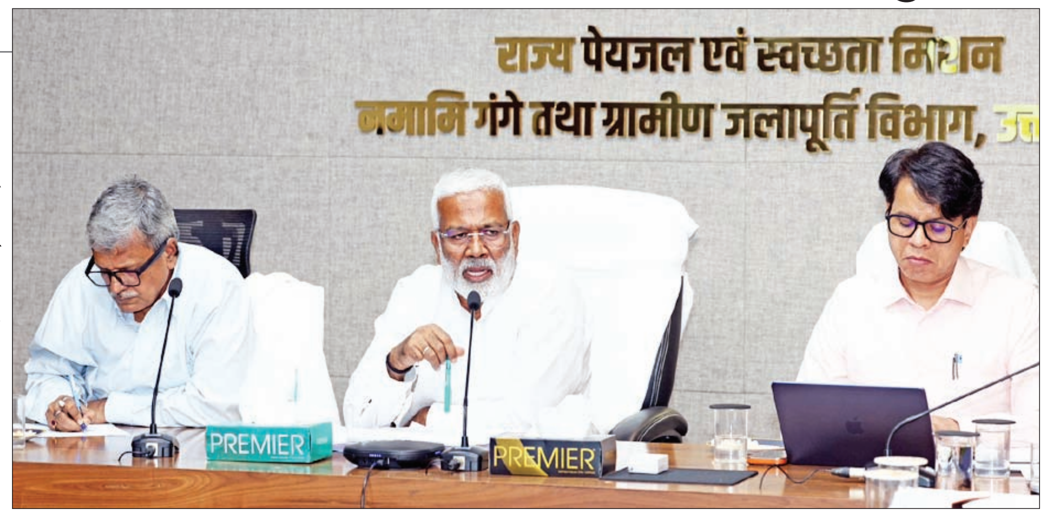

योगी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर पेयजल आपूर्ति के साथ लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा देने पर जोर दे रही है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मानसून के बाद अक्टूबर से पूरे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर सड़क मरम्मत अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को अभियान से जुड़ी सभी तैयारियां समय से पूरी करने को कहा, ताकि पेयजल योजनाओं के लिए खोदी गई सड़कों को जल्द दुरुस्त कर ग्रामीणों को राहत दी जा सके।

जलशक्ति मंत्री ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न पेयजल योजनाओं की मंडलवार समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने के दौरान कई स्थानों पर सड़कें खोदी गई हैं। मानसून के दौरान बारिश के कारण इन मार्गों की स्थिति खराब हुई है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्वतंत्र देव सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अक्टूबर से अभियान चलाकर इन सड़कों को दोबारा भरकर समतल किया जाए और उन्हें आवागमन योग्य बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि पेयजल योजनाओं के काम के साथ सड़क सुविधा को भी बेहतर किया जाना जरूरी है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं का लाभ मिलने के साथ लोगों की आवाजाही भी सुगम हो सकेगी। निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए जलशक्ति मंत्री ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए जरूरत के अनुसार कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाए। कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति पर लगातार नजर रखने और जहां काम की गति धीमी है, वहां आवश्यक कदम उठाने को कहा। मंत्री ने पेयजल योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों की जरूरत के अनुसार समय पर पूरा करने पर विशेष जोर दिया।

जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों को जल प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल योजनाओं के संचालन और जलापूर्ति व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी जरूरी है। अधिकारियों को योजनाओं की स्थिति पर लगातार नजर रखने को कहा गया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में तैयार की जा रही पेयजल योजनाओं का बेहतर संचालन सुनिश्चित हो सके।

प्रयागराज में घरेलू कलह में दूसरी पत्नी की पीटकर हत्या, पति हिरासत में

एजेंसी, प्रयागराज। यमुनापार के मांडा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह घरेलू विवाद ने खूनी रूप ले लिया। भौसरा नरोत्तम गांव के भैरोपुर में एक व्यक्ति ने अपनी दूसरी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित पति को हिरासत में ले लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। महिला के शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बताया गया कि आरोपित की पहली पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी थी। इसके बाद उसने दूसरी शादी की थी। मंगलवार सुबह किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोप है कि पति ने दूसरी पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उसकी गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में इसकी जानकारी फैलते ही लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर मांडा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपित पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही महिला के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घरेलू विवाद की वजह और घटना के दौरान वास्तव में क्या हुआ, इसकी जानकारी आरोपित से पूछताछ के बाद स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। फिलहाल महिला की हत्या के मामले में आरोपित पति पुलिस हिरासत में है। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटाई है। मामले में आरोपित पति से पूछताछ के आधार पर घरेलू विवाद के कारणों और घटना की पूरी परिस्थितियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आशनाई के शक में युवक की हत्या दो सगे भाइयों समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी, बांदा

उत्तर प्रदेश के बांदा में आशनाई के शक और रंजिश में युवक की हत्या कर शव को मोटरसाइकिल समेत बागै नदी में फेंकने के मामले का पुलिस ने दो दिन में खुलासा कर दिया। नरैनी पुलिस ने हत्याकांड में शामिल दो सगे भाइयों समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त धारदार हथियार बांका और मोटरसाइकिल नदी से बरामद की गई है।

क्षेत्राधिकारी नरैनी प्रवीण कुमार के अनुसार नहरी लक्ष्मी बाजार निवासी जिलेदार ने 5 सितंबर को पुलिस को सूचना दी थी कि उनके पुत्र बरकत की हत्या कर शव नदी में फेंक दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया। जांच के दौरान पुलिस ने शंकर बाजार अंश पुकारी निवासी चुनवदा उर्फ रमेश और उसके भाई रामबाबू, दोनों पुत्र पुन्ना, तथा उनके साथी अरुण पुत्र किशोरी लाल निवासी पुकारी को गिरफ्तार किया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि बरकत का आरोपियों के परिवार की एक महिला से मोबाइल पर बातचीत को लेकर विवाद था। इसी आशनाई के शक और रंजिश में आरोपियों ने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। करीब दो दिन पहले धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव और मोटरसाइकिल को बागै नदी के पुल से नीचे फेंक दिया गया।

यूपी में बाढ़ का संकट बरकरार, कई जिलों में संपर्क मार्ग टूटे

एजेंसी, लखनऊ

प्रदेश में नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव के बीच बाढ़ का संकट अभी टला नहीं है। पूर्वांचल के कई जिलों में गंगा, सरयू, घाघरा और शारदा खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वहीं वाराणसी और प्रयागराज में नदियों का जलस्तर धीरे-धीरे घटने से कुछ राहत के संकेत मिले हैं। इसके बावजूद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जनजीवन पूरी तरह सामान्य नहीं हो सका है।

कई गांवों में बाढ़ का पानी घुसने से संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बड़ी संख्या में परिवार बाढ़ से प्रभावित हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावित इलाकों में हालात पर नजर रखी जा रही है। नदियों के जलस्तर में लगातार बदलाव के कारण लोगों की मुश्किलें बनी हुई हैं।

बारिश और जलभराव के बीच प्रदेश के अलग-अलग जिलों में दीवार और कच्चे मकान गिरने की घटनाएं भी सामने आई हैं। वहीं नदी और गड्ढों में डूबने से भी लोगों की जान गई है। बाढ़ और बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक नौ लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। इससे प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की चिंता बढ़ गई है। बलिया में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से काफी ऊपर दर्ज किया गया।

यहां खतरे का निशान 57.615 मीटर है, जबकि जलस्तर 59.62 मीटर दर्ज किया गया। यह खतरे के निशान से 2.05 मीटर अधिक है। हालांकि गंगा के जलस्तर में कमी जारी है, जिससे आने वाले समय में स्थिति में सुधार की उम्मीद है। दूसरी ओर वाराणसी और प्रयागराज में भी नदियों का पानी धीरे-धीरे घट रहा है। इससे इन क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति से कुछ राहत मिलने के संकेत हैं। हालांकि आसपास के निचले इलाकों में अभी भी पानी भरा होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

फर्रुखाबाद में बाढ़ से करीब 80 हजार आबादी प्रभावित बताई गई है। बाढ़ के कारण 75 स्कूल भी बंद किए गए हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। कई स्थानों पर रास्तों पर पानी आने के कारण लोगों का सामान्य आवागमन बाधित हुआ है। प्रदेश में नदियों के जलस्तर में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव को देखते हुए बाढ़ प्रभावित जिलों में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

◆ **प्रशासन** ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों को प्रभावित गांवों में राहत और बचाव कार्यों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। जलस्तर में कमी आने के बावजूद निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अब आसान नहीं होगा टेस्ट, चूके तो लेना पड़ेगा प्रशिक्षण

एजेंसी, लखनऊ। राजधानी में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया 14 सितंबर से और सख्त होने जा रही है। नए नियम के तहत दोपहिया वाहन चालकों को महज 90 सेकंड में परीक्षण मार्ग पार करना होगा, जबकि चार पहिया वाहन चालकों के लिए यह समय 3.82 मिनट निर्धारित किया गया है। निर्धारित समय में परीक्षा पूरी नहीं करने वाले आवेदकों को प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा।

स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस के लिए स्वचालित ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र में आठ अंक की आकृति वाला परीक्षण मार्ग तैयार किया गया है। वाहन चलाते समय किसी तरह की चूक होने पर सेंसर बीप के माध्यम से संकेत देगा। इससे वाहन चलाने में आवेदक की दक्षता और सावधानी की जांच की जाएगी।

लखनऊ के उदेत खेड़ा मौंदा में निजी ड्राइविंग प्रशिक्षण एवं परीक्षण केंद्र का उद्घाटन 30 जून को परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने किया था। हालांकि केंद्र का संचालन करीब दो महीने तक शुरू नहीं हो सका। इसका कारण प्रतिदिन केवल 150 आवेदकों की परीक्षा लेने की क्षमता थी। अब केंद्र की क्षमता बढ़ाकर प्रतिदिन 250 से 300 आवेदकों तक कर दी गई है।

बाइक शोरूम में भीषण आग लगने से कई नई गाड़ियां जलकर खाक

एजेंसी, बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में नगर कोतवाली क्षेत्र के कालू कुआं चौकी अंतर्गत तिंदवारी रोड स्थित बाइक शोरूम में सोमवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई। आग लगते ही शोरूम से तेज लपटें और धुएं का घना गुबार उठने लगा। इसे दूर तक देखा गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार कालू कुआं क्षेत्र स्थित मयूर मोटर्स के बाइक शोरूम में अचानक आग भड़क उठी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। इस दौरान शोरूम के अंदर मौजूद कई वाहनों को समय रहते बाहर निकालकर सुरक्षित कर लिया गया।

हालांकि आग की चपेट में आने से शोरूम में खड़ी कई नई बाइक जलकर खाक हो गईं। इसके अलावा शोरूम में रखा अन्य सामान भी आग से नष्ट हो गया। आग से लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। वास्तविक नुकसान का आकलन जांच और सर्वे के बाद ही स्पष्ट होगा। सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर मेविस टॉक ने मंगलवार को बताया कि तिंदवारी रोड स्थित हीरो शोरूम में अज्ञात कारणों से आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल वाहन और पुलिस मौके पर पहुंची तथा आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

ई-केवाईसी नहीं कराई तो सिलिंडर बुकिंग पर संकट, आगरा में 85 हजार उपभोक्ता प्रभावित

◆ **ई-केवाईसी नहीं कराने वालों पर संकट, गैस कंपनियों के फैसले का इंतजार**

एजेंसी, आगरा

घरेलू गैस कनेक्शन की ई-केवाईसी कराने में लापरवाही अब हजारों उपभोक्ताओं पर भारी पड़ सकती है। जिले में 85 हजार उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने निर्धारित समयसीमा तक अपने गैस कनेक्शन की ई-केवाईसी नहीं कराई। ई-केवाईसी के लिए दी गई एक सप्ताह की अतिरिक्त मोहलत सोमवार को समाप्त हो गई। इसके बाद इन उपभोक्ताओं के सामने घरेलू गैस सिलिंडर की बुकिंग को लेकर संकट खड़ा हो गया है।

जिले में कुल 13 लाख 57 हजार घरेलू एलपीजी कनेक्शन हैं। इनमें से 85 हजार उपभोक्ता अंतिम तिथि तक ई-केवाईसी नहीं करा सके। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिना ई-केवाईसी वाले कनेक्शनों पर गैस सिलिंडर की बुकिंग जारी रहेगी या नहीं। गैस कंपनियों की ओर से इस संबंध में अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। उपभोक्ताओं की चिंता इसलिए बढ़ गई है क्योंकि ई-केवाईसी की समयसीमा समाप्त हो चुकी है।

यदि गैस कंपनियां बिना ई-केवाईसी वाले कनेक्शनों की बुकिंग रोकती हैं तो हजारों परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, कंपनियों की ओर से बुकिंग जारी रखने का निर्णय लिया जाता है तो फिलहाल उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है। गैस एजेंसियों और कंपनियों के स्तर पर आगे की व्यवस्था को लेकर निर्णय का इंतजार है। फिलहाल 85 हजार उपभोक्ताओं की निगाहें गैस कंपनियों के अगले फैसले पर टिकी हैं। अगले फैसले तक उपभोक्ताओं को असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

अधिकार | खंडपीठ ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन को मनमाने तरीके से दबाना लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ

शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र का अधिकार, हाई कोर्ट ने एनएसए किया रद

एजेंसी, प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का मूल अधिकार है। यह शासन के लिए 'सेफ्टी वाल्व' की तरह काम करता है और इसे मनमाने ढंग से दबाया नहीं जा सकता। कोर्ट ने नोएडा के औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों के वेतन वृद्धि आंदोलन से जुड़े मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा आकृति चौधरी को राहत देते हुए उस पर लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) रद कर दिया।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने छात्रा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका स्वीकार करते हुए यह टिप्पणी की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पुलिस की ओर से प्रस्तुत घटनाक्रम में बड़ा विरोधाभास पाया। इसके बाद अदालत ने छात्रा के खिलाफ लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की वैधता पर विचार किया और उसे रद करने का आदेश दिया। मामला नोएडा के औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों के वेतन वृद्धि आंदोलन से जुड़ा है।

आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं के संबंध में छात्रा के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की गई थी। इसके खिलाफ बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की गई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस के कथन और उपलब्ध तथ्यों के बीच विरोधाभास को गंभीरता से लिया। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में शांतिपूर्ण विरोध के लोकतांत्रिक महत्व को रेखांकित किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि नागरिकों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग और असहमति व्यक्त करने का अधिकार है। ऐसे विरोध को मनमाने तरीके से दबाया नहीं जा सकता।

अदालत की टिप्पणी ऐसे मामलों में नागरिक अधिकारों और कानून के बीच संतुलन के महत्व को भी सामने लाती है। कोर्ट ने छात्रा की याचिका स्वीकार करते हुए उसके खिलाफ लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून रद कर दिया। इस फैसले से आकृति चौधरी को राहत मिली है। अदालत ने पुलिस की कहानी में पाए गए विरोधाभास को भी अपने निर्णय में महत्वपूर्ण आधार माना। अदालत ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति की आवाज को उचित कानूनी प्रक्रिया के बिना दबाना नागरिक स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

शांतिपूर्ण विरोध पर हाई कोर्ट सख्त

अदालत ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति की आवाज को दबाने के लिए कठोर कानूनों का इस्तेमाल सावधानी से किया जाना चाहिए। नागरिकों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार संविधान से मिला है। हालांकि, विरोध के दौरान कानून-व्यवस्था प्रभावित होने या हिंसा की स्थिति में कानून के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के लिए लगाए गए आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों के बीच स्पष्ट संबंध होना जरूरी है। मामले में पुलिस के कथनों में विरोधाभास पाए जाने के कारण छात्रा को राहत दी गई।

लखनऊ में लोक अदालत का गांव-गांव पहुंचेगा संदेश, पीआरवी वाहनों से होगा प्रचार

एजेंसी, लखनऊ

◆ **दूरदराज के क्षेत्रों में पीआरवी वाहन बताएंगे राष्ट्रीय लोक अदालत के फायदे और प्रक्रिया**

राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के सुलह-समझौते से निस्तारण के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और लखनऊ पुलिस ने अनूठी पहल की है। 12 सितंबर को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी अब शहर के साथ गांव और दूरदराज के इलाकों तक पहुंचाई जाएगी। इसके लिए डायल-112 के पीआरवी वाहनों को प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पीआरवी वाहन गांव-गांव और ऐसे इलाकों में जाएंगे, जहां आम लोगों तक लोक अदालत की जानकारी आसानी से नहीं पहुंच पाती। पुलिसकर्मी लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्देश्य और इसमें मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देंगे। इसके साथ ही लोगों को सुलह-समझौते के माध्यम से विवादों का सरल और शीघ्र समाधान कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और लखनऊ पुलिस की इस संयुक्त पहल का उद्देश्य लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण सुनिश्चित करना है।

अधिकारियों का मानना है कि ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते जानकारी मिलने से वे अपने लंबित मामलों को लोक अदालत के माध्यम से निपटाने का लाभ उठा सकेंगे। राष्ट्रीय लोक अदालत में ऐसे मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाता है, जिनमें कानूनी रूप से समझौते की संभावना होती है। इससे पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सकती है और मामलों का अपेक्षाकृत सरल तरीके से समाधान हो सकता है।

रेवाड़ी में भाजपा नेता के भतीजे की हत्या दोस्त ने सिर पर रॉड से किए 4 वार

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी

हरियाणा के रेवाड़ी में भाजपा नेता के भतीजे जितेंद्र यादव (40) की हत्या का मामला सामने आया है। वारदात भाड़ावास रोड पर हुई, जहां सुनसान सड़क पर एक युवक पर रॉड से हमला किया गया। पूरी घटना सड़क किनारे लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में दिखाई दे रहा है कि जितेंद्र ब्लैक थार से उतरकर सड़क किनारे टॉयलेट करने लगा। इसी दौरान उसके साथ मौजूद एक युवक अचानक उस पर हमला कर देता है। आरोपी दोनों हाथों से रॉड पकड़कर जितेंद्र के सिर पर लगातार चार वार करता नजर आ रहा है।

हमले के बाद जितेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान जितेंद्र यादव के रूप में हुई है। उसके चाचा उत्तम सिंह भाजपा के मंडल अध्यक्ष रह चुके हैं। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। जितेंद्र की हत्या का आरोप उसके बचपन के दोस्त प्रवीन ठेकेदार और उसके दो साथियों पर लगाया गया है। बताया जा रहा है कि जितेंद्र आरोपियों के साथ ही था, लेकिन कुछ ही देर बाद उस पर हमला कर दिया गया। दोस्तों के बीच ऐसा क्या विवाद हुआ, जिसके बाद हत्या जैसी वारदात को अंजाम दिया गया, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

सूचना मिलने पर मॉडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर प्रवीन ठेकेदार को नामजद करते हुए दो अन्य आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस टीमों को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है।

करनाल में चोरों का आतंक, जनरल स्टोर से 7 लाख नकद और नोटों के हार चोरी

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। जिले के निसिंग में मेन रोड स्थित कपूर जनरल स्टोर में मंगलवार सुबह चोरों ने शटर तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान के अंदर रखे करीब सात लाख रुपये नकद और नोटों के हार चोरी कर फरार हो गए। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। फुटेज में तीन युवक दुकान के अंदर रखे नोटों के बंडल समेटते हुए दिखाई दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार, चोर सुबह के समय दुकान पर पहुंचे और शटर तोड़कर अंदर दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने दुकान में रखी नकदी और अन्य सामान को खंगाला। चोरों ने करीब सात लाख रुपये की नकदी के साथ नोटों के हार भी अपने कब्जे में ले लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। दुकान में चोरी का पता चलने के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। साथ ही दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में तीन युवक चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस अब फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

मेन रोड पर स्थित दुकान में हुई इस बड़ी चोरी से आसपास के दुकानदारों में भी चिंता का माहौल है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे अन्य प्रतिष्ठानों और दुकानों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा सकती है, ताकि आरोपियों के आने-जाने के रास्ते और उनकी पहचान से जुड़ी जानकारी मिल सके। फिलहाल पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई है और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहे तीनों युवकों की पहचान के लिए उनके हुलिए और गतिविधियों का बारीकी से मिलान कर रही है। जांच में यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी वारदात से पहले दुकान के आसपास रेकी करने पहुंचे थे या नहीं। पुलिस आसपास के मार्गों पर लगे कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है, जिससे आरोपियों के आने और जाने की दिशा का पता चल सके।

पलवल में एसवीएसयू की फिजियोथेरेपी ओपीडी शुरू, सिर्फ 20 रुपए में मिलेगा उपचार

चोट, जोड़ों और मांसपेशियों की समस्या वाले मरीजों को अब मिलेगी सस्ती फिजियोथेरेपी सुविधा

भारतेन्दु संवाददाता, पलवल

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए फिजियोथेरेपी विभाग में ओपीडी सेवाएं शुरू की हैं। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने मंगलवार को फिजियोथेरेपी ओपीडी का उद्घाटन किया।

उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और अन्य लोगों को भी इस सुविधा का लाभ देने की घोषणा की। ओपीडी में परामर्श शुल्क मात्र 20 रुपये रखा गया है। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के पास फिजियोथेरेपी के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्व को निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ओपीडी शुरू होने से लोगों को फिजियोथेरेपी के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उन्हें कम खर्च में सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि फिजियोथेरेपी स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। उन्होंने बताया कि चोट, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ों की समस्या, कमर दर्द, गर्दन दर्द और शारीरिक कमजोरी जैसी कई समस्याओं में फिजियोथेरेपी उपयोगी साबित होती है।

ओपीडी के माध्यम से ऐसे लोगों को विशेषज्ञ परामर्श और आवश्यक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। ओपीडी के उद्घाटन अवसर पर कुलगुरु ने डीन, एसएफएमएएचएस प्रोफेसर सुनील कुमार गर्ग सहित फिजियोथेरेपी विभाग के शिक्षकों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने विभाग की सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय की पहल को महत्वपूर्ण बताया।

कुलसचिव सुमन वशिष्ठ ने भी फिजियोथेरेपी प्रयोगशाला का अवलोकन किया। उन्होंने विभाग के शिक्षकों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के संसाधनों का आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी पूरा लाभ मिलना चाहिए। इससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर विक्रम सिंह ने कहा कि फिजियोथेरेपी विभाग शुरू होने से विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में शिक्षा और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

बहादुरगढ़ में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप और कैंटर की टक्कर, दो लोगों की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा के झज्जर जिले में कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार अल सुबह श्रद्धालुओं से भरी पिकअप गाड़ी और कैंटर की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा बहादुरगढ़ के गांव मांडोठी के पास हुआ। दुर्घटना में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी से श्रद्धालु पिकअप गाड़ी में सवार होकर राजस्थान के गोगामेड़ी धाम दर्शन करने गए थे। दर्शन करने के बाद सभी श्रद्धालु वापस चंदौसी लौट रहे थे। इसी दौरान मांडोठी गांव के पास केएमपी एक्सप्रेस-वे पर उनकी पिकअप गाड़ी को पीछे से आ रहे कैंटर ने जोरदार टक्कर मार दी। घायलों ने बताया कि पिकअप गाड़ी धीमी गति से चल रही थी। इसी दौरान पीछे से आए कैंटर ने टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप में सवार कई लोग घायल हो गए और कुछ लोग वाहन के अंदर फंस गए। हादसे के बाद कैंटर चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर राहगीरों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पिकअप में फंसे लोगों को बाहर निकालकर उपचार के लिए बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया।

हरियाणा में वेपन ट्रेनिंग के नियम बदले मंजूरी के बिना अब नहीं मिलेगा स्लॉट

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा सरकार ने आर्म्स लाइसेंस की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। गृह विभाग ने स्पष्ट किया है कि अब हथियार प्रशिक्षण के लिए ट्रेनिंग स्लॉट उन्हीं आवेदकों को दिया जाएगा, जिनके आर्म्स लाइसेंस आवेदन को पहले 'इन-प्रिंसिपल अप्रूवल' मिल चुका होगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य प्रशिक्षण स्लॉट की मांग को व्यवस्थित करने के साथ सरकारी संसाधनों के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करना है।

गृह विभाग की ओर से इस संबंध में दो अलग-अलग आदेश जारी किए गए हैं। विभाग ने कहा है कि वेपन ट्रेनिंग सर्टिफिकेट यानी फॉर्म एस-1 के लिए बिना सैद्धांतिक मंजूरी वाले आवेदकों को ट्रेनिंग स्लॉट आवंटित नहीं किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि प्रशिक्षण की सुविधा उन आवेदकों को ही मिले, जिनके लाइसेंस आवेदन पर संबंधित स्तर पर प्रारंभिक मंजूरी दी जा चुकी है।

विभाग के अनुसार वेपन ट्रेनिंग स्लॉट की मांग काफी अधिक है। ऐसे में बड़ी संख्या में ऐसे आवेदकों को प्रशिक्षण देने से संसाधनों पर अनावश्यक दबाव पड़ सकता है, जिनके लाइसेंस आवेदन को अभी सैद्धांतिक मंजूरी नहीं मिली है। नई व्यवस्था के तहत पहले आवेदन की प्रक्रिया में 'इन-प्रिंसिपल अप्रूवल' हासिल करना होगा और इसके बाद ही प्रशिक्षण स्लॉट के लिए पात्रता बनेगी।

इस व्यवस्था को ऑनलाइन प्रणाली में लागू करने के लिए एनआईसी हरियाणा को भी आवश्यक तकनीकी बदलाव करने के निर्देश दिए गए हैं। गृह विभाग ने 30 जुलाई 2026 को जारी पत्र में पोर्टल में जरूरी संशोधन करने को कहा था। इससे आवेदन और प्रशिक्षण स्लॉट आवंटन की प्रक्रिया को ऑनलाइन स्तर पर भी व्यवस्थित किया जा सकेगा।

ई-लाइब्रेरी के शिलापट्ट पर छिड़ा विवाद, 9 घायल; शांति के लिए पुलिस तैनात

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। खेदड़ गांव में नव-निर्मित ई-लाइब्रेरी की उद्घाटन पट्टिका को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पंचायत तक पहुंच गया है। मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे दोनों पक्षों को बुलाकर पंचायत की जाएगी। विवाद के दौरान हुई हिंसक झड़प में अब तक नौ लोग घायल हो चुके हैं। बरवाला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिला प्रशासन ने गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 24 पुलिसकर्मी तैनात किए हैं। जिलाधीश महेंद्र पाल ने गांव में धारा 163 लागू की है। पट्टिका विवाद को लेकर अब तक तीन अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज हो चुकी हैं। जिला परिषद चेयरमैन सोनू सिहाग डाटा ने 3 सितंबर को ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन किया था। इसका निर्माण ग्राम पंचायत की करीब 350 से 400 गज भूमि पर हुआ है।

गुरुग्राम में बेकाबू कार का कहर, घर के बाहर खेल रही दो साल की बच्ची की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

सेक्टर-5 में रात तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दो साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। हादसा रात करीब नौ बजे हुआ। बच्ची घर के बाहर गली में खेल रही थी। इसी दौरान तेज गति से आई कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और परिवार में मातम छा गया।

मृत बच्ची की पहचान अधी तिवारी के रूप में हुई है। उसके पिता वीरेंद्र तिवारी एक आईटी कंपनी में इंजीनियर हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बच्ची घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। अचानक तेज रफ्तार कार गली में आई और बच्ची को अपनी चपेट में ले लिया। बच्ची को कार की टक्कर लगते ही आसपास के लोग और स्वजन मौके पर पहुंच गए। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। हादसे की परिस्थितियों और वाहन की गति समेत अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश कर रही है और हादसे के कारणों की जांच जारी है।

हरियाणा में 50 साल पुराने रेलवे क्वार्टर होंगे ध्वस्त, बनेंगे आधुनिक बहुमंजिला आवास

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

रेलवे की पुरानी और जर्जर कालोनियों में रहने वाले कर्मचारियों के लिए राहत की खबर है। रेलवे बोर्ड ने 50 साल से अधिक पुराने और असुरक्षित घोषित किए जा चुके रेलवे क्वार्टरों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर उनकी जगह आधुनिक बहुमंजिला आवास बनाने की योजना तैयार की है। इस योजना के तहत कर्मचारियों को बेहतर और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा।

रेलवे बोर्ड की योजना के अनुसार अब एकल मंजिल या कम ऊंचाई वाली पुरानी कालोनियों के स्थान पर जमीन का बेहतर उपयोग करते हुए जी-4 या उससे अधिक मंजिल के भवन बनाए जा सकेंगे। इससे सीमित भूमि में अधिक कर्मचारियों के लिए आवास उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। नए भवनों में कर्मचारियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। नए बहुमंजिला आवासों में लिफ्ट, सौर ऊर्जा, पार्किंग सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इससे रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों को पुराने एवं जर्जर भवनों से राहत मिलेगी।

लंबे समय से रखरखाव की समस्या से जूझ रही कालोनियों के पुनर्निर्माण से आवासीय परिसर का स्वरूप भी बदलने की उम्मीद है। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे, उत्पादन इकाइयों और केंद्रीय संगठनों को असुरक्षित रेलवे कालोनियों की प्राथमिकता सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। संबंधित इकाइयों को ऐसी कालोनियों की पहचान कर उनके पुनर्निर्माण के लिए कार्ययोजना तैयार करके भेजनी होगी। इसके आधार पर चरणबद्ध तरीके से पुराने क्वार्टरों को हटाने और नए भवनों के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

रेलवे के इस कदम का उद्देश्य असुरक्षित भवनों में रह रहे कर्मचारियों को सुरक्षित आवास देना और रेलवे की जमीन का बेहतर उपयोग करना है। योजना के लागू होने के बाद पुरानी कालोनियों की जगह आधुनिक बहुमंजिला आवासीय परिसर विकसित किए जा सकेंगे। इससे कर्मचारियों को सुरक्षित वातावरण के साथ बेहतर आवासीय सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। साथ ही रेलवे कर्मचारियों के लिए बेहतर आवासीय सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

रेवाड़ी में पानी के लिए सड़क पर उतरे लोग, नारनौल रोड पर लगाया जाम

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी

पेयजल संकट से परेशान कॉलोनीवासियों का गुस्सा मंगलवार सुबह फूट पड़ा। पानी की समस्या को लेकर बड़ी संख्या में लोगों ने नारनौल रोड पर जाम लगा दिया। जाम के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने के बाद रामपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन कॉलोनीवासी अपनी मांग पर अड़े रहे।

प्रदर्शन कर रहे लोगों, खासकर महिलाओं, का कहना था कि कॉलोनी में पेयजल की समस्या लगातार बनी हुई है। पर्याप्त पानी नहीं मिलने के कारण उन्हें रोजमर्रा के कामों में परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार संबंधित विभाग को समस्या से अवगत कराने के बावजूद समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई। कॉलोनीवासियों ने स्पष्ट किया कि जब तक विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचकर उनकी समस्या नहीं सुनते, तब तक वे सड़क से नहीं हटेंगे। महिलाओं ने अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग को लेकर पुलिस की समझाइश भी नहीं मानी। इसके बाद पुलिस ने प्रशासनिक अधिकारियों और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मामले की सूचना दी।

जाम की सूचना मिलने के बाद अधिकारियों के मौके पर पहुंचने की प्रक्रिया शुरू हुई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और अधिकारियों के बीच बातचीत की कोशिश की गई। लोगों ने अधिकारियों के सामने पेयजल संकट का स्थायी समाधान कराने की मांग रखी। जाम के चलते नारनौल रोड पर काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिसकर्मी यातायात को सुचारु कराने में जुटे रहे। अधिकारियों की ओर से समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिए जाने के बाद ही जाम खुलने की स्थिति बनी।

हांसी में जीजा-सालों के बीच विवाद ने लिया हिंसक रूप, गेट पर चली गोलियां

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी। हरियाणा के हांसी में मंगलवार को पारिवारिक विवाद के दौरान एक जीजा ने अपने दो सालों पर फायरिंग कर दी। दोनों भाई अपनी बहन से मारपीट की सूचना मिलने के बाद उसकी ससुराल पहुंचे थे। जैसे ही वे घर के गेट पर पहुंचे, जीजा उन्हें देखकर भड़क गया और कथित तौर पर मारने के लिए दौड़ा। इसके बाद उसने दोनों पर गोली चला दी। घटना हांसी के मॉडल टाउन क्षेत्र की बताई जा रही है। फायरिंग की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। घटना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और विवाद के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, दोनों भाई अपनी बहन के साथ हुई मारपीट की सूचना मिलने के बाद उसकी ससुराल पहुंचे थे। उनका उद्देश्य बहन के साथ हुई घटना के बारे में जानकारी लेना था। हालांकि, गेट पर पहुंचते ही स्थिति बिगड़ गई। जीजा दोनों भाइयों को देखते ही गुस्से में आ गया और उनके साथ विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला फायरिंग तक पहुंच गया। फायरिंग के दौरान दोनों भाइयों को गोली लगी या नहीं, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि विवाद की शुरुआत किस बात को लेकर हुई और फायरिंग में किस हथियार का इस्तेमाल किया गया। मॉडल टाउन में हुई इस घटना के बाद पुलिस की कार्रवाई जारी है।

न्यूज ब्रीफ

कैथल में सड़क पार करते किशोर को कार ने मारी टक्कर, मौके पर मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। शहर के ढांड रोड पर मंगलवार को सड़क हादसे में करीब 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। वह अपने दोस्तों के साथ सेक्टर-19 मार्केट में आइसक्रीम खाने के लिए जा रहा था। ढांड रोड पर पहुंचने के बाद जब वह सड़क पार करने लगा, तभी एक कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम छा गया। बताया जा रहा है कि किशोर अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। पुलिस कार चालक के संबंध में जानकारी जुटा रही है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

कनिका मान की बिग बॉस 20 में धांसू एंट्री, सलमान बोले- अब असली रंग दिखेगा

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। हरियाणा के पानीपत की अभिनेत्री कनिका मान ने रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के घर में धमाकेदार एंट्री की। ग्रैंड प्रीमियर में सलमान खान ने उनका स्वागत किया। कनिका ने 'शरारत' गाने पर शानदार प्रस्तुति देकर शो की पहली प्रतियोगी के रूप में प्रवेश किया। प्रस्तुति के बाद सलमान खान ने कनिका की जमकर तारीफ की और उन्हें हरियाणा की छोरी कहकर दर्शकों से परिचित कराया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब बिग बॉस के घर में कनिका का असली 'ड्रैगन मोड' देखने को मिलेगा। सलमान ने यह भी बताया कि उनकी मां कनिका की बड़ी प्रशंसक हैं। कनिका ने अपने बिग बॉस प्रवेश से जुड़े कई दृश्य अपने सामाजिक माध्यम खातों पर साझा किए हैं। इनमें सलमान खान के साथ उनके मंच पर नजर आने वाले दृश्य भी शामिल हैं। इन तस्वीरों और वीडियो को लेकर उनके प्रशंसकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

दो साल के मासूम को कुचलने का मामला, दोषी ट्रक चालक को हाई कोर्ट से झटका

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। करीब 25 साल पुराने मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने दो साल के मासूम को ट्रक से कुचलकर मौत के घाट उतारने वाले चालक की छह महीने की सजा बरकरार रखी है। ईंट भट्ठे के पास हुई इस घटना में चालक को दोषी ठहराया गया था। हाई कोर्ट ने दोषसिद्धि और छह महीने के कठोर कारावास के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मुकदमे में लंबा समय बीत जाना मात्र सजा कम करने का आधार नहीं हो सकता। अदालत ने चालक को राहत देने से इनकार करते हुए निचली अदालत के फैसले को कायम रखा। अदालत ने कहा कि सजा का उद्देश्य केवल आरोपी को दंडित करना नहीं, बल्कि लापरवाही से वाहन चलाने के मामलों में जिम्मेदारी का संदेश देना भी है। लंबे समय तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बावजूद दोषी चालक को सजा से राहत नहीं दी जा सकती। मामले में हाई कोर्ट का फैसला लागू रहेगा।

हरभजन हत्याकांड के बाद गैंग की धमकी से हड़कंप, दिलबाग सिंह के करीबियों पर निशाना

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

कारोबारी एवं ट्रांसपोर्टर हरभजन सिंह हत्याकांड के बाद यमुनानगर में सोशल मीडिया पर एक धमकी भरा वीडियो वायरल होने से सनसनी फैल गई है। करीब तीन मिनट के इस वीडियो में काला राणा गिरोह से जुड़े शुभम पंडित के नाम से पूर्व विधायक दिलबाग सिंह का साथ देने वालों को धमकी दी गई है। वीडियो में आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया गया है।

वायरल वीडियो में कथित तौर पर कहा गया है कि जो भी पूर्व विधायक दिलबाग सिंह का साथ देगा, उसका भी वही अंजाम होगा। इसमें आगे गोली मारने की धमकी दी गई है और 50 गोलियां मारने की बात कही गई है। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। हरभजन सिंह की हत्या के बाद से ही मामले को लेकर इलाके में तनाव और चर्चाएं बनी हुई हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर धमकी भरा वीडियो सामने आने से पुलिस के सामने एक और चुनौती खड़ी हो गई है।

वीडियो में पूर्व विधायक दिलबाग सिंह के करीबियों और उनका समर्थन करने वालों को निशाना बनाए जाने की बात कही गई है। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में शुभम पंडित का नाम लिया गया है और इसे काला राणा गिरोह से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, वीडियो वास्तव में किसने जारी किया और इसमें दिखाई या सुनाई दे रही धमकी के पीछे कौन लोग हैं, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। वायरल वीडियो को लेकर पुलिस की ओर से जांच की जा सकती है।

पुलिस वीडियो के स्रोत, इसे प्रसारित करने वाले खातों और इसमें किए गए दावों की पड़ताल करेगी। साथ ही यह भी पता लगाया जा सकता है कि वीडियो कब और कहां से जारी किया गया। फिलहाल पुलिस ने वीडियो की पुष्टि नहीं की है। ऐसे में वायरल वीडियो में किए गए दावों को लेकर आधिकारिक जांच का इंतजार है। दैनिक जागरण भी वायरल वीडियो और उसमें किए गए दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है।

बजट मंजूर होने के बाद सड़क निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की संभावना

बस अड्डे की टूटी सड़क बनेगी चकाचक, सरकार ने मंजूर किए 1.24 करोड़

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

◆ **बारिश में बदहाल होने वाली सड़क अब जल्द होगी दुरुस्त**

लंबे समय से बदहाल पड़ी हिसार बस अड्डे के भीतर की सड़क की हालत अब जल्द सुधरने की उम्मीद है। प्रदेश सरकार ने बस अड्डे की जर्जर सड़क के नवीनीकरण के लिए एक करोड़ 24 लाख 34 हजार रुपये का बजट स्वीकृत किया है। बजट मंजूर होने के बाद अब सड़क के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। सड़क के दोबारा बनने से बस अड्डे में आने-जाने वाले हजारों यात्रियों और रोडवेज बसों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

बस अड्डे के अंदर सड़क लंबे समय से गड्ढों और टूटे हिस्सों की समस्या से जूझ रही थी। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। बस चालकों के लिए भी खराब सड़क पर वाहनों को निकालना मुश्किल होता था। बारिश के दौरान स्थिति और खराब हो जाती थी। गड्ढों में पानी भरने से सड़क की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता था और वाहन चालकों को सावधानी से गुजरना पड़ता था। बस अड्डे के लोकल बस स्टैंड से जीएम कार्यालय की ओर जाने वाला मार्ग परिसर के प्रमुख और व्यस्त रास्तों में शामिल है। इस मार्ग से बड़ी संख्या में रोडवेज बसों की आवाजाही होती है। यात्रियों के आवागमन के साथ बसों की लगातार आवाजाही के कारण सड़क पर वाहनों का दबाव भी रहता है।

ऐसे में लंबे समय से सड़क की खराब हालत परेशानी का कारण बनी हुई थी। इसी मार्ग पर पेट्रोल पंप भी स्थित है। रोडवेज बसों के अलावा अन्य वाहन भी ईंधन भरवाने के लिए यहां पहुंचते हैं। इससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही और बढ़ जाती है। सड़क के नवीनीकरण के बाद इस पूरे मार्ग पर आवागमन अधिक सुगम होने की उम्मीद है। सरकार से बजट स्वीकृत होने के बाद अब संबंधित विभाग की ओर से निर्माण कार्य की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सड़क का नवीनीकरण पूरा होने के बाद बस अड्डे के भीतर यात्रियों और बस चालकों को गड्ढों से राहत मिलेगी। इससे बसों की आवाजाही भी बेहतर तरीके से हो सकेगी। बस अड्डा शहर के प्रमुख सार्वजनिक परिवहन केंद्रों में शामिल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री पहुंचते हैं। ऐसे में परिसर की सड़क का बेहतर होना यात्रियों की सुविधा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लंबे समय से सड़क की खराब हालत के कारण हो रही परेशानी के बाद अब बजट मंजूर होने से लोगों को जल्द समाधान की उम्मीद जगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क के नवीनीकरण से बस अड्डे की व्यवस्था में भी सुधार आएगा। यात्रियों को बसों तक पहुंचने और परिसर में आवागमन के दौरान होने वाली दिक्कतों से राहत मिलेगी। वहीं, रोडवेज बसों के बार-बार गड्ढों से गुजरने के कारण वाहनों पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव भी कम होगा। बजट स्वीकृत होने के बाद लोगों को उम्मीद है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाएगा और सड़क लंबे समय तक बेहतर स्थिति में बनी रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

फरीदाबाद में न्यूज चैनल के हरियाणा हेड पर हमला

एजेंसी, नई दिल्ली। फरीदाबाद के सेक्टर-87 स्थित वशिष्ठ हाइट्स सोसाइटी में पार्किंग विवाद को लेकर एक न्यूज चैनल के हरियाणा हेड संजय पर हमला कर दिया गया। आरोप है कि विवाद के दौरान हमलावरों ने उनके साथ मारपीट की, जिससे उनका सिर फूट गया और हाथ की हड्डी टूट गई। घटना के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत खेड़ीपुल थाना पुलिस से की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों समेत अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि विवाद सोसाइटी में पार्किंग को लेकर शुरू हुआ था। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और आरोपियों ने संजय पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ईपीई हादसे में 13 मौतें, रामेश्वर के आखिरी शब्दों ने झकझोरा

एजेंसी, नई दिल्ली। ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। हादसे में बागड़धाम से लौट रहे 60 वर्षीय रामेश्वर यादव की भी मौके पर ही मौत हो गई रामेश्वर यादव अपने बेटे यादराम यादव, पुत्रवधू खुशी, पोते श्रीनिवास और पोती छाया के साथ बागड़धाम गए थे। हादसे के बाद रामेश्वर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बेटे यादराम के मुताबिक, पिता के मुंह से आखिरी शब्द निकले, **'मुझे बचा लो, कोई गाड़ी में ले चलो, किराया दे दूंगा।'** यादराम ने बताया कि उस समय घटनास्थल पर दूर-दूर तक कोई मददगार नजर नहीं आ रहा था। हादसे के बाद चारों ओर चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल था। लोग इतने बदहवास थे कि उन्हें अपने ही परिजनों को ढूंढने में परेशानी हो रही थी। इस दर्दनाक हादसे ने कई परिवारों को गहरा सदमा दिया है। रामेश्वर यादव के अंतिम शब्द परिवार के लोगों को हमेशा याद रहेंगे।

आगरा दीवानी परिसर में अचानक बिगड़ी तबीयत, गई जान

एजेंसी, नई दिल्ली। आगरा दीवानी परिसर में मंगलवार को पेशी पर आए हिस्ट्रीशीटर जिम्मी चौधरी की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक सिकंदरा थाना क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी सेक्टर-15 का निवासी था और सिकंदरा थाने का हिस्ट्रीशीटर बताया गया है। उसके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। जानकारी के अनुसार, जिम्मी चौधरी एनडीपीएस के एक मामले में जेल से पेशी के लिए दीवानी परिसर लाया गया था। पेशी से पहले वह हवालात में था। इसी दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल उसे संभालने का प्रयास किया, लेकिन उसकी हालत गंभीर हो गई और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शुरुआती तौर पर हार्ट अटैक की आशंका जताई है। हालांकि मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। मामले की जांच की जा रही है।

आरएसएस मुख्यालय के बाहर नारेबाजी प्रदर्शन करते उदित राज को पुलिस ने पकड़ा

केशव कुंज के बाहर कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस ने उदित राज को हिरासत में लिया

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के सत्य निकेतन क्षेत्र में बहुमंजिला इमारत गिरने की घटना ने राजधानी में निर्माण की गुणवत्ता, इमारतों की मजबूती और प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे के बाद विशेषज्ञों और आम नागरिकों के बीच दिल्ली-एनसीआर की इमारतों की संरचनात्मक सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। सत्य निकेतन की घटना को केवल एक स्थानीय हादसा मानना पर्याप्त नहीं होगा।

यह राजधानी में पुरानी और कमजोर इमारतों की स्थिति की जांच तथा निर्माण मानकों के पालन को लेकर एक बड़ी चेतावनी के रूप में देखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भविष्य में दिल्ली या आसपास के क्षेत्रों में तेज भूकंप आता है, तो कमजोर संरचनाओं के कारण बड़े स्तर पर नुकसान हो सकता है।

भूगर्भीय वर्गीकरण के अनुसार दिल्ली को भूकंपीय क्षेत्र-4 में रखा गया है। यह क्षेत्र अपेक्षाकृत अधिक भूकंपीय जोखिम वाला माना जाता है। इसका अर्थ है कि दिल्ली-एनसीआर में रहने वाली आबादी और यहां मौजूद इमारतों को तेज भूकंपीय झटकों का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की इमारतों की सुरक्षा और उनकी भूकंपरोधी क्षमता को लेकर किए गए विभिन्न अध्ययनों में भी चिंता जताई गई है। उपलब्ध आकलनों के अनुसार, यदि दिल्ली में उच्च तीव्रता का बड़ा भूकंप आता है, तो क्षेत्र की करीब 38

प्रतिशत इमारतों को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है।

इनमें कई इमारतें पूरी तरह ढह सकती हैं, जबकि बड़ी संख्या में अन्य संरचनाएं रहने के योग्य नहीं रह जाएंगी। ऐसे में सत्य निकेतन हादसे ने निर्माण नियमों के पालन और इमारतों की नियमित सुरक्षा जांच की आवश्यकता को फिर सामने ला दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, केवल नई इमारतों का निर्माण ही नहीं, बल्कि पुरानी और कमजोर संरचनाओं का समय-समय पर निरीक्षण भी जरूरी है।

भवनों में दरार, कमजोर नींव, अतिरिक्त निर्माण और निर्धारित मानकों के उल्लंघन जैसी समस्याओं की पहचान समय रहते की जानी चाहिए।

सीजेपी विरोध-प्रदर्शन में शामिल छात्र पर पांच लाख रुपये का जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा में गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के एक छात्र पर विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के मामले में पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाए जाने का मामला सामने आया है। एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की ओर से छात्र अक्षत त्रिपाठी को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में उस पर शांति भंग करने का आरोप लगाया गया है। जानकारी के अनुसार, अक्षत त्रिपाठी सीजेपी के विरोध में आयोजित प्रदर्शन में शामिल हुआ था। प्रदर्शन में भाग लेने के बाद प्रशासन की ओर से छात्र को नोटिस भेजा गया।

इसमें आरोप लगाया गया कि उसके कृत्य से क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। इसी आधार पर उसके खिलाफ कार्रवाई की गई है। नोटिस में छात्र से संबंधित मामले में स्पष्टीकरण मांगा गया है और उस पर पांच लाख रुपये की राशि का जुर्माना लगाया गया है। इतनी बड़ी रकम लगाए जाने के बाद यह मामला चर्चा में आ गया है। विश्वविद्यालय से जुड़े छात्रों और अन्य लोगों के बीच भी इस कार्रवाई को लेकर सवाल उठने लगे हैं। छात्र के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर यह भी सवाल उठ रहा है कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन में भाग लेने पर शांति भंग का आरोप किस आधार पर लगाया गया।

वहीं, प्रशासन का पक्ष यह है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी जिम्मेदारी है और किसी भी ऐसी गतिविधि पर कार्रवाई की जा सकती है, जिससे शांति भंग होने की आशंका हो। अक्षत त्रिपाठी को जारी नोटिस के बाद मामले में आगे की प्रक्रिया क्या होगी, यह उसके जवाब और प्रशासन की कार्रवाई पर निर्भर करेगा। छात्र को अपने पक्ष में स्पष्टीकरण देने का अवसर दिया गया है।

प्रयागराज में विदेश भेजने के नाम पर 90 लोगों से 78 लाख की ठगी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज में विदेश भेजने के नाम पर बड़े फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। आरोप है कि सात लोगों ने विदेश में नौकरी दिलाने और भेजने के नाम पर करीब 90 लोगों से कुल 78 लाख रुपये ठग लिए। मामले में चार लोग फर्जी वीजा के कारण सऊदी अरब में फंस गए हैं। धोखाधड़ी का खुलासा होने के बाद पीड़ितों ने आरोपियों से अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन उन्हें कथित तौर पर धमकी दी गई। पीड़ितों के अनुसार, आरोपियों ने विदेश भेजने और वहां नौकरी दिलाने का भरोसा देकर अलग-अलग लोगों से रकम ली थी। लोगों को बेहतर रोजगार और अच्छी कमाई का सपना दिखाया गया।

विश्वास में आकर कई लोगों ने आरोपियों को लाखों रुपये दे दिए। इसके बाद उन्हें विदेश जाने के लिए जरूरी दस्तावेज और वीजा उपलब्ध कराने की बात कही गई। कुछ लोगों को विदेश भेज भी दिया गया, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उन्हें पता चला कि उनके वीजा में गड़बड़ी है। आरोप है कि चार लोग फर्जी वीजा के कारण सऊदी अरब में फंस गए और उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस घटना के बाद अन्य पीड़ितों को भी अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला।

मामले में एक पीड़ित ने आरोपियों से अपनी रकम वापस मांगी तो उसे धमकाया गया। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नमो भारत की रफ्तार तेज बेगमपुल स्टेशन के बाहर गड्ढों की भरमार

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ में नमो भारत ट्रेन यात्रियों को दिल्ली से मेरठ तक तेज और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव करा रही है। देश की पहली क्षेत्रीय रैपिड रेल 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाती है। हालांकि, बेगमपुल स्टेशन से बाहर निकलते ही यात्रियों की परेशानी शुरू हो जाती है। स्टेशन के बाहर सड़क की हालत खराब है और जगह-जगह चौड़े व गहरे गड्ढे बने हुए हैं। नमो भारत से कुछ ही समय में सफर पूरा करने वाले यात्रियों को स्टेशन के बाहर निकलते ही इन गड्ढों से होकर गुजरना पड़ता है। इससे पैदल यात्रियों के साथ वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टेशन के आसपास बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सड़क की खराब स्थिति दुर्घटना का कारण बन सकती है।

ब्रिक्स सम्मेलन के कारण दिल्ली की अदालतों का कामकाज बंद

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मद्देनजर राजधानी में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को देखते हुए सरकारी संस्थानों के बंद रहने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में दिल्ली हाई कोर्ट और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अधीन आने वाली जिला अदालतों को भी बंद रखने का फैसला किया गया है। हाई कोर्ट प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, 11 सितंबर, शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट के साथ-साथ दिल्ली की सभी जिला अदालतें बंद रहेंगी। इसके अलावा ट्रायल कोर्ट्स में लगातार तीन दिनों तक अवकाश रहेगा। ट्रायल कोर्ट 11, 12 और 13 सितंबर को बंद रहेंगे।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान राजधानी में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहने की संभावना है। सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों और

ट्रायल कोर्ट में तीन दिन रहेगा अवकाश

वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने के चलते दिल्ली में यातायात तथा सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए अदालतों के कामकाज को भी प्रभावित होने से बचाने के लिए अवकाश की घोषणा की गई है। अदालतों के बंद रहने से 11 सितंबर को निर्धारित कई न्यायिक कार्य और सुनवाई प्रभावित होंगी। संबंधित पक्षों, वकीलों और अन्य लोगों को अदालत प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार अपनी अगली तारीख और सुनवाई की जानकारी लेनी होगी। दिल्ली हाई कोर्ट प्रशासन की अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि 11 सितंबर को हाई कोर्ट और दिल्ली की जिला अदालतों में सामान्य न्यायिक कार्य नहीं होगा। वहीं, ट्रायल कोर्ट्स के लिए 12 और 13 सितंबर का अवकाश भी निर्धारित किया गया है। इस तरह निचली अदालतों में लगातार तीन दिनों तक कामकाज बंद रहेगा। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के कारण दिल्ली में पहले से ही सरकारी कार्यालयों और अन्य संस्थानों के कामकाज को लेकर बदलाव किए जा रहे हैं।

रेल टिकट के लिए बढ़ी भीड़, तकनीकी खराबी ने यात्रियों की मुश्किल बढ़ाई

एजेंसी, नई दिल्ली

त्योहारी सीजन शुरू होते ही ट्रेनों में कन्फर्म टिकट की मांग बढ़ गई है। घर जाने की तैयारी कर रहे यात्री सुबह से ही मोबाइल ऐप और वेबसाइट के जरिए टिकट बुक करने में जुटे हैं। इसी बीच आईआरसीटीसी के सर्वर में तकनीकी खराबी से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। सर्वर की गड़बड़ी के कारण कई यात्रियों के बैंक खातों से टिकट की रकम कट जा रही है, लेकिन टिकट जारी नहीं हो रहा। भुगतान सफल होने के बावजूद टिकट नहीं मिलने से यात्रियों को आर्थिक नुकसान के साथ यात्रा की चिंता भी सता रही है। सात और आठ सितंबर के दौरान ऐसे एक दर्जन से अधिक मामले सामने आए हैं।

यात्रियों का कहना है कि टिकट बुकिंग के दौरान भुगतान करने के बाद भी टिकट नहीं मिला। अब रकम वापस पाने के लिए उन्हें

रेलवे और आईआरसीटीसी से संपर्क करना पड़ रहा है। त्योहारी सीजन में पहले से ही ट्रेनों में सीटों की भारी मांग रहती है। टिकट बुकिंग के समय तकनीकी समस्या आने से दोबारा टिकट मिलने की संभावना भी कम हो जाती है।

कई यात्रियों का कहना है कि पैसे कटने के बाद न तो टिकट मिला और न ही रिफंड की जानकारी स्पष्ट हुई। यात्रियों ने आईआरसीटीसी से सर्वर की समस्या जल्द ठीक करने और टिकट नहीं बनने के बावजूद कटे पैसे जल्द वापस करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि त्योहारों के दौरान ऑनलाइन टिकट व्यवस्था सुचारु रहना बेहद जरूरी है।

तकनीकी गड़बड़ी के कारण यात्रियों में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों की मांग है कि सर्वर की समस्या को जल्द दूर करे और जिन यात्रियों के पैसे कटने के बावजूद टिकट जनरेट नहीं हुए हैं, उनका रिफंड जल्द से जल्द किया जाए। त्योहारों के दौरान बढ़ती बुकिंग को देखते हुए यात्रियों को बेहतर और निर्बाध ऑनलाइन टिकट सेवा उपलब्ध कराने की जरूरत है।

प्रयागराज में होटल के कमरे में बैंक मैनेजर की संदिग्ध मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज के फूलपुर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक निजी बैंक के मैनेजर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया। भरौटी गांव स्थित सुदीप होटल के एक कमरे में 40 वर्षीय महेंद्र कुमार भारतीय का शव मिला। वह साईं समर्पण बैंक में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह होटल के कमरे में महेंद्र कुमार भारतीय के शव मिलने की सूचना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही फूलपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए और मौत से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू की। बैंक मैनेजर की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह सामने आने की उम्मीद है। मामले में पुलिस ने एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। हालांकि महिला को किस आधार पर हिरासत में लिया गया और उसका मृतक से क्या संबंध है, इस बारे में पुलिस की ओर से फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

इसी वजह से यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या घटना के समय बैंक मैनेजर के साथ होटल के कमरे में कोई महिला मौजूद थी। पुलिस अधिकारी इस मामले में अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बच रहे हैं। घटनास्थल की जांच, होटल से जुड़ी जानकारी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की पड़ताल की जा रही है।

गुरुग्राम के फोर्टिस में लगेगा देश का पहला अपराइट प्रोटोन थेरेपी सिस्टम

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम में कैंसर के इलाज के क्षेत्र में एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि होने जा रही है। साइबर सिटी स्थित फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट में देश का पहला अपराइट प्रोटोन थेरेपी सिस्टम स्थापित किया जाएगा। यह प्रणाली आवश्यक नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद अस्पताल में लगाई जाएगी। इसके शुरू होने से कैंसर के चुनिंदा मरीजों को अधिक सटीक और लक्षित रेडिएशन उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

अपराइट प्रोटोन थेरेपी आधुनिक कैंसर उपचार तकनीक है, जिसमें मरीज को खड़े या सीधी स्थिति में रखकर उपचार दिया जाता है। इसका उद्देश्य कैंसर प्रभावित हिस्से पर अधिक सटीक तरीके से विकिरण पहुंचाना और आसपास के स्वस्थ ऊतकों पर होने वाले अनावश्यक प्रभाव को कम करना है। यह तकनीक खासतौर पर शरीर

कैंसर उपचार में गुरुग्राम को बड़ी सौगात

के ऐसे संवेदनशील हिस्सों में उपयोगी हो सकती है, जहां सामान्य रेडिएशन उपचार के दौरान आसपास के स्वस्थ अंगों को नुकसान पहुंचने का जोखिम रहता है। इस प्रणाली का इस्तेमाल वयस्कों और बच्चों में कैंसर के चुनिंदा मामलों के उपचार के लिए किया जाएगा।

विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के कैंसर उपचार में स्वस्थ ऊतकों और विकासशील अंगों को विकिरण से बचाना महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में अधिक सटीक प्रोटोन थेरेपी भविष्य में उपचार के बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने में मदद कर सकती है। गुरुग्राम पहले से ही उन्नत चिकित्सा सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं के कारण मेडिकल टूरिज्म के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। देश में पहली अपराइट प्रोटोन थेरेपी प्रणाली की स्थापना से इस क्षेत्र को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

राहत बचाव के बीच जैमर लगाने का आरोप, पुलिस ने खोली दावे की पोल

सत्य निकेतन हादसे पर सियासत तेज, जैमर के आरोपों पर पुलिस ने दी सफाई

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में इमारत गिरने की घटना को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। आम आदमी पार्टी ने हादसे को लेकर दिल्ली की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी ने दावा किया कि राहत और बचाव कार्य के दौरान घटनास्थल पर मोबाइल सिग्नल बाधित करने वाला जैमर लगाया गया था। आदमी पार्टी का कहना है कि इससे मलबे में फंसे लोगों और उनके परिजनों के लिए मोबाइल फोन के जरिए मदद मांगना मुश्किल हो सकता था। आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाया कि जब घटनास्थल पर बचाव कार्य चल रहा था, तब मोबाइल सिग्नल को बाधित करने वाले उपकरण की जरूरत क्यों पड़ी।

पार्टी के मुताबिक, किसी भी हादसे के बाद प्रशासन की पहली प्राथमिकता मलबे में फंसे लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकालना और बचाव एजेंसियों के साथ उनका संपर्क बनाए रखना होनी चाहिए। आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि यदि

जैमर के आरोपों पर पुलिस ने दी सफाई

मलबे में फंसे लोगों के मोबाइल फोन काम कर रहे होते, तो वे अपने परिजनों, पुलिस, दमकल विभाग या अन्य राहत एजेंसियों से संपर्क कर अपनी स्थिति की जानकारी दे सकते थे। ऐसे में मोबाइल सिग्नल बाधित होने से राहत और बचाव प्रयासों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका जताई गई। पार्टी ने सरकार से यह स्पष्ट करने की मांग की कि घटनास्थल पर जैमर लगाने का आदेश किस अधिकारी या विभाग ने दिया था। साथ ही यह भी पूछा गया कि जैमर लगाने की आवश्यकता क्या थी और इसके पीछे क्या कारण था। हालांकि, आदमी पार्टी के इन आरोपों के बीच दिल्ली पुलिस ने फैक्ट चेक के जरिए दावे की पोल खोलने की बात कही है।

पुलिस की ओर से सामने आए तथ्यों के बाद जैमर लगाए जाने के आरोप पर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस ने घटनास्थल की वास्तविक स्थिति और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आरोपों को स्पष्ट करने का प्रयास किया। इस मामले को लेकर अब राहत और बचाव कार्य के साथ-साथ राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। आदमी पार्टी लगातार सरकार से जवाब मांग रही है, जबकि पुलिस ने जैमर से जुड़े दावे को तथ्यात्मक जांच के जरिए स्पष्ट किया है।

हादसे के बाद प्रशासन की कार्रवाई और मोबाइल सिग्नल से जुड़े पूरे मामले को लेकर राजनीतिक बहस जारी है। सत्य निकेतन इमारत हादसे को लेकर आम आदमी पार्टी के जैमर लगाने के आरोपों पर दिल्ली पुलिस ने स्थिति स्पष्ट की है। आदमी पार्टी ने दावा किया था कि बचाव अभियान के दौरान मोबाइल सिग्नल बाधित किए गए, जिससे मलबे में फंसे लोगों और उनके परिजनों को संपर्क करने में परेशानी हो सकती थी। पार्टी ने सरकार से जैमर लगाने का आदेश देने वाले अधिकारी और इसकी जरूरत का कारण बताने की मांग की थी। वहीं, पुलिस के फैक्ट चेक में जैमर लगाए जाने के दावे को गलत बताया गया है। पुलिस ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर स्पष्ट किया कि राहत और बचाव अभियान के दौरान ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। सत्य निकेतन हादसे के बाद जैमर को लेकर राजनीतिक विवाद छिड़ गया। आदमी पार्टी सरकार पर बचाव कार्य बाधित करने का आरोप लगाया, जबकि दिल्ली पुलिस के फैक्ट चेक में जैमर लगाए जाने के दावे को गलत बताया गया। पुलिस ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट की।

नोएडा में बड़ा हादसा टला, बंद गोदाम में लगी आग पर डेढ़ घंटे में पाया काबू

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा के सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के होशियारपुर गांव की गली नंबर-दो में मंगलवार सुबह इलेक्ट्रिक्स सामान के गोदाम में भीषण आग लग गई। गोदाम मनीष शर्मा का बताया जा रहा है, जहां फ्रिज, कूलर और अन्य इलेक्ट्रिक्स सामान रखा हुआ था। मंगलवार सुबह करीब सात बजे बंद गोदाम से अचानक धुआं उठता देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत गोदाम मालिक और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया।

गोदाम आबादी के बीच बेहद संकरी गली में स्थित होने के कारण दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। टीम ने 100 मीटर से अधिक लंबी पाइपलाइन बिछाकर पानी की बौछार की। साथ ही स्थानीय पुलिस की मदद से आसपास के घरों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, ताकि आग फैलने की स्थिति में किसी तरह की जनहानि न हो।

पानी डालने के बावजूद आग कम नहीं हुई तो दमकल कर्मियों ने गोदाम का टीनशेड काटकर अंदर तक पहुंचने का प्रयास किया। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत और 16 दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि आग लगने के समय गोदाम बंद था और अंदर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। आग में सामान के नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

आगरा में सड़क हादसे में घायल 16 वर्षीय किशोरी की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा में 28 अगस्त को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई 16 वर्षीय प्राची की सोमवार रात एसएन मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। किशोरी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। स्वजन ने कार चालक की गिरफ्तारी और डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराने की मांग को लेकर अपनी नाराजगी जताई। जानकारी के अनुसार, 28 अगस्त को प्राची को एक कार ने टक्कर मार दी थी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इसके बाद उसे इलाज के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर लगातार उसका उपचार कर रहे थे। कई दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद सोमवार रात उसकी हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। किशोरी की मौत के बाद परिवार के लोगों ने पुलिस से हादसे के जिम्मेदार कार चालक को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। साथ ही उन्होंने पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल से कराने की मांग रखी।

न्यूज ब्रीफ

कौलागढ़ में मानक लेखन प्रतियोगिता, छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

अनिल थपलियाल। (देहरादून) राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कौलागढ़ में बीआईएस के मार्गदर्शन में मानक लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्राओं ने सीलिंग फैन के भारतीय मानकों पर लेखन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बीआईएस के रिसोर्स पर्सन हरजीत सिंह ने गुणवत्ता और सुरक्षित उत्पादों के चयन में मानकों की भूमिका समझाई। मेंटोर शिखा उनियाल ने छात्राओं को लेखन की बारीकियों की जानकारी दी। प्रतियोगिता में आरजू प्रथम, सोनम द्वितीय, दीपिका तृतीय और अंशु चतुर्थ रहीं। विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रतिभागियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

आउटसोर्स व्यवस्था खत्म करने को कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

अनिल थपलियाल। (देहरादून) ठेका, संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों ने समान काम के लिए समान वेतन और आउटसोर्स व्यवस्था समाप्त करने की मांग उठाई है। संयुक्त मोर्चा आउटसोर्स कर्मचारी संघ ने कहा कि कर्मचारी वर्षों से नियमित कर्मियों के समान जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, लेकिन उन्हें समान वेतन और सेवा सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। मोर्चा ने स्थायी रोजगार, नियमितीकरण, सेवा निरंतरता तथा ईपीएफ और ईएसआई जैसे वैधानिक लाभ देने की मांग की। सरकार से 21 सितंबर तक सकारात्मक कार्रवाई की अपील की गई है। मांगें पूरी न होने पर कर्मचारियों ने सचिवालय कूच रैली की चेतावनी दी है।

2027 चुनाव के घोषणा पत्र को लेकर कांग्रेस ने बढ़ाई सक्रियता

अनिल थपलियाल। (देहरादून) कांग्रेस ने 2027 विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में सिविल सोसायटी से जुड़े प्रमुख मुद्दों को शामिल करने का आश्वासन दिया है। मंगलवार को उत्तराखंड प्रभारी शैलजा कुमारी ने सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर पर्यावरण, मानव-वन्यजीव संघर्ष, महिला उत्पीड़न और दलित-मुस्लिम विरोधी गतिविधियों सहित विभिन्न मुद्दों पर सुझाव मांगे। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में सामाजिक संगठनों के आंदोलनों और जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया। डॉ. रवि चोपड़ा, कमला पंत, त्रिलोचन भट्ट, अजय जोशी और साहब ने अपने-अपने मुद्दे रखे। मानव-वन्यजीव संघर्ष के पीड़ितों को बेहतर मुआवजा देने और महिलाओं की सुरक्षा पर ठोस नीति बनाने की मांग की गई। शैलजा ने प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि इन सुझावों पर पार्टी गंभीरता से विचार करेगी और जरूरत पड़ने पर सामाजिक संगठनों के संघर्ष में भी साथ देगी।

68 विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

उदित नैनवाल, नारायणबगड़। राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज नारायणबगड़ में द्वितीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रीमियर लीग-2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों के 68 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विज्ञान क्विज और वस्तुनिष्ठ प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। जूनियर वर्ग में राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज नारायणबगड़ की हिमानी प्रथम रहीं, जबकि रचित सिंह द्वितीय और अर्चना तृतीय स्थान पर रहीं। सीनियर वर्ग में इसी विद्यालय के कृष्णा गौड़ ने प्रथम स्थान हासिल किया। दीपांशु द्वितीय और अंजली तृतीय रहीं। मुख्य अतिथि गणेश शाह ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने और प्रयोगात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य डॉ. जीएस नेगी ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

नेट परीक्षा में कमला खत्री ने बढ़ाया अल्मोड़ा का मान

डी. एस. सिजवाली, अल्मोड़ा। वृक्षिखाड़ी निवासी कमला खत्री ने संस्कृत विषय से राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में 97.91 पर्सेंटाइल हासिल कर सफलता प्राप्त की। वर्तमान में वह सोबन सिंह जीना परिसर अल्मोड़ा से पीएचडी शोध कर रही हैं। कमला ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, पीएचडी गाइड डॉ. प्रकाश चंद्र जांगी और विभागाध्यक्ष प्रो. शालिमा तबस्सुम को दिया। उनकी उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए बधाई दी।

वरिष्ठ पत्रकार दिलवर बिष्ट को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

उदित नैनवाल, जिला रुद्रप्रयाग। वरिष्ठ पत्रकार दिलवर सिंह बिष्ट के सोमवार देर रात हृदयाघात से हुए आकस्मिक निधन पर जिला सूचना कार्यालय ने गहरा शोक व्यक्त किया। उनके निधन की खबर से पत्रकारिता जगत और क्षेत्र में शोक की लहर है। जिला सूचना अधिकारी केएल टम्टा सहित कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान कार्यालय में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिला सूचना अधिकारी केएल टम्टा ने कहा कि दिलवर बिष्ट का निधन क्षेत्रीय पत्रकारिता के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने सहज और मिलनसार व्यवहार, कर्मठता तथा जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता से पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भाजपा की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाएं कांग्रेस कार्यकर्ता : कुमारी शैलजा

__अनिल थपलियाल। (देहरादून)__ उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रभारी एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी शैलजा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के विभिन्न विभागों, प्रकोष्ठों और अग्रिम संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को जल्द कार्यकारिणी गठित करने और प्रदेशभर में व्यापक दौरा कर संगठन को मजबूत करने के निर्देश दिए। कुमारी शैलजा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा, दलितों के मुद्दों और युवाओं की समस्याओं को लेकर मजबूती से आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता जनता की समस्याओं को अपनी समस्या समझकर उनके समाधान के लिए संघर्ष करे। संगठन के सभी विभाग और प्रकोष्ठ केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर सक्रिय दिखाई दें। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि चुनाव केवल नेताओं के प्रयास से नहीं, बल्कि एकजुट और समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत से जीते जाते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुंचकर जनता से संवाद स्थापित करने तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में आगामी चुनाव की तैयारियों और संगठन को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

सेवा और समरसता सिख परंपरा की मूल विशेषता : राज्यपाल

राज्यपाल से गुरुद्वारा कमेटियों के प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार भेंट

अनिल थपलियाल

देहरादून में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से मंगलवार को लोक भवन में विभिन्न गुरुद्वारा कमेटियों के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सिख समाज से जुड़े सामाजिक और सामुदायिक विषयों पर चर्चा हुई। राज्यपाल ने कहा कि सिख गुरुओं की शिक्षाएं मानवता, सेवा, समानता और भाईचारे का संदेश देती हैं। उन्होंने गुरुद्वारों द्वारा जरूरतमंदों की सेवा, लंगर, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

राज्यपाल ने कहा कि सामाजिक समरसता और आपसी सौहार्द बढ़ाने में धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं को गुरुओं की शिक्षाओं, भारतीय संस्कृति, राष्ट्र सेवा और सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ने का आह्वान किया। साथ ही आधुनिक ज्ञान, तकनीक और नवाचार के अवसरों से युवाओं को जोड़ने पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल ने गुरुद्वारा कमेटियों की सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी और राज्यपाल का आभार जताया।

17 सितंबर से शुरू होगा विधानसभा स्तरीय खेल महाकुंभ

उदित नैनवाल, गोपेश्वर। विधानसभा क्षेत्र स्तरीय खेल महाकुंभ मुख्यमंत्री ट्रॉफी 2026 का आयोजन चमोली जिले के दशोली विकासखंड स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर में 17 से 20 सितंबर तक किया जाएगा। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के निर्देशों के तहत आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। खेल महाकुंभ में अंडर-14 और अंडर-19 आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। अंडर-14 वर्ग में 17 और 18 सितंबर को एथलेटिक्स, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, मुर्गा झपट और पिट्ठू सहित कई प्रतियोगिताएं होंगी। अंडर-19 वर्ग में एथलेटिक्स के साथ लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक, भाला फेंक और रिले जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा दोनों आयु वर्गों के खिलाड़ियों के लिए कबड्डी, खो-खो और वालीबॉल की प्रतियोगिताएं 19 और 20 सितंबर को कराई जाएंगी। आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण और स्थानीय स्तर पर छिपी खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना तथा युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना है।

दिवंगत पत्रकार की पत्नी को मिली पांच लाख की आर्थिक सहायता

उदित नैनवाल

चमोली। चमोली में दिवंगत पत्रकार एवं दैनिक जागरण के संवाददाता स्वर्गीय हरीश सिंह बिष्ट के परिवार को पत्रकार कल्याण कोष के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मंगलवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने स्वर्गीय हरीश सिंह बिष्ट की पत्नी श्रीमती पूनम देवी को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता का बैंक ड्राफ्ट सौंपा। यह सहायता सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखंड के पत्रकार कल्याण कोष के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। विभाग द्वारा कोष में जमा धनराशि से प्राप्त ब्याज के माध्यम से यह राशि उपलब्ध कराई गई। आर्थिक सहायता मिलने से दिवंगत पत्रकार के परिवार को कठिन समय में कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

पत्रकारों के कल्याण और उनके आश्रित परिवारों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित इस व्यवस्था के तहत सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी धीरज कार्की सहित क्रांति भट्ट, कृष्ण कुमार सेमवाल, देवेंद्र रावत, शेखर रावत, कमल नयन सिलोड़ी, जगदीश पोखरियाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने दिवंगत पत्रकार के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सहायता को परिवार के लिए महत्वपूर्ण सहयोग बताया।

नंदा देवी बड़ी जात यात्रा को लेकर सुरक्षा एडवाइजरी जारी

उदित नैनवाल, चमोली। वर्ष 2026 में प्रस्तावित नंदा देवी बड़ी जात यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर एडवाइजरी जारी की है। वन विभाग, पुलिस और एसडीआरएफ की संयुक्त टीमों ने वाण से होमकुंड होते हुए सुतोल तक प्रस्तावित पैदल मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वाण से ज्यूरागली तक करीब 32 किलोमीटर और सुतोल से होमकुंड तक लगभग 34 किलोमीटर मार्ग का जायजा लिया गया। टीम को कई स्थान अत्यंत दुर्गम, जोखिमपूर्ण और भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील मिले। जिला पर्यटन विकास अधिकारी अरविंद गौड़ ने आयोजन समिति को आपदा प्रबंधन अधिनियम और निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप यात्रा आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। एडवाइजरी में उच्च हिमालयी और निर्जन क्षेत्रों की यात्रा यथासंभव सीमित रखने की सलाह दी गई है। श्रद्धालुओं को बेदनी जाने से पहले वाण में अनिवार्य स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा यात्रा के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है।

इलेक्ट्रिक बस सेवा के विरोध में उक्रांद का जोरदार प्रदर्शन

अनिल थपलियाल, देहरादून। स्मार्ट सिटी के तहत संचालित इलेक्ट्रिक बस सेवा में चालक-कर्मचारियों की समस्याओं और कथित श्रम शोषण के विरोध में उत्तराखंड क्रांति दल ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। उक्रांद कार्यकर्ताओं और बस कर्मचारियों ने ईवी ट्रांस तथा एम्फेटिक मोबिलिटी सर्विसेज एलएलपी के कार्यालयों का घेराव कर धरना दिया और दोनों कार्यालयों पर तालाबंदी की। उक्रांद नेताओं ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों की समस्याओं की जांच के लिए जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियों को जिम्मेदारी देने के बावजूद कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। महानगर अध्यक्ष प्रवीण चंद रमोला ने इलेक्ट्रिक बस सेवा में वर्ष 2021 से 2024 के बीच करीब 13 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे का हवाला देते हुए निजी कंपनियों के कामकाज की निष्पक्ष जांच की मांग की।

हर्ष कुमार की पहली पुस्तक 'यादों का झुरमुट' देहरादून में समारोहपूर्वक लोकार्पित

हर्ष कुमार ने पुस्तक में संजोई जीवन की यादें।

अनिल थपलियाल

देहरादून। पटेल नगर स्थित क्लार्क्सइन होटल में श्री हर्ष कुमार की प्रथम पुस्तक 'यादों का झुरमुट' का गरिमामय समारोह में लोकार्पण किया गया। पुस्तक में लेखक ने अपने जीवन के अनुभवों, बीती स्मृतियों, रिश्तों, भावनाओं और जीवन के विभिन्न पड़ावों को कविता एवं गद्य के माध्यम से अभिव्यक्त किया है। सहज और आत्मीय शैली में लिखी गई यह पुस्तक पाठकों को बीते समय की खुशियों, संघर्षों, रिश्तों की गर्माहट और जीवन से मिली सीख से जोड़ने का प्रयास करती है। हर्ष कुमार ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से भू-विज्ञान में स्नातक तथा रुड़की विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में भू-वैज्ञानिक के रूप में कार्य शुरू किया और बाद में उत्तराखंड लोक निर्माण विभाग में सेवाएं देकर सेवानिवृत्त हुए।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि जनकवि एवं साहित्यकार डॉ. अतुल शर्मा रहे। उन्होंने सामाजिक सरोकारों और जनआंदोलनों से जुड़े गीतों के माध्यम से साहित्य में योगदान दिया है। समारोह में लेखक की पत्नी प्रतिभा सिंह, पुत्री स्वस्ति, दामाद मयंक, पौत्री माही सहित रिश्तेदार, मित्र और शुभचिंतक मौजूद रहे।

बीरोंखाल में श्रमिक शिविर, सैकड़ों ने लिया लाभ

श्रमिक प्रदेश और देश के विकास की नींव के पत्थर : सतपाल महाराज

अनिल थपलियाल

पौड़ी, बीरोंखाल। कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने मंगलवार को बीरोंखाल ब्लॉक सभागार में श्रम विभाग द्वारा आयोजित श्रमिक पंजीकरण एवं नवीनीकरण शिविर में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के निर्माण और विकास में श्रमिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार का उद्देश्य अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिकों को पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया की जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराई जाए तथा किसी पात्र व्यक्ति को परेशानी न हो। महाराज ने श्रमिकों से श्रम कार्ड का समय पर नवीनीकरण कराने और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण सरकार की प्राथमिकता है। शिविर में पुत्री विवाह अनुदान, शिक्षा छात्रवृत्ति, चिकित्सा सहायता, मातृत्व लाभ, औजार सहायता और दुर्घटना सहायता जैसी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान मां भगवती मंदिर के विकास कार्य का शिलान्यास भी किया गया।

शिक्षा नवाचार के क्षेत्र में जतिन चौहान हुए सम्मानित

अनिल थपलियाल। नरेंद्रनगर में युवा नवाचारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता जतिन सिंह चौहान को विज्ञान, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल सहित शिक्षा और विज्ञान क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहे। जतिन ने विद्यार्थियों को विज्ञान और नवाचार से जोड़ने के लिए नेशनल स्कूल इनोवेशन क्लब की स्थापना की है। साथ ही युवाओं को खेलों और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के प्रयास भी कर रहे हैं। कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके जतिन को इससे पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

जिला सहकारी बैंक चुनाव में गढ़वाल मण्डल में भाजपा का क्लीन स्विप

विकास बलोनी

◆ अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर भाजपा समर्थित सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

देहरादून। गढ़वाल मंडल के छह जिलों में हुए जिला सहकारी बैंक चुनावों में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों पर निर्विरोध जीत दर्ज की। देहरादून में मंजीत रावत, चमोली में गजेंद्र सिंह रावत, उत्तरकाशी में शारदा राणा, पौड़ी गढ़वाल में पंकज रावत, टिहरी गढ़वाल में सुभाष चंद्र रमोला और हरिद्वार में विजेंद्र चौधरी अध्यक्ष निर्वाचित हुए। छहों बैंकों में उपाध्यक्ष पदों पर भी भाजपा समर्थित प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए। सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत संगठनात्मक समन्वय और आपसी विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में आम लोगों ने भाजपा की नीतियों पर भरोसा जताया है। राज्य में पहली बार सहकारिता चुनावों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया है। उत्तरकाशी, अल्मोड़ा और ऊधम सिंह नगर में अध्यक्ष पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। कुमाऊं मंडल में चुनाव 10 और 11 सितंबर को होंगे।

ट्राउट पालन से वीरपाल ने संवारी ग्रामीण आर्थिकी की तस्वीर

उदित नैनवाल, जिला रुद्रप्रयाग। गैड़-बस्टी गांव निवासी वीरपाल सिंह राणा ने ट्राउट मत्स्य पालन को स्वरोजगार का माध्यम बनाकर ग्रामीण क्षेत्र में सफलता की मिसाल पेश की है। उन्होंने इस वर्ष करीब 14 से 15 क्विंटल ट्राउट मछली का उत्पादन किया। तैयार मछली की बिक्री एसएसबी श्रीनगर, आईटीबीपी सहित आसपास के नगरों में की गई, जिससे उन्हें अच्छी आय प्राप्त हुई। वीरपाल के अनुसार ट्राउट पालन से उनकी आमदनी बढ़ने के साथ परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है। उन्होंने बताया कि मत्स्य विभाग की ओर से समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन और निःशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। इससे उन्हें ट्राउट पालन की वैज्ञानिक और आधुनिक तकनीक समझने तथा उसे अपने व्यवसाय में अपनाने में मदद मिली। सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर वह मत्स्य पालन को लगातार विस्तार दे रहे हैं।

गांव-गांव गूंजे मां नंदा के जयकारे

तीसरे पड़ाव पर पहुंचीं मां नंदा की तीनों देव डोलियां

अनिल थपलियाल

थराली/नंदाधाम कुरूड़। सिद्धपीठ कुरूड़ से कैलाश की ओर रवाना हुई श्री नंदा राजराजेश्वरी बड़ी जात यात्रा की तीनों देव डोलियां अपने-अपने तीसरे पड़ाव पर पहुंच गई हैं। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने देव डोलियों का भव्य स्वागत किया और मां नंदा को भेंट व पवाड़ अर्पित कर पूजा-अर्चना की। बधाण की डोली करीब आठ किलोमीटर की पैदल यात्रा कर भेटी गांव पहुंची, जहां ड्राणी माता की पूजा के साथ देवी पूजन शुरू हुआ। मंगलवार को यह डोली स्यारी और बंगाली होते हुए सोल डुंग्री पहुंचेगी।

दशोली की डोली ने लुणतरा से कांडा, खुनाणा, लामसोड़ा, माणखी, चोपड़कोट और घारी होते हुए करीब 20 किलोमीटर की दूरी तय कर कांडई गांव में पड़ाव डाला। डोली के साथ चल रहे दो चौसिंगा खाड़ू श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। वहीं बंड की डोली बटुला से आगे बढ़कर शेकोट और ल्वांह होते हुए करीब छह किलोमीटर की दूरी तय कर दिगोली गांव पहुंची। यहां भी देवी पूजन शुरू हुआ।

आयोजन समिति के अध्यक्ष कर्नल हरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। गांवों और कस्बों में देव डोलियों का स्वागत किया जा रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु यात्रा की जानकारी ले रहे हैं। आने वाले दिनों में यात्रा में भक्तों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

माल गांव के रजत सिंह बिष्ट बने सेना में लेफ्टिनेंट

डी. एस. सिजवाली। अल्मोड़ा के माल गांव निवासी रजत सिंह बिष्ट ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सेना में कठिन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद रजत पहली बार अपने गांव पहुंचे तो ग्रामीणों ने उनका ढोल-नगाड़ों और देशभक्ति के नारों के साथ भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर 50 से अधिक पूर्व सैनिकों के साथ महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे। ग्रामीणों ने रजत का नागरिक अभिनंदन कर उनकी उपलब्धि पर खुशी जताई। रजत की सफलता से परिवार के साथ पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। उनकी उपलब्धि गांव के उन युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक बनी है, जो भारतीय सेना में शामिल होकर देश सेवा का सपना देखते हैं।

तीन बकरियों से शुरुआत, अब 40 बकरियों के मालिक प्रकाश

अनिल थपलियाल, पिथौरागढ़। ग्राम सिंलिंग निवासी प्रकाश कोहली ने सरकारी योजनाओं का सही लाभ लेकर बकरी पालन को सफल स्वरोजगार में बदलने की मिसाल पेश की है। कभी महज तीन बकरियों से शुरुआत करने वाले प्रकाश आज करीब 40 बकरियों के मालिक हैं। पिछले दो वर्षों में उन्होंने लगभग 130 बकरी के बच्चे तैयार किए हैं। वर्ष 2022-23 में गोट वैली योजना के तहत उन्हें 15 बकरी और एक बकरा उपलब्ध कराया गया था। योजना का लाभ मिलने के बाद प्रकाश ने बकरी पालन को व्यवस्थित और व्यावसायिक रूप देना शुरू किया। मेहनत, बेहतर प्रबंधन और पशुपालन विभाग के सहयोग से उनका कारोबार लगातार बढ़ता गया। अब तक वह चार बार आईटीबीपी को बकरियों की आपूर्ति कर चुके हैं, जिससे उन्हें करीब दो लाख रुपये की शुद्ध आय हुई है। बकरी पालन से परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है।

वैज्ञानिक खेती सीखने 40 किसान कृषि विज्ञान क्रेंद्र चिन्यालीसौड़ रवाना

अनिल थपलियाल। उत्तरकाशी में परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ने की पहल की गई। मंगलवार को विकास भवन परिसर से मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह ने 40 किसानों के दल को कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में किसानों की उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक तकनीकों, नवाचारों और उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि परंपरागत कृषि उत्तरकाशी की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और समृद्ध विरासत का महत्वपूर्ण आधार है। आधुनिक तकनीकों के साथ इसे जोड़कर किसानों को अधिक लाभ दिलाया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी ने विशेष रूप से महिला किसानों को कृषि क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और विभागीय योजनाओं की जानकारी हासिल कर उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, मृदा स्वास्थ्य, फसल विविधीकरण, उन्नत बीज चयन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, कीट एवं रोग प्रबंधन, जल संरक्षण और कृषि यंत्रीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे।

देहरादून में स्वच्छ वायु जागरूकता अभियान तेज

प्रदूषण नियंत्रण को निगम का जागरूकता अभियान शुरू

अनिल थपलियाल

देहरादून। नगर निगम देहरादून की ओर से राष्ट्रीय स्वच्छ वायु प्रदूषण योजना के तहत शहर में स्वच्छ वायु जागरूकता और स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य लोगों को वायु प्रदूषण के बढ़ते खतरे के प्रति जागरूक करना और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। नगर निगम ने एयर पॉल्यूशन वीक और बिना ईंधन के कैलोरी खर्च करने की थीम के तहत विभिन्न गतिविधियों की जिम्मेदारी शिवालिक एजुकेशनल सोशल वेलफेयर एवं ह्यूमन रिसोर्स सोसाइटी को सौंपी है। संस्था की ओर से शिक्षण संस्थानों, बच्चों, शिक्षकों और स्थानीय समुदायों के बीच नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छ हवा का संदेश दिया जा रहा है। अभियान के दौरान वायु गुणवत्ता सुधार, वायु गुणवत्ता प्रबंधन, विशेषज्ञों के माध्यम से जागरूकता, दस्तावेज स्क्रीनिंग, जनजागरूकता रैली और साइकिल रैली जैसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

अभियान के माध्यम से लोगों से प्रदूषण कम करने, स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की जा रही है। इस अवसर पर महापौर सौरभ थपलियाल के साथ नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी और विभिन्न शिक्षण संस्थानों के शिक्षक भी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

सीएमओ कार्यालय में स्वच्छ वायु दिवस पर दिलाई शपथ

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु व नीला आकाश दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय बिलासपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छ वायु की शपथ लेकर वायु प्रदूषण कम करने तथा स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशि दत्त शर्मा ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वायु बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने और प्रदूषण कम करने के लिए जिम्मेदार व्यवहार अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अनावश्यक वाहन उपयोग को कम करना, खुले में कचरा न जलाना, अधिक से अधिक पौधरोपण करना और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छ वायु, स्वस्थ जीवन तथा सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक योगदान देने का संकल्प लिया।

बिलासपुर में दो सड़क हादसों में दो की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में पिछले 24 घंटों के दौरान हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, विभिन्न थानों में मारपीट और आपसी झड़प के पांच मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना तलाई के तहत गोयलआली के पास ट्रैक्टर के करीब 30-40 मीटर गहरी खाई में गिरने से 20 वर्षीय मुनीष कुमार की मौत हो गई। वह बल्हसीणा से भड़ोलीकलां की ओर जा रहा था। ट्रैक्टर के नीचे दबने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सदर थाना क्षेत्र के रट्ट में ट्रक की टक्कर से चत्तर सिंह की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार ट्रक चालक पंकज कुमार पर तेज रफ्तारी और लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप है। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। इसके अलावा भराड़ी और झंडूता क्षेत्रों में मारपीट व धमकी के मामले भी दर्ज किए गए हैं।

जातिगत आरक्षण को आर्थिक आधार पर करने की मांग, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राष्ट्रीय देवभूमि पार्टी व देवभूमि क्षेत्रीय संगठन स्वर्ण मोर्चा ने जातिगत आरक्षण को आर्थिक आधार पर करने और यूजीसी संबंधी कानून को तत्काल निरस्त करने की मांग उठाई है। इस संबंध में पार्टी के अर्की मंडल ने प्रदेश सह सचिव एवं अर्की विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी जयदेव ठाकुर के नेतृत्व में उपमंडलाधिकारी अर्की के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि देश में सभी वर्गों के गरीब लोगों को समान विकास के अवसर उपलब्ध कराने के लिए आरक्षण का आधार आर्थिक स्थिति को बनाया जाना चाहिए। पार्टी पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार के प्रस्तावित यूजीसी कानून को भी तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित कानून से सामान्य वर्ग विभिन्न स्तरों पर प्रभावित हो सकता है और इसके दुरुपयोग की आशंका भी है। उन्होंने कहा कि इसी कारण देश के विभिन्न हिस्सों में इसका विरोध किया जा रहा है। ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से दोनों मुद्दों की गंभीरता को देखते हुए उचित और ठोस कदम उठाने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र ठाकुर, जगदीश ठाकुर, अजय सिंह, मोहन लाल ठाकुर, भगत राम ठाकुर, जोगेंद्र मेहता, प्रदीप ठाकुर, अनंत राम, मदन सिंह, मंगल कंवर और गुमान कंवर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कंगना को जनता से ज्यादा अपनी छवि की चिंता

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। एपीएमसी जिला चेयरमैन संजीव गुलेरिया ने मंडी की सांसद कंगना रनौत पर जन सरोकारों की अनदेखी करने और व्यक्तिगत छवि चमकाने में व्यस्त रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मंडी में हुई दिशा समिति की बैठक में सांसद का व्यवहार अधिकारियों के प्रति उचित नहीं था। गुलेरिया ने आरोप लगाया कि बैठक में विकास कार्यों और जनता से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करने के बजाय सांसद कैमरों के सामने अधिकारियों पर नाराज होती नजर आईं और बार-बार राष्ट्रीय मीडिया को जवाब देने की बात करती रहीं। उन्होंने कहा कि यदि सांसद को मंडी की जनता की चिंता है तो उन्हें क्षेत्र का व्यापक दौरा कर समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करने चाहिए। गुलेरिया ने सवाल किया कि चुनाव जीतने के दो वर्ष बाद सांसद ने कितने विधानसभा क्षेत्रों और पंचायतों का दौरा किया है। उन्होंने सांसद से अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति कथित असंसदीय भाषा के लिए जनता से माफी मांगने की मांग की।

ढाबों व खाद्य प्रतिष्ठानों के लिए अधिकतम दरें तय

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला दंडाधिकारी राहुल कुमार ने जिले में आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं तथा ढाबों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थों की अधिकतम खुदरा दरें तत्काल प्रभाव से निर्धारित की हैं। अधिसूचना के अनुसार बकरे या भेड़ का मांस 550 रुपए, सूअर का मांस 300 रुपए, ड्रेस्ड चिकन 250 रुपए और बिना तली मछली 230 रुपए प्रति किलोग्राम की अधिकतम दर तय की गई है। ढाबों में तंदूरी चपाती 10 रुपए, तवा चपाती सात रुपए और स्टफ्ड परांठा 30 रुपए में मिलेगा। पूर्ण भोजन तथा बिलासपुरी धाम 100 रुपए प्रति थाली, चावल 50 रुपए, तली दाल 60 रुपए, मीट कड़ी 130 रुपए और चिकन कड़ी 110 रुपये प्रति प्लेट की अधिकतम दर निर्धारित की गई है। पनीर व्यंजन 100 रुपये तथा रायता 50 रुपये प्रति डिश रहेगा। पैकेटबंद दूध और शीतल पेय मुद्रित अधिकतम खुदरा मूल्य पर ही बेचे जाएंगे। दुकानदारों और ढाबा संचालकों को मूल्य सूची प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करने तथा मांग पर बिल या रसीद देने के निर्देश दिए गए हैं।

यूडाइस व बाल अधिकारों की ली जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। पीएम-श्री एससीवीटी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अर्की में मंगलवार को बाल अधिकार संरक्षण और यूडाइस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन अर्की और धुंदन शिक्षा खंडों के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इसमें दोनों शिक्षा खंडों के पाठशाला प्रमुख, प्रधानाचार्य, मुख्याध्यापक तथा मिडिल स्कूल प्रभारी सहित कुल 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डाइट सोलन की विशेषज्ञ बविता ठाकुर ने बाल अधिकार संरक्षण विषय पर प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बच्चों के अधिकारों की रक्षा तथा विद्यालय स्तर पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। वहीं डाइट सोलन के विशेषज्ञ गोविंद ठाकुर ने यूडाइस प्रणाली और इसके महत्व की जानकारी दी। कार्यशाला में सोलन माध्यमिक शिक्षा के उपनिदेशक राजकुमार गौतम, अर्की खंड के प्रधानाचार्य एवं खंड परियोजना अधिकारी हेमराज गौड़ तथा धुंदन खंड के खंड परियोजना अधिकारी राम रत्न बंगा भी मौजूद रहे। प्रतिभागियों को विद्यालयों से संबंधित आंकड़ों के सही संकलन और यूडाइस प्रणाली के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी गई।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से मिले सीएम सुक्खू, लंबित बिजली मामलों का मांगा समाधान

निशुल्क बिजली हिस्से के बदले आरईसी देने की मांग

◆ जलविद्युत परियोजनाओं में अतिरिक्त बिजली हिस्से की मांग

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश के बिजली क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण और लंबित मामलों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा तथा इनके शीघ्र समाधान का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश के निशुल्क बिजली हिस्से के बदले नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाण-पत्र (आरईसी) प्रदान करने का मामला प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य को उसके नि:शुल्क बिजली हिस्से का उचित लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने इस संबंध में आवश्यक स्पष्टीकरण जारी करने और मामले का समाधान करने का आग्रह किया। सुक्खू ने सतलुज जल विद्युत निगम (एसजेवीएन) के निदेशक मंडल में हिमाचल प्रदेश की ओर से दो स्वतंत्र निदेशकों के नामांकन का मामला भी केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने राज्य के हितों को ध्यान में रखते हुए नामांकन की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने शानन जल विद्युत परियोजना को हिमाचल प्रदेश को हस्तांतरित करने का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने कहा कि परियोजना पर हिमाचल प्रदेश के अधिकारों और राज्य के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। शानन जल विद्युत परियोजना से जुड़ा मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2008 की जलविद्युत नीति लागू होने से पहले शुरू की गई केंद्रीय क्षेत्र की जलविद्युत परियोजनाओं के लिए एक प्रतिशत अतिरिक्त नि:शुल्क बिजली देने की राज्य की मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि यह अतिरिक्त बिजली परियोजना शुरू होने के बाद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के रूप में उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इससे परियोजना प्रभावित क्षेत्रों के विकास को गति मिलेगी और स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार के आकलन के अनुसार, इस व्यवस्था से हिमाचल प्रदेश को करीब 29.34 करोड़ रुपये का वार्षिक लाभ मिलने की संभावना है। वहीं, अन्य लाभार्थी राज्यों पर करीब 96.57 करोड़ रुपए का वार्षिक भार पड़ने का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश का अनुमानित शुद्ध वार्षिक लाभ करीब 23.21 करोड़ रुपए रहेगा। अन्य लाभार्थी राज्यों पर टैरिफ प्रभाव करीब 1.15 प्रतिशत रहने का अनुमान है। सुक्खू ने 180 मेगावाट क्षमता वाली बैरा स्यूल जल विद्युत परियोजना का मामला भी केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि परियोजना के 40 वर्ष की अवधि पूरी होने के बाद इसे हिमाचल प्रदेश को सौंपने की प्रक्रिया राज्य के हित में जल्द आगे बढ़ाई जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने परियोजना के हस्तांतरण के लिए आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के कब्जे में प्रदेश में मौजूद ऐसी भूमि का मामला भी उठाया, जिसका वर्तमान में कोई उपयोग नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस भूमि को हिमाचल प्रदेश सरकार के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। इसका इस्तेमाल सरकारी कार्यालयों के निर्माण के साथ-साथ जलविद्युत और अन्य परियोजनाओं से विस्थापित लोगों के पुनर्वास तथा उन्हें भूमि उपलब्ध कराने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने प्रदेश के व्यापक हित में ऐसी भूमि के उपयोग की अनुमति देने का आग्रह किया।

घुरकड़ी में धूल फांक रहे ठंडे पानी के संयंत्र, पानी-नल की सुविधा भी गायब

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से लोगों को स्वच्छ व ठंडा पेयजल उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से पंचायतों में स्थापित किए गए ठंडे पानी के संयंत्र बदहाल हो गए हैं। घुरकड़ी पंचायत में लगाए गए कई संयंत्रों में कहीं पानी उपलब्ध नहीं है तो कहीं नल तक गायब हो चुके हैं। देखरेख के अभाव में ये संयंत्र अब धूल फांक रहे हैं।

इन संयंत्रों की खरीद और स्थापना पर सरकारी राशि खर्च की गई थी, लेकिन वर्तमान में लोगों को इनका अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार पहले जब टंकियों में पानी उपलब्ध रहता था तो कुछ स्थानों पर लोगों ने इनका पेयजल के बजाय कपड़े धोने के लिए भी इस्तेमाल किया। इससे इनके रखरखाव और उपयोगिता पर सवाल उठे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि संयंत्रों का नियमित रखरखाव किया जाए और इनमें पानी तथा नल की सुविधा बहाल की जाए तो लोगों को इनका लाभ मिल सकता है। पूर्व ग्राम पंचायत ने लोगों की सुविधा के लिए इन संयंत्रों को स्थापित करवाया था, लेकिन उचित स्थान और रखरखाव के अभाव में इनकी स्थिति खराब होती चली गई। ग्राम पंचायत घुरकरी की प्रधान उमेश दीक्षित ने बताया कि पूर्व पंचायत ने संयंत्रों को उचित स्थान पर व्यवस्थित ढंग से स्थापित नहीं किया था। पंचायत जल्द ही इन्हें उचित स्थानों पर स्थापित कर व्यवस्था दुरुस्त करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को पेयजल सुविधा मिलेगी और संयंत्रों के दुरुपयोग पर भी रोक लगाई जा सकेगी।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन को दी बधाई, कहा-

फार्मा क्षेत्र में हिमाचल की विश्वसनीयता बढ़ी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (डीसीए) को फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (फार्माक्सिल) द्वारा अप्रीशीऐशन अवार्ड से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। यह पुरस्कार वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित आईपीएचईएक्स-2026 के दौरान नई दिल्ली में सोमवार को प्रदान किया गया। यह सम्मान राज्य में नियामक उत्कृष्टता, उद्योग सुविधा एवं निर्यात संवर्धन सुनिश्चित करने के लिए प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान राज्य सरकार की मजबूत नियामक व्यवस्था स्थापित करने, कारोबार में सुगमता को बढ़ावा देने तथा हिमाचल प्रदेश में गुणवत्तापरक और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी फार्मास्यूटिकल इकोसिस्टम विकसित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने फार्मास्यूटिकल कारोबार में नैतिक मूल्यों से समझौता करने वालों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई है।

उन्होंने कहा कि यह सम्मान हिमाचल प्रदेश की नियामक उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है तथा इससे देश और वैश्विक बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले एक विश्वसनीय फार्मास्यूटिकल हब के रूप में राज्य की स्थिति और मजबूत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने सम्मान को बताया प्रदेश के लिए गौरव

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने कहा कि यह सम्मान प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने प्रभावी औषधि नियमन सुनिश्चित करने के साथ-साथ फार्मास्यूटिकल उद्योग के विकास को सुगम बनाने में ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों की सराहना की।

अधिकारियों-कर्मचारियों के समर्पण को सराहा

स्वास्थ्य सचिव आशीष सिंहमार ने इस सम्मान को हिमाचल प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए इसे ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक समर्पण, प्रतिबद्धता और व्यावसायिक दक्षता को समर्पित किया।

बिलासपुर में चिट्टा तस्करी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई, मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम ने नशा तस्करी के संगठित नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब के रोपड़ से मुख्य सप्लायर मलकीयत सिंह उर्फ मल्ली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई बैकवर्ड लिंकेज जांच के तहत की। आरोपी पर हत्या, जानलेवा हमला और आर्म्स एक्ट समेत 10 संगीन मामले दर्ज हैं।

मामला 21 अगस्त को सामने आया था, जब पुलिस टीम ने फोरलेन पर नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार अमन और अरुण को जांच के लिए रोका। तलाशी में दोनों के कब्जे से 14.50 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ था। इस संबंध में सदर थाना बिलासपुर में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर नशे की खेप के मुख्य स्रोत का पता लगाया। इसमें रोपड़ निवासी 38 वर्षीय मलकीयत सिंह उर्फ मल्ली की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद पुलिस टीम ने रोपड़ में दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी द्वारा बिलासपुर और मंडी जिलों में चिट्टे की सप्लाई करने की बात सामने आई है। पुलिस अब उसके स्थानीय संपर्कों, पूरे तस्करी नेटवर्क और नशे की खरीद के स्रोत की जांच कर रही है।

एलआईसी बिलासपुर ने 70वीं वर्षगांठ पर मनाया रक्तदान दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम की बिलासपुर शाखा ने निगम की 70वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित बीमा सप्ताह के तहत रक्तदान दिवस मनाया। इस दौरान 25 अभिकर्ताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर 20 यूनिट रक्त एकत्रित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र शर्मा ने की। सहायक प्रशासनिक अधिकारी डीके शर्मा ने बताया कि बीमा सप्ताह के दौरान स्कूलों और विभिन्न संस्थानों में सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि बीमा सप्ताह के अंतिम दिन गुरु एवं शिष्य दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में एलआईसी के वरिष्ठ अभिकर्ता लेखराम को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। लेखराम पिछले 41 वर्षों से निगम के साथ जुड़े हैं। इस अवसर पर सहायक प्रबंधक आशीष कुमार परिहार, विकास अधिकारी और बड़ी संख्या में अभिकर्ता मौजूद रहे।

महिला मोर्चा हमीरपुर की बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा महिला मोर्चा मंडल ग्रामीण हमीरपुर की बैठक मंगलवार को डिडवीं टिक्कर में अध्यक्ष ज्योति बाला की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में विधायक सदर आशीष शर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजकुमारी, मंडल प्रभारी नीरू मिश्रा, महामंत्री मंडल ग्रामीण प्रमोद पटियाल, युवा मोर्चा अध्यक्ष आशीष कुमार विशेष तौर पर उपस्थित रहे।

इस बैठक में विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों बारे उपस्थित मातृशक्ति ने चर्चा की। अध्यक्ष ज्योति बाला ने महिला मोर्चा द्वारा किए गए कार्यक्रमों की जानकारी सभी के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा पार्टी के हरेक कार्यक्रम में शामिल होकर पार्टी की नीतियों एवं गतिविधियों को सभी के समक्ष रखता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर एक कार्यकर्ता दस सखियों को जोड़ रही है। उन्होंने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों बारे सभी को जानकारी दी एवं इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। विधायक आशीष शर्मा ने कहा कि महिला मोर्चा प्रमुख मोर्चा है और मातृशक्ति ही समाज में बदलाव, विकास की नींव रखती है। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा बेहतरीन कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यक्रमों में सभी की सहभागिता जरूरी है और सभी मिलकर पार्टी को और मजबूत करेंगे। जिला उपाध्यक्ष राजकुमारी और प्रभारी नीरू मिश्रा ने भी संगठन की सभी गतिविधियों बारे विस्तार से चर्चा की व आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस मौके पर महामंत्री भोली शर्मा, सुमन लता, पंचायत समिति उपाध्यक्ष रानी देवी, पंचायत समिति सदस्य लंबलू कल्पना शर्मा, पूर्व जिला परिषद मनु बाला सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

भाजपा अर्की मंडल की मासिक बैठक आज, संगठन मजबूती पर होगा मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। भाजपा अर्की मंडल की मासिक बैठक 9 सितंबर को सुबह 10 बजे लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह अर्की में आयोजित होगी। यह जानकारी मंडल महामंत्री यशपाल कश्यप ने दी।

उन्होंने बताया कि बैठक में जिला सोलन प्रभारी राजपाल सिंह, सह प्रभारी संदीपनी भारद्वाज, जिला अध्यक्ष रतन सिंह पाल, पूर्व विधायक गोविंद राम शर्मा व मंडल प्रभारी काला राम विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। बैठक में संगठन को मजबूत करने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सेवा कार्यकाल से संबंधित संकल्प अभियान और 'मन की बात' सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा होगी। उन्होंने प्रदेश, जिला और मंडल पदाधिकारियों, मोर्चों, प्रकोष्ठों, ग्राम केंद्र प्रभारियों और बूथ अध्यक्षों से शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

इंदौरा जोनल टूर्नामेंट में प्रताप वर्ल्ड स्कूल की छात्राओं ने लहराया परचम

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। प्रताप वर्ल्ड स्कूल इंदौरा चनौर की छात्राओं ने इंदौरा जोनल टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के 39 विद्यालयों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लिया। प्रताप वर्ल्ड स्कूल की खो-खो टीम ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ विभिन्न मुकाबलों में हिस्सा लिया। उनके बेहतरीन प्रदर्शन की उपस्थित लोगों ने सराहना की। इस उपलब्धि का सबसे गौरवपूर्ण पहलू यह रहा कि विद्यालय की खो-खो टीम की चार प्रतिभावान छात्राओं का चयन जिला स्तरीय टूर्नामेंट के लिए किया गया है। चार खिलाड़ियों के जिला स्तर पर चयन से विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल है। घोरन स्कूल की प्रधानाचार्या एवं मुख्य अतिथि श्रीमती सुमन लता तथा एसडीएम सुरेंद्र ठाकुर ने खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना जैसे गुण विकसित होते हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या रेणु परमार और एमडी डॉ. ऋचा महाजन ने खो-खो टीम की सभी छात्राओं, जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित चारों खिलाड़ियों और कोच को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को खेल प्रतिभा निखारने के लिए निरंतर अवसर और प्रोत्साहन दिया जाता है। विद्यालय प्रबंधन ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता लगन, अनुशासन, नियमित अभ्यास और दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

छात्राओं की इस उपलब्धि से विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक और क्षेत्रवासी उत्साहित हैं। विद्यालय परिवार ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

आयोजन बच्चों के पौष्टिक आहार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश, 370 आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिकाएं स्थापित

आज से 8 अक्तूबर तक मनाया जाएगा राष्ट्रीय पोषण माह

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। डीसी राहुल कुमार ने बताया कि जिले में नौवां राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर से 8 अक्तूबर तक मनाया जाएगा।

इस दौरान बच्चों में पोषणयुक्त खान-पान की आदतें विकसित करने और अभिभावकों को संतुलित आहार के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। डीसी ने यह जानकारी बचत भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित जिला स्तरीय अंतरविभागीय समन्वय बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और गांवों में एनीमिया जांच शिविर, डिजिटल निगरानी, पोषण रैलियों तथा पोषण वाटिकाओं को लेकर जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय पारंपरिक एवं पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनियां लगाने और 'मेरी आंगनबाड़ी, मेरी जिम्मेदारी' अभियान के तहत लोगों को पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी देने पर भी जोर दिया। उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दिए जाने वाले पोषाहार की गुणवत्ता और निर्धारित आहार तालिका की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को भी पोषण अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए।

जिले में वर्तमान में 1111 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनमें करीब 370 केंद्रों में पोषण वाटिकाएं स्थापित की जा चुकी हैं। राहुल कुमार ने कहा कि छह माह की आयु के बाद शिशुओं को समय पर उचित पूरक आहार देना उनके मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से बच्चों को दिए जा रहे पूर्ण आहार की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। साथ ही अभिभावकों को संतुलित और पौष्टिक भोजन के प्रति जागरूक करने पर बल दिया।

उन्होंने बच्चों में मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल से होने वाले शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों के प्रति भी जागरूकता फैलाने को कहा। अभिभावकों से बच्चों को मोबाइल के अधिक उपयोग से दूर रखने तथा उनकी दिनचर्या में खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों को शामिल करने का आह्वान किया। उपायुक्त ने बताया कि माताओं, बहनों और छोटे बच्चों को अधिक पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने 'इंदिरा गांधी मातृ शिशु संकल्प योजना' लागू करने का निर्णय लिया है। योजना का पायलट चरण 2 अक्तूबर से बिलासपुर के घुमारवीं सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के 21 समेकित बाल विकास सेवा खंडों में शुरू होगा।

इसके तहत छह माह से तीन वर्ष तक के बच्चों तथा माताओं को दिए जाने वाले पोषाहार में सुधार कर अधिक पौष्टिक और पैकेज्ड सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी। योजना में बच्चों की रुचि और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सप्ताह में तीन बार दूध अथवा अंडा देने की व्यवस्था होगी। तीन से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए गर्म पकाए भोजन को भी अधिक पौष्टिक बनाया जाएगा। बैठक के अंत में उपायुक्त ने अधिकारियों को बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त रूपिंदर कौर, जिला कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

केशव शुक्ला टांडा मेडिकल कॉलेज से करेंगे एमबीबीएस

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। होनहार बिरवान के होत चिकने पात अर्थात योग्य, प्रतिभाशाली व्यक्ति के गुण बचपन से ही दिखाई देने लगते हैं। हम बात ग्राम पंचायत ऊखली के ऊखली गांव से संबंध रखने वाले केशव शुक्ला की कर रहे हैं।

ग्रामीण परिवेश में पले बढ़े केशव शुक्ला का चयन एमबीबीएस टांडा के लिए हुआ है। अब वह डॉक्टर की पढ़ाई टांडा मेडिकल कॉलेज से पूरी करेंगे। नीट की परीक्षा उत्तीर्ण कर एमबीबीएस में चयन होने से परिजन व क्षेत्र के लोग उनके ऊपर गर्व महसूस कर रहे हैं। केशव शुक्ला के पिता जगदीप शुक्ला निजी जॉब करते हैं तथा माता रोमा देवी गृहिणी हैं। जगदीप शुक्ला ने बताया कि केशव शुक्ला बचपन से ही पढ़ाई में अच्छा रहा है। जमा दो की पढ़ाई साईं पब्लिक स्कूल ऊखली से पूरी की है तथा उसके बाद घुमारवीं के एक कोचिंग संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कोचिंग प्राप्त करने के बाद नीट की परीक्षा को उत्तीर्ण कर अपने सपने को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। नीट में केशव शुक्ला ने 579 अंक हासिल किए हैं तथा जल्द ही अब उनकी डॉक्टरी की शिक्षा आरंभ हो जाएगी। जनसेवक सुशील ठाकुर ने केशव शुक्ला को उनके घर जाकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि डॉक्टरी सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि जनसेवा का जरिया है। केशव शुक्ला से मिलकर उन्हें बधाई दी गई तथा राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया गया। जनसेवक सुशील ठाकुर ने कहा कि केशव शुक्ला का एमबीबीएस में चयनित होना अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करेगा।

लूसी रॉबसन एक खूबसूरत गोल्फर

30 साल की गोल्फर लूसी रॉबसन को गोल्फिंग स्किल्स और उनके खूबसूरत लुक्स के कारण फैंस बहुत ज्यादा पसंद करते हैं, जिसके कारण ही इंस्टाग्राम में उनके लगभग 1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। गोल्फर होने के साथ ही साथ वह एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी हैं।

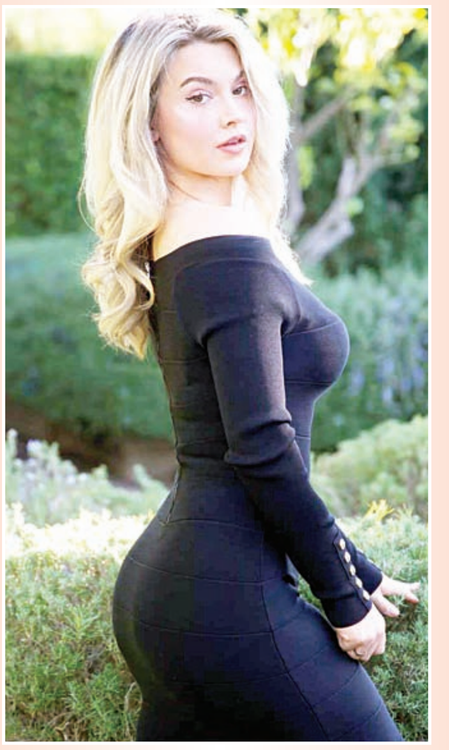

भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया, सेमीफाइनल के करीब पहुंचा

जूनियर एशिया कप: अनमोल एक्का का शानदार प्रदर्शन, टूर्नामेंट में 8 गोल पूरे

एजेंसी, मोकी (चीन)

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को दक्षिण कोरिया को 7-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत पूल-ए में सात अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है और सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच गया है।

मौजूदा चैंपियन भारत ने तीन मुकाबलों में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ सात अंक हासिल किए हैं। दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआती तीन क्वार्टर में कड़ी चुनौती का सामना किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के आखिरी दौर में बढ़त हासिल करने के बाद अंतिम क्वार्टर में तीन गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। भारत के कप्तान और स्टार ड्रैगफ्लिकर अनमोल एक्का एक बार फिर टीम के सबसे प्रभावी खिलाड़ी रहे। उन्होंने दो गोल किए और टूर्नामेंट में अपने गोलों की संख्या आठ तक पहुंचा दी। भारत ने पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अनमोल के गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने अगले ही मिनट में दोह्योन चोई के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में लोवेनूर सिंह ने 18वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत को फिर आगे किया, लेकिन ह्योगुक यू ने अगले ही मिनट पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर दक्षिण कोरिया को 2-2 की बराबरी दिला दी। भारत ने हालांकि हाफ टाइम से पहले बढ़त हासिल कर ली। अजीत यादव ने 20वें मिनट में गोल कर भारत को 3-2 से आगे कर दिया। दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में भी दबाव बनाए रखा और ह्योगुक यू ने 36वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया।

इसके बाद भारत ने 42वें मिनट में प्रभदीप सिंह के गोल से फिर बढ़त हासिल की और तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोर 4-3 कर दिया। अंतिम क्वार्टर के शुरुआती दौर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए, लेकिन भारत ने 55वें से 58वें मिनट के बीच तीन गोल कर मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। गुरसेवक ने 55वें मिनट में गोल कर बढ़त 5-3 की। इसके एक मिनट बाद अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 6-3 से आगे कर दिया। आर्यन ने 58वें मिनट में सातवां गोल दागकर भारत की 7-3 से जीत सुनिश्चित कर दी।

भारत आखिरी पूल मुकाबले में चीनी ताइपे का करेगा सामना

इस हार के बाद दक्षिण कोरिया के छह अंक हैं। पूल-ए में उसका आखिरी मुकाबला जापान से होगा। जापान चार अंकों के साथ सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है और मंगलवार को इंडोनेशिया से भिड़ेगा। भारत बुधवार को अपने आखिरी पूल मुकाबले में चीनी ताइपे का सामना करेगा। भारतीय टीम की नजर अब जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने पर होगी।

यूएस ओपन: क्वार्टर फाइनल में राइबाकिना, झेंग से होगी भिड़ंत

एजेंसी, न्यूयॉर्क

कजाकिस्तान की दूसरी वरीय एलेना राइबाकिना ने पूर्व चैंपियन नाओमी ओसाका को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराकर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चीन की आठवीं वरीय झेंग छिनवेन से होगा। राइबाकिना के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना विश्व नंबर-1 बनने के लिए पर्याप्त होगा।

राइबाकिना ने कहा कि नंबर-1 बनना उनके लक्ष्यों में शामिल है, लेकिन वह फिलहाल हर मुकाबले पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल करने वाली राइबाकिना की सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग विश्व नंबर-2 रही है। ओसाका के खिलाफ मुकाबला सिर्फ एक घंटे छह मिनट चला। राइबाकिना ने ऐस के साथ मैच समाप्त किया और वह इस समय डब्ल्यूटीए टूर में सर्वाधिक ऐस लगाने वाली खिलाड़ियों में शीर्ष पर हैं।

झेंग ने आठवीं वरीय इगा श्वियातेक को 7-5, 6-3 से हराया। वह लगातार दूसरे मुकाबले में शुरुआती पांच गेम गंवाने के बाद वापसी करने में सफल रहीं। इससे पहले उन्होंने मैडिसन कीज के खिलाफ तीसरे सेट में 0-5 से पिछड़ने के बावजूद लगातार सात गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया था।

गॉफ तीन साल बाद अंतिम-8 में, आंद्रीवा से मुकाबला

वहीं, चौथी वरीय कोको गॉफ ने 14वीं वरीय इवा जोविच को 6-1, 6-4 से हराकर तीन साल बाद यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना फ्रेंच ओपन चैंपियन पांचवीं वरीय मिर्रा आंद्रीवा से होगा। आंद्रीवा ने अनास्तासिया पोटापोवा को 5-7, 6-4, 6-3 से हराया।

स्पोर्ट्स विंडो

बीबीएल में निजी निवेश का रास्ता खोला, रेनेगेड्स से होगी शुरुआत

एजेंसी, मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में निजी निवेश की शुरुआत करने का फैसला किया है। इसके तहत मेलबर्न रेनेगेड्स पहला क्लब होगा, जिसके लिए निजी निवेशकों से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएंगे। प्रक्रिया सफल रहने पर रेनेगेड्स 2027-28 सत्र में नए स्वामित्व के साथ मैदान पर उतर सकता है। सीए के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने कहा कि यह फैसला बीबीएल और महिला बिग बैश लीग के दीर्घकालिक विकास तथा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के भविष्य को मजबूत करने के उद्देश्य से लिया गया है। हालांकि निजी निवेश के बावजूद अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम, खिलाड़ियों की उपलब्धता, वेतन सीमा, ब्रांडिंग और निवेशकों की मंजूरी जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर सीए और राज्य सदस्य नियंत्रण बनाए रखेंगे। रेनेगेड्स की बिक्री प्रक्रिया को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में क्लब स्वामित्व के ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

नशरा संधू की घातक गेंदबाजी से हांगकांग ढेर, सेमीफाइनल में पाक

एजेंसी, दुबई। बाएं हाथ की स्पिनर नशरा संधू की शानदार गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान ने एसीसी महिला टी20 एशिया कप के ग्रुप-ए मुकाबले में हांगकांग को 72 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 143 रन बनाए। शावाल जुल्फिकार ने 35 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 47 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। आयशा जफर ने 26 रन बनाए, जबकि कप्तान फातिमा सना 24 रन बनाकर नाबाद रहीं। हांगकांग की जॉयलीन कौर ने चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए हांगकांग की पूरी टीम 71 रन पर सिमट गई। नशरा संधू ने चार ओवर में सिर्फ सात रन देकर छह विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका पहला छह विकेट वाला प्रदर्शन है। उनके 4-0-7-6 के आंकड़े पाकिस्तान महिला क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाजी प्रदर्शन भी हैं। पाकिस्तान ने तीन मैचों में दो जीत के साथ चार अंक हासिल किए और ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रहा। अब 11 सितंबर को सेमीफाइनल में उसका सामना श्रीलंका से होगा।

मार्क ने न्यूजीलैंड का केंद्रीय अनुबंध छोड़ा, बिग बैश खेलने का रास्ता साफ

एजेंसी, ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने 2026-27 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने का फैसला किया है। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ आकस्मिक अनुबंध स्वीकार किया है, जिससे उनके बिग बैश लीग में खेलने का रास्ता साफ हो गया है। चैपमैन भारत के खिलाफ आगामी घरेलू श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनके अलावा फिन एलन, लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्न और टिम सीफर्ट भी आकस्मिक अनुबंध पर हैं।

भारत के खिलाफ टी20 मैच में एशियाड के लिए चुनी टीम ही उतारेगा जापान

एजेंसी, दुबई

जापान की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले केंडेल कादोवाकी फ्लेमिंग 22 सितंबर को सानो में भारत के खिलाफ होने वाले ऐतिहासिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने देश की कप्तानी करेंगे। इस मैच में जापान ने वही टीम उतारने का फैसला किया है जो आइची-नागोया में एशियाई खेलों में खेलेगी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बताया कि जापान की टीम में इब्राहिम ताकाहाशी और डेक्लन सुजुकी मैककॉम्ब अन्य दो खिलाड़ी हैं जिन्हें 50 से अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का अनुभव है। इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। आईसीसी ने कहा कि जापान ने एशियाई खेलों की तैयारी को ध्यान में रखते हुए उन खिलाड़ियों को टीम में शामिल नहीं करने का फैसला किया है जो आईसीसी नियमों के तहत टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के योग्य हैं लेकिन एशियाई खेलों के नियमों के तहत अयोग्य हैं।

तीस वर्षीय कादोवाकी फ्लेमिंग ने अब तक 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 139.41 के स्ट्राइक रेट से 1871 रन बनाए हैं। उनके नाम पर दो शतक और 12 अर्धशतक दर्ज हैं। एशियाई खेल 19 सितंबर से शुरू हो रहे हैं। पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर से शुरू होगी। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज भारत मौजूदा टी20 विश्व कप चैंपियन है। जापान आईसीसी टी20 रैंकिंग में 41वें स्थान पर है। जापान की 15 सदस्यीय टीम में विकेटकीपर वतारू मियाउची और लेग स्पिनर माकोतो तानियामा भी शामिल हैं। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर जेक कुसुदा नैर्न और तेज गेंदबाज त्सुयोशी तकादा को घरेलू मैचों में अच्छे प्रदर्शन के दम पर टीम में शामिल किया गया है।

जापान की टीम

कादोवाकी फ्लेमिंग (कप्तान), चार्ली हारा हिन्ज़, बेंजामिन इटो डेविस, एलेस्टर कादोवाकी फ्लेमिंग, कोहेई कुबोटा, जेक कुसुदा नैर्न, वतारू मियाउची (विकेटकीपर), रेओ साकुरानो थॉमस, एलेक्स शिराई पाटजुकिटर, सुगाया मैक्लान (विकेटकीपर) त्सुयोशी तकादा, इब्राहिम ताकाहाशी, मकोतो तानियामा, लाचलान यामामोटो लेक।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम रवाना

जापान, थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया और उज्बेकिस्तान से होगी भिड़ंत

एजेंसी, बेंगलुरु

एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 में ऐतिहासिक पांचवां स्थान हासिल करने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम मंगलवार को एशियाई खेलों के लिए जापान रवाना हो गई। कप्तान सलीमा टेटे और मुख्य कोच सजॉर्ड मारिजने की अगुवाई वाली टीम का लक्ष्य आइची-नागोया एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना है।

मारिजने की वापसी के बाद टीम ने फिटनेस, तालमेल और सामूहिक पहचान पर विशेष जोर दिया है। भारत ने एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर में रजत पदक हासिल करने के बाद नेशंस कप में शानदार प्रदर्शन किया। उसने अमेरिका, जापान और उरुग्वे को हराया तथा फाइनल में न्यूजीलैंड को 2-0 से मात देकर खिताब जीता। इस जीत से टीम को अगले सत्र की प्रो लीग में पदोन्नति भी मिली। विश्व कप में भारत ने चीन, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ड्रॉ खेला, दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से हराया और जर्मनी के खिलाफ 3-1 की जीत के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। यह विश्व कप में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

20 को उज्बेकिस्तान के खिलाफ भारत अपने अभियान की करेगा शुरुआत

एशियाई खेलों में भारत पूल बी में जापान, थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया और उज्बेकिस्तान के साथ है। भारत 20 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। इसके बाद 21 सितंबर को इंडोनेशिया, 23 सितंबर को थाईलैंड, 25 सितंबर को जापान और 27 सितंबर को सिंगापुर से भिड़ेगा।

सेंसेक्स 500 और निफ्टी 130 अंक फिसला

विदेशी बाजारों की कमजोरी के बीच लगातार दूसरे दिन बाजार में गिरावट रही

एजेंसी, मुंबई

मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट देखने को मिली। कारोबार के दौरान सेंसेक्स करीब 500 अंक टूटकर 75,600 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी में भी लगभग 130 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 23,650 के आसपास कारोबार करता नजर आया। बाजार में इस कमजोरी के पीछे वैश्विक बाजारों के मिले-जुले संकेत और निवेशकों की सतर्कता प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। इससे पहले सोमवार को भी घरेलू बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 382 अंक फिसलकर 76,132 पर और निफ्टी 118 अंक गिरकर 23,779 के स्तर पर बंद हुआ था।

एशियाई बाजारों में भी मंगलवार को मिला-जुला रुख देखने को मिला। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में मजबूती रही, जबकि जापान के निक्केई में मामूली बढ़त दर्ज हुई। इसके विपरीत हांगकांग का हैंगसेंग कमजोर रहा। इससे पहले सोमवार को अमेरिकी बाजारों में भी गिरावट दर्ज की गई थी। डाउ जोंस, नैस्डैक और एसएंडपी 500 तीनों सूचकांक नुकसान में बंद हुए थे।

हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी बाजार को कुछ सहारा दे रही है। पिछले सात दिनों में घरेलू निवेशकों ने 17,287 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। वहीं विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दिशा को प्रभावित कर रही हैं।

चांदी 2,176 रुपए उछली और सोना 374 रुपए महंगा हुआ

एजेंसी, मुंबई। सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार 8 सितंबर को एक बार फिर तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 374 रुपये बढ़कर 1.53 लाख रुपये पहुंच गया। वहीं चांदी की कीमत में 2,176 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई और इसका भाव 2.34 लाख रुपये किलो हो गया। इस साल की शुरुआत से सोने की कीमत में करीब 20 हजार रुपये का इजाफा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना करीब 1.33 लाख रुपये था जो अब बढ़कर 1.53 लाख रुपये पर पहुंच गया है। चांदी भी 31 दिसंबर के 2.30 लाख रुपये प्रति किलो के मुकाबले अब 2.34 लाख रुपये पर है। हालांकि इस दौरान दोनों धातुओं ने अपने रिकॉर्ड स्तर भी बनाए। 29 जनवरी को सोने का भाव 1.76 लाख रुपये और चांदी का भाव 3.86 लाख रुपये प्रति किलो के ऑलटाइम हाई पर पहुंचा था।

ब्रिटेन ने भारत की कार्बन क्रेडिट योजना को दी आधिकारिक मान्यता

अब भारतीय उद्योगों को ब्रिटेन में नहीं देना होगा दोहरा कार्बन कर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय उद्योगों और निर्यातकों के लिए ब्रिटेन से बड़ी राहत की खबर सामने आई है। ब्रिटेन सरकार ने भारत की कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना को अपने आगामी कार्बन सीमा समायोजन तंत्र के तहत मान्यता दे दी है। इस फैसले से ब्रिटेन को माल निर्यात करने वाली भारतीय कंपनियों पर दोहरे कार्बन कर का बोझ कम होने की उम्मीद है। इससे भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता मजबूत होगी और दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को भी नई गति मिल सकती है।

ब्रिटेन की ओर से लागू किए जाने वाले कार्बन कर के दायरे में कई प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र आते हैं। इनमें लोहा, इस्पात, एल्युमीनियम, सीमेंट, उर्वरक, हाइड्रोजन तथा कांच और सिरेमिक उद्योग प्रमुख हैं। भारत की योजना को मिली मान्यता का अर्थ है कि यदि इन क्षेत्रों से जुड़ी भारतीय कंपनियां उत्पादन के दौरान देश में कार्बन उत्सर्जन से संबंधित निर्धारित शुल्क का भुगतान कर चुकी हैं तो ब्रिटेन में सामान पहुंचने पर उसी कार्बन लागत के लिए दोबारा भुगतान करने की स्थिति से उन्हें राहत मिल सकती है।

स्टील से एल्युमीनियम तक निर्यातकों को ब्रिटेन से मिलेगी राहत

यह फैसला ऐसे समय में महत्वपूर्ण है जब वैश्विक व्यापार में पर्यावरणीय मानकों और कार्बन उत्सर्जन को लेकर नियम लगातार सख्त हो रहे हैं। भारतीय निर्यातकों के लिए उत्पादन लागत और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा बनाए रखना बड़ी चुनौती है।

केनरा बैंक ने अनिल अंबानी को डिफॉल्टर घोषित किया

एजेंसी, नई दिल्ली

उद्योगपति अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केनरा बैंक ने अनिल अंबानी तथा रिलायंस कम्युनिकेशंस की सहायक कंपनी रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड को विलफुल डिफॉल्टर घोषित किया है। बैंक की विलफुल डिफॉल्टर समीक्षा समिति ने 31 अगस्त को हुई बैठक में यह फैसला लिया। बैंक का आरोप है कि कंपनियों ने कर्ज के तौर पर मिले धन का इस्तेमाल निर्धारित उद्देश्यों के बजाय अन्य कार्यों में किया और राशि को संबंधित तथा गैर-संबंधित पक्षों की ओर मोड़ा गया।

बैंक के अनुसार रिलायंस समूह की कंपनियों ने बैंकों से कुल 31,580 करोड़ रुपये प्राप्त किए थे। जांच में धन के कथित दुरुपयोग और संदिग्ध लेनदेन की बात सामने आई है। वहीं रिलायंस कम्युनिकेशंस ने कहा है कि कंपनी और रिलायंस टेलीकॉम फिलहाल कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के अधीन हैं।

कंपनी के मुताबिक मामला दिवाला प्रक्रिया शुरू होने से पहले की अवधि से जुड़ा है। लेनदारों की समिति समाधान योजनाओं को मंजूरी दे चुकी है और अब इन्हें राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण के समक्ष रखा गया है। कंपनी ने दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता की धारा 32ए के तहत मिलने वाली कानूनी सुरक्षा का भी हवाला दिया है।

वैश्वीकरण सैमसंग के 30 साल पूरे, भारत को कंपनी ने वैश्विक तकनीकी नवाचार का मजबूत केंद्र बताया

भारत में तकनीक का भविष्य गढ़ रहा सैमसंग: जेबी पार्क

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत अब केवल बड़ी आबादी वाले उपभोक्ता बाजार के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक तकनीकी नवाचार के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। दक्षिण पश्चिम एशिया के लिए सैमसंग के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेबी पार्क ने भारत में कंपनी के 30 वर्ष पूरे होने के अवसर पर कहा कि देश सैमसंग के लिए वैश्विक नवाचार का गढ़ बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत लगातार आगे बढ़ने और उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता रखता है। यही विशेषता इसे तकनीक के भविष्य को आकार देने वाले प्रमुख देशों में शामिल करती है।

जेबी पार्क के अनुसार, भारत को केवल 1.4 अरब लोगों के बाजार के रूप में देखना अब पर्याप्त नहीं है। देश में तकनीक के भविष्य की कल्पना की जा रही है, उसका विकास हो रहा है और कई क्षेत्रों में भारत नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि सैमसंग की भारत में मौजूदगी की कहानी केवल उत्पादों की बिक्री तक सीमित नहीं रही है। कंपनी ने भारत के साथ मिलकर तकनीक विकसित करने और नवाचार को आगे बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

भारत सैमसंग के लिए बाजार से बढ़कर वैश्विक नवाचार का प्रमुख केंद्र बना

सैमसंग ने वर्ष 1995 में भारतीय बाजार में प्रवेश किया था। पिछले तीन दशकों के दौरान भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हुई है। इसी अवधि में सैमसंग ने देश में अपने विनिर्माण ढांचे का विस्तार करने के साथ अनुसंधान और विकास की क्षमताओं को भी मजबूत किया। कंपनी के बेंगलुरु और नोएडा में अनुसंधान एवं विकास केंद्र हैं, जहां तकनीकी समाधान और नए उत्पादों के विकास से जुड़े कार्य किए जाते हैं।

भारत में कंपनी की बढ़ती तकनीकी गतिविधियां इस बात का संकेत हैं कि वैश्विक कंपनियां अब देश को केवल उपभोक्ता बाजार के रूप में नहीं बल्कि प्रतिभा, अनुसंधान, डिजाइन और नवाचार के केंद्र के रूप में भी देख रही हैं।

तकनीक का वैश्विक केंद्र बनता भारत

सैमसंग के लिए भारत में 30 वर्षों का सफर बाजार विस्तार से कहीं आगे बढ़ चुका है। विनिर्माण, अनुसंधान, डिजाइन और तकनीकी विकास में बढ़ती भागीदारी के साथ भारत कंपनी की वैश्विक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और स्मार्ट उपकरणों जैसे क्षेत्रों में भारत की भूमिका और बढ़ने की संभावना है।

भारत में हर चौथा कर्मचारी कर रहा बिना भुगतान अतिरिक्त काम

एजेंसी, हैदराबाद। वैश्विक शोध एजेंसी एडीपी रिसर्च इंस्टीट्यूट की 'पीपुल एट वर्क 2026' रिपोर्ट ने भारतीय कर्मचारियों के बढ़ते कार्यदबाव को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में करीब 24 प्रतिशत कर्मचारी हर सप्ताह 16 घंटे या उससे अधिक ऐसा अतिरिक्त काम करते हैं जिसके लिए उन्हें अलग से भुगतान नहीं मिलता। यह आंकड़ा वैश्विक औसत 12 प्रतिशत से दोगुना है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बिना भुगतान अतिरिक्त काम का दबाव विशेष रूप से घर से काम करने वाले कर्मचारियों वरिष्ठ प्रबंधकों और शीर्ष स्तर के अधिकारियों पर अधिक है। लगातार बढ़ते काम और डिजिटल माध्यमों से कार्यालय से जुड़े रहने के कारण कर्मचारियों के निजी जीवन पर भी असर पड़ रहा है। इसका प्रभाव उनके काम के प्रति जुड़ाव में भी दिखाई दे रहा है। भारत में कर्मचारियों का कार्यस्थल से जुड़ाव 24 प्रतिशत से घटकर 19 प्रतिशत रह गया है। हालांकि तकनीकी क्षेत्र में भारतीय कर्मचारी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार देश के 41 प्रतिशत कर्मचारी अपने रोजमर्रा के काम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल कर रहे हैं जो वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक है। विशेषज्ञों के अनुसार तकनीक से काम आसान होने के बावजूद यदि कर्मचारियों पर लगातार अतिरिक्त काम का दबाव बना रहा तो तनाव और थकान बढ़ सकती है।

हर सप्ताह 16 घंटे तक अतिरिक्त काम कर रहे 24 प्रतिशत भारतीय कर्मचारी